बी.ए.भाग-1

प्रश्नपत्र–प्रथम, आधार पाठ्यक्रम (हिन्दी भाषा)

पाठ्य विषय	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 1. पल्लवन 2. पत्राचार 3. अनुवाद 4. पारिभाषिक शब्दावली	1. पल्लवन का अर्थ तथा विशेषतायें एवं नियम से अवगत कराना। 2. इसमें निजी तथा व्यक्तिगत पत्रों से अवगत होते हैं। 3. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं उद्देश्य तथा उनकी विशेषतायें साथ ही अनुवाद के नियम व सिद्धांत का उल्लेख करना। 4. पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ, प्रकार एवं विशेषतायें, विभिन्न विषयों से सम्बंधित पारिभाषिक शब्दावली का अध्ययन।	इस इकाई के अंतर्गत पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद एवं पारिभाषिक, शब्दावली से विद्यार्थी अवगत होते हैं साथ ही इनके बारे में जानकर विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।
bdkb&2 1. मुहावरे, लोकोक्तियां, शब्द शुद्धि, शब्द ज्ञान, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत अनेक शब्दों के एक शब्द।	1. मुहावरे एवं लोकोक्ति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताओं से अवगत कराना साथ ही शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्द ज्ञान, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत अनेक शब्दों के एक शब्दों का अवलोकन एवं अध्ययन करना।	इस इकाई में मुहावरे की उपयोगिता एवं महत्व की जानकारी दी साथ ही शब्द, शुद्धि की उपयोगिता से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।
bdkb&3 1. देवनागरी लिपि 2. वर्तनी मानक का रूप	1. देव नागरी लिपि का नामकरण इनकी व्युत्पत्ति एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया। 2. मानक भाषा का अर्थ, परिभाषा एवं इनकी विशेषताओं से अवगत हुए। साथ ही वर्तनी संबंधी अशुद्धियों का भी अवलोकन किया गया।	1. देवनागरी लिपि के गुणों से अवगत हुए। इस लिपि से विद्यार्थी को विशेष ज्ञान प्राप्त होता है। 2. मानक भाषा के अंतर्गत वर्तनी में होने वाली अशुद्धि से विद्यार्थी को जानकारी मिलती है एवं मानक वर्तनी से विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।
bdkb&4 1. कम्प्यूटर 2. पदनाम	1. कम्प्यूटर का परिचय, हिन्दी भाषा के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता पर प्रकाश डालना। 2. पदनाम का अभिप्राय, वदनाम की महत्ता का वर्णन करना। अंग्रेजी पदनामों के हिन्दी पदनाम की विवेचना।	1. कम्प्यूटर में हिन्दी के अनुप्रयोग से विद्यार्थी अवगत होते हैं एवं इनकी उपयोगिता लाभान्वित हुए। 2. हिन्दी में पद नाम की जानकारी तथा इनकी उपयोगिता से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

bdkb&5 1. हिन्दी अपठित संक्षेपण 2. हिंदी में संक्षिप्तीकरण	हिंदी अपठित गद्यांश का अवलोकन, संक्षेपण का अर्थ, परिभाषा, संक्षेपण के गुण तथा संक्षिप्ति के विषयगत नियमों पर प्रकाश डालना।	संक्षेपण एक स्वतः पूर्ण रचना है। जिसमें अप्रासंगिक, असम्बद्ध अनावश्यक पक्षों का त्याग कर मूल तथ्यों से अवगत हुए।

बी.ए.भाग-२

प्रश्नपत्र–द्वितीय, आधार पाठ्यक्रम (हिन्दी भाषा)

पाठ्य विषय	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 1. सत्य और अहिंसा, महात्मा गांधी 2. ग्राम सेवा–विनोबा भावे 3. युवकों का समाज में स्थान–आचार्य नरेन्द्रदेव 4. मातृभूमि–डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल 5. हिमालय की व्युत्पत्ति–डॉ. भगवतशरण उपाध्याय 6. डॉ.खूबचंद बघेल–हरि ठाकुर	1. सत्य और अहिंसा के व्यावहारिक महत्व को प्रतिपादित करना। 2. 'ग्राम सेवा' निबंध का सारांश बताया गया ग्राम सेवा से संबंधित आवश्यक बातों से विद्यार्थी अवगत होते हैं। 3. 'युवकों को समाज में स्थान' निबंध में नवयुवकों की भूमिका एवं महत्ता पर प्रकाश डालना साथ ही समाज के नव निर्माण में वृद्धों की भूमिका से परिचित हुए। 4. मातृभूमि निबंध का सारांश तथा इस निबंध में वर्णित भारत वर्ष के स्वरूप का वर्णन करना। 5. हिमालय की व्युत्पत्ति, निबंध का सारांश, भौगोलिक वर्णन, सांस्कृतिक पक्ष, सामाजिक पक्ष, धार्मिक पक्ष का वर्णन मिलता है। 6. डॉ. खूबचंद बघेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालना साथ ही इनके महत्वपूर्ण कार्यों से अवगत कराना।	1. सत्य और अहिंसा के घनिष्ठ सम्बंधों एवं महत्व को जानकर विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं। 2. ग्राम सेवा से संबंधित आवश्यक दिशा से विद्यार्थी अवगत हुए। 3. इस निबंध से युवकों के अधिकारों को जाना तथा विद्यार्थी आत्मशासन के महत्व से अवगत हुए। 4. मातृभूमि से स्थूल विश्वरूप से विद्यार्थी अवगत हुए। 5. हिमालय की व्युत्पत्ति के वर्णन से विद्यार्थी लाभान्वित हुए। 6. डॉ. खूबचंद बघेल के व्यक्तित्व एवं देश के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थी को प्रेरणा मिलती है।
bdkb&2 हिन्दी भाषा और उसके विधि रूप– 1. कार्यालयीन भाषा	हिन्दी भाषा के विविध रूपों की विवेचना– 1. कार्यालयीन भाषा की विशेषता तथा कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले पत्रों की जानकारी प्रदान करना। 2. जनसंचार माध्यम के रूप का वर्णन, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया की जानकारी प्राप्त हुई।	1. कार्यालयीन हिन्दी के स्वरूप तथा इसकी उपयोगिता से विद्यार्थी को लाभ प्राप्त होता है। 2. मीडिया भाषा के अंतर्गत, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया के महत्व से विद्यार्थी अवगत हुए। 3. वित्त एवं वाणिज्य की भाषा मानक रूप में होते हैं । इसमें पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग किया जाता है। इनकी जानकारी छात्र/छात्राओं को प्रदान की जाती है।

2. मीडिया की भाषा 3. वित्त एवं वाणिज्य की भाषा 4. मशीनी भाषा	3. वित्त एवं वाणिज्य की भाषा के अंतर्गत व्यापार, वाणिज्य, वित्त, व्यवहार, परिवहन, शेयर बाजार, बीमा बैंकिंग तथा आयात निर्यात आदि क्षेत्रों के बारे में जानकारी मिलती है। 4. मशीनी, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी की भाषा, सामान्य व्यवहार की भाषा से सर्वथा भिन्न होती है। मशीनी भाषा के बारे में विवेचन एवं विश्लेषण	4. हिन्दी भाषा में मशीनी भाषा के महत्व से विद्यार्थी अवगत हुए।
bdkb&3 1. अनुवाद व्यवहारःअंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद 2. हिन्दी की व्यावहारिक कोटियां एवं 3. संक्षिप्तीय	1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप,उद्देश्य एवं विशेषता को बदताना साथ ही के सिद्धांतों का उल्लेख करना। 2. हिन्दी की व्यावहारिक कोटियों का वर्णन संज्ञाख सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, समास एवं संधि का अभिप्राय, परिभाषा एवं इसके भेद की जानकारी देना। 3. संक्षिप्ति का अभिप्राय, इसकी विशेषता एवं भेद की जानकारी देना।	1. अनुवाद की प्रविधि एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी अवगत हुए। 2. इस इकाई के अंतर्गत हिन्दी की व्याकरणिक नियमों से अवगत हुए। 3. संक्षिप्तियों के ज्ञान से विद्यार्थी को बोलने और लेखन में सुविधा होती है।

बी.ए.भाग-३

प्रश्नपत्र–प्रथम, आधार पाठ्यक्रम (हिन्दी भाषा)

पाठ्य विषय	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 ¼d½ 1. भारत माता (कविता) सुमित्रानंदन पंत 2. परशुराम की प्रतीक्षा–रामधारी सिंह दिनकर 3. बहुत बड़ा सवाल(एकांकी) मोहन राकेश	1. 'भारत माता कविता का भावार्थ। इस कविता में भारतवर्ष की महिमा का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत करना। 2. 'परशुराम की प्रतीक्षा' कविता का भावार्थ! इस कविता के माध्यम से भारतीयों की सोई चेतना को जगाने का प्रयास करना। 3. 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी के द्वारा जीवनापयोगी वस्तुओं की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना है तथा आपसी राजनीतिक पैंतरेबाजी प्रदर्शित करना।	1. 'भारत माता' कविता द्वारा विद्यार्थी को देशभक्ति तथा जागरूकता का संदेश मिलता है। 2. 'परशुराम की प्रतीक्षा' कविता में नैतिक मूल्यों की रक्षा करते हुए अपने राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिए सदा जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है। 3. इस एकांकी से निम्न स्तर के व्यक्तियों के भोजन आवास की समस्या की जानकारी प्राप्त होती है। 4. सांस्कृतिक विविधा के कारणों एवं राष्ट्रीय एकीकरण की समस्याओं से विद्यार्थी अवगत हुए। कथन की शैलियों के बारे में विद्यार्थी को जानकारी प्रदान करना।

4. संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण, योगेश अटल bdkbi&1 ¼[k½ 1. विवरणात्मक शैली 2. मूल्यांकन शैली 3. व्याख्यात्मक शैली 4. विचारात्मक शैली	4. 'संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण' से सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकीकरण के लिए सांस्कृतिक विविधा के कारणों एवं समस्याओं को रेखांकित करना। इस इकाई में कथन की शैलियों को परिभाषित करते हुए उनके प्रकारों का वर्णन करना।	
bdkbi&2 ¼d½ 1. विकासशील देशों की समस्या : मानव विकास प्रतिवेदन–डॉ.रामशंकर तिवारी 2. विकासात्मक पुनर्विचार–कल्यान के प्रश्न–डॉ.ओंकारशरण श्रीवास्तव bdkbi&2 ¼[k½ विभिन्न संरचनायें 1. विनम्रतासूचक तथा 2. विधि सूचक 3. निषेधपरक 4. कालबोधक 5. स्थानबोधक 6. दिशाबोधक 7. कारण कार्य संबंध 8. अनुक्रम संरचना	1. विकासशील देशों की प्रमुख समस्याओं का उल्लेख करते हुए मानव विकास के प्रतिवेदन की विवेचना करना। 2. आर्थिक विकास का अभिप्राय बताते हुए उसके बाधक तत्वों पर प्रकाश डालना। प्रस्तुत सभी संरचनाओं की परिभाषा, विशेषताओं का उदाहरण सहित व्याख्या करना।	1. विकासशील देशों की प्रमुख समस्याओं तथा मानव विकास से विद्यार्थी को अवगत कराना। 2. आर्थिक विकास की असफलताओं से विद्यार्थी अवगत हुए। इन सभी संरचनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हुए।
bdkbi&3 ¼d½	1. प्रौद्योगिकी का अभिप्राय तथा प्रौद्योगिकी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया एवं नगरीकरण मानव के लिए कितना हितकर है इनकी जानकारी देना।	1. प्रौद्योगिकी ने समाज एवं मानव मूल्यों को प्रभावित किया तथा नगरीकरण से मानव समाज के विकास की जानकारी प्राप्त होगी।

1. प्रोद्योगिकी एवं नगरीकरण'डॉ. रामशंकर तिवारी 2. आधुनिक तकनीकी सभ्यता–डॉ. रामशंकर तिवारी 3. पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास bdkbZ&3 ¼[k½ कार्यालयीन पत्र एवं आलेख 1. परिपत्र 2. आदेश 3. अधिसूचना 4. ज्ञापन 5. अनुस्मारक 6. पृष्ठांकन	2. आधुनिक तकनीकी सभ्यता का अभिप्राय तथा आधुनिक सभ्यता मानव समाज को प्रभावित करती है। इसकी जानकारी प्रदाय करना। कार्यालयीन पत्र किसे कहते हैं इसके स्परूप को बतलाते हुए कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले पत्रों की विशेषता पर प्रकाश डालना।	2. प्रौद्योगिकी और सभ्यता मानव समाज के लिए वरदान भी है और अभिशाप भी जानकारी मिलती है। 3. भारत के पर्यावरणीय समस्यायें तथा इन समस्याओं के समाधान हेतु उपायों एवं धारणीय विकास की योजना के प्रमुख तत्वों से अवगत हुए। कार्यालय में परिपत्र, आदेश, अधिसूचना, ज्ञापन, अनुस्मारक एवं पृष्ठांकन आदि पत्र लिखे जाते हैं। इन सभी प्रकार के पत्रों से विद्यार्थी को ज्ञान प्राप्त होता है।
bdkbZ&4 ¼d½ 1. जनसंख्या भारत के संदर्भ में डॉ. हरिनारायण पटैरिया 2. गरीबी तथा बेरोजगारी–डॉ. आनंद पयासी bdkbZ&4 ¼[k½ अनुवाद	1. गरीबी रेखा से आशय तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की मुख्य अवधारणा साथ ही गरीबी एवब बेरोजगारी के कारणों की विवेचना करना। 2. अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप तथा अनुवाद के उद्देश्य, अनुवाद की विशेषतायें साथ ही अनुवाद प्रक्रिया की जानाकरी प्रदान करना।	1. भारत के संदर्भ में गरीबी के मुख्य कारण तथा बेरोजगारी के कारणों व इनके निवारण हेतु उपायों की जानकारी प्राप्त होती है। 2. अनुवाद की प्रक्रिया एवं उनके सिद्धांतों से छात्र–छात्राओं को जानकारी प्राप्त होती है।
bdkbZ&5 ¼d½	1. ऊर्जा से अभिप्राय, ऊर्जा के विभिन्न प्रकारों एवं उनके महत्व का विवरण देते हुए भारत में ऊर्जा संकट एवं समाधान के उपायों की जानकारी देना।	1. ऊर्जा का उत्पादन तथा उपयोग में विकासशील देशों का योगदान तथा ऊर्जा संकट को दूर करने के उपायों से विद्यार्थी अवगत हुए।

1. ऊर्जा–डॉ. अरूण रघुवंशी 2. शक्तिमानता का अर्थशास्त्र– डॉ. ओंकारशरण श्रीवास्तव bdkb&5 ¼[k½ 1. घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन 2. विभिन्न प्रकार के नियंत्रण पत्र	2. 'शक्तिमानता का अर्थशास्त्र' से अभिप्राय एवं परिभाषा तथा आर्थिक शक्तिमानता लाने के लिए मुख्य बातों से अवगत कराना। 1. प्रतिवेदन की परिभाषा, स्वरूप एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालना। 2. निमंत्रण पत्र से आशय, उनकी आवश्यकता निमंत्रण पत्र के प्रकारों की जानकारी देना।	2. आर्थिक शक्तिमानता लाने के लिए महत्वपूर्ण बातों की छात्र–छात्राओं को जानकारी मिलती है। 1. प्रतिवेदन की उपादेयता से परिचित होते हैं। 2. विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

बी.ए.भाग-1
(प्रश्नपत्र प्रथम) प्राचीन हिन्दी काव्य

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 1. कबीरदास–साखी 2. जायसी–नागमती वियोग खंड	1. कबीर के काव्य की सप्रसंग व्याख्या तथा आलोचनात्मक विवेचन। साखी में कबीर ने सदगुरू की महिमा एवं असीम उपकार का वर्णन किया गया है। 2. नागमती वियोगखंड की व्याख्या तथा आलोचनात्मक विवेचन। जायसी के नागमती वियोग खंड में नागमती के वियोग का वर्णन मिलता है तथा इनके काव्य की विशेषताओं की विवेचना।	1. कबीर के पद्यांशों की व्याख्या से विद्यार्थी को पद्यांशों के भावार्थ समझने में सहायक सिद्ध होते हैं साथ ही इसमें आध्यात्मिक विचारों से अवगत हुए। 2. जायसी का वियोग वर्णन अधिक मार्मिक, मानवीय और सजीव है। इसमें बारहमासा के वर्णन से अवगत हुए।
bdkb&2 1. सूरदास–भ्रमरगीत सार 2. तुलसीदास–रामचरि मानस (अयोध्याकांड)	1. भ्रमर गीत सार की व्याख्या तथा आलोचनात्मक विवेचन एवं सूरदास की काव्यगत विशेषता तथा सूर के काव्य में छंद और लोकगीत का अवलोकन तत्वों का सुंदर समन्वय से अवगत कराना। 2. रामचरित मानस के अयोध्या कांड की व्याख्या तथा आलोचनात्मक विवेचन। इसमें लोक कल्याण हेतु समन्वय का दर्शन होता है। 3. घनानंद कवित्त की व्याख्या, घनांनद के विरह वर्णन की विशेषता एवं घनानंद की काव्यगत विशेषता तथा घनांनद की प्रेम व्यंजना का वर्णन करना।	1. सूरदास ने भ्रमर गीत के माध्यम से ज्ञान पर भक्ति की विजय दिलाई है। इसमें सगुण का निर्गुण पर विजय से परिचित होते हैं। 2. तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल के दर्शन होते हैं। 3. घनांनद के साहित्यिक जीवन के प्रेरणादायक और प्रमुख तथ्यों से अवगत हुए साथ ही घनांनद के विरह वर्णन से अवगत होते हैं।

3. घनानंद–घनानंद कवित्त		
bdkb&3 द्रुतपाठ के कवि विद्यापति, रहीम, रसखान	इस इकाई के अंतर्गत द्रुतपाठ के कवि विद्यापति, रहीम रसखान के जीवन का परिचय तथा उनकी रचनाओं का अवलोकन एवं उनकी काव्यगत विशेषताओं से अवगत कराना।	द्रुतपाठ के इन कवियों के जीवन के बारे में जानकर विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

बी.ए.भाग-1

हिन्दी साहित्य, प्रश्नपत्र–द्वितीय (कथा साहित्य)

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 1. उपन्यास–गबन, प्रेमचंद 2. कहानी–कफन–प्रेमचंद 3. आकाशद्वीप–प्रसाद 4. परदा–यशपाल	1. गबन उपन्यास की कथावस्तु एवं उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा की गई। साथ ही उपन्यास में सामाजिक समस्याओं की भिन्नताओं को चित्रित किया गया। 2. कफन कहानी की कथावस्तु तथा कहानी के तत्वो के आधार पर समीक्षा। इस कहानी से समाज सुधारक, राष्ट्रोत्थान और समन्वयवाद से अवगत होते हैं। 3. आकाशदीप कहानी का कथानक एवं कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा। इस कहानी से मध्यकालीन भारतीय संस्कृति और उसके प्रभाव की गौरवगाथा से परिचित होना। 4. परदा कहानी की कथावस्तु तथा कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा। परदा कहानी से मध्यमवर्गीय समाज की तंग जिंदगी का यथार्थपूर्ण और मार्मिक चित्र उभरना और शोषण व्यवस्था पर करारी चोट करना।	1. इस उपन्यास में नारी की आभूषण प्रियता से उत्पन्न दुष्परिणामों, झूठी मान–मर्यादा के प्रदर्शन के परिणामों अनमेल विवाह के परिणाम से विद्यार्थी को ज्ञान प्राप्त होता है। कफन कहानी से विद्यार्थी को बुराई को त्यागने और अच्छाई को अपनाने की शिक्षा मिलती है। इस कहानी से मिथ्या जगत की कमजोरियों और आदर्शों को प्रकट करने वालों की बुराई त्यागने का संदेश मिलता है।
bdkb&2	1. ठेस कहानी की कथावस्तु एवं कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा तथा इस कहानी में मार्मिकता और संवेदना को उकेरा गया है।	1. ठेस कहानी से अपने अंचल विशेष के रहन सहन विश्वासों, प्रवृत्तियों, प्रतीकों और मान्यतायें से विद्यार्थी अवगत हुए। इस कहानी से देश के टुकड़े हुए भारत और पाकिस्तान के निवासियों के आपसी संबंध के बारे में जानकारी मिलती है।

1. ठेस–फणीश्वरनाथ रेण 2. मलबे का मालिक–मोहन राकेश 3. चीफ की दावत–भीष्म साहनी 4. बिरादरी बाहर–राजेन्द्र यादव 5. गदल–रांगेय राघव	2. 'मलबे का मालिक' कहानी का कथानक तथा कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा साथ ही भारत विभाजन की गंभीरता एवं उसके फलस्वरूप हुई विनाशलीला तथा नरसंहार के यर्थाथ उद्घाटन करना। 3. 'चीफ की दावत' कहानी का कथानक एवं शिल्पगत विशेषता से अवगत हुए। इस कहानी में व्यंग के माध्यम से आधुनिक जीवन की विसंगतियों पर तीव्र प्रहार किया है। 4. 'बिरादरी बाहर' कहानी का कथा सार की प्रस्तुति! इस कहानी में जीवन के किसी अंश, विशेष की अनुभूति का अत्यंत हृदयस्पर्शी रूप में प्रस्तुत करना है। 5. 'गदल' कहानी का सारांश तथा कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा तथा इस कहानी में देश की आजादी के बाद मध्यम वर्ग में उत्पन्न हुई कुंठा, सत्रास, अवसाद, पीड़ा, बिखराव, रूढ़ियां और झूठी मान्यताओं का वर्णन मिलता है।	2. इस कहानी में जीवन की कुण्ठायें पीड़ा, रूढ़ियां एवं झूठी मान्यताओं का अंकन किया गया। 3. 'बिरादरी बाहर' इस कहानी से मध्यमवर्गीय परिवार की हलचल का सुंदर वर्णन मिलता है। 4. 'गदल' कहानी में सामाजिक रूढ़ियों के खोखलेपन से परिचित होते हैं। इसमें मानवीय भावों का सजीव एवं मार्मिक विश्लेषण प्रकट होता है।
bdkb&3 1. द्रुतपाठ के कथाकार	1. द्रुतपाठ के कथाकारों उपेन्द्रनाथ अश्क, बालशौरि रेड्डी, शिवाजी का जीवन परिचय तथा इनकी रचनाओं का अवलोकन एवं इनकी साहित्यिक विशेषताओं से अवगत कराना।	इन कथाकारों के जीवन से विद्यार्थी परिचित एवं लाभान्वित हुए।

बी.ए.भाग-2

प्रश्नपत्र–प्रथम, अर्वाचीन हिन्दी काव्य

पाठ्य विषय	उद्देश्य	लाभ
1. मैथलीशरण गुप्त–भारत की कविताएं 2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताएं	राष्ट्रीय मध्यकालीन काव्य परम्परा का परिचय व राष्ट्रीय विचारधारा के कवि मैथलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व व कृतित्व कर परिचय एवं उनकी कविता भारत भारती का व्याख्यात्मक शैली मूल्यांकन परक शैली में पठन तथा छायावादी सूर्यकांत त्रिपाठी निराला व्यक्तित्व कृतित्व, रचना सखि बसन्त आया, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, आदि का व्यापक शैली में पठन उद्देश्य निरूपण किया जायेगा।	मध्यकालीन काव्य संसार से पाठक लाभान्वित होंगे एवं मध्यकालीन कवियों की रचना–भारत भारती, सखि बसन्त आया, तोड़ती पत्थर आदि कविताओं के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक प्रकृति गत परिस्थिति से लाभान्वित होंगे।

3. सुमित्रानंदन पंत	प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत व्यक्तित्व कृतित्व एवं पंत कृत बादल, परिवर्तन खोलता इधर, ताज भारत माता आदि व्याख्यात्मक शैली वर्णनात्मक मूल्यांकन परक शैली में पठन।	कवि सुमित्रानंदन पंत के जीवन वृत्त से परिचय तथा कवि कृत बादल, परिवर्तन, भारत माला कविता के उद्देश्य भाषा शैली तथा विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, नारियों दशा से पाठकों को लाभ प्राप्त होगा।
4. माखनलाल चतुर्वेदी 5. सम्बिदानंद, हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय	भारत में स्वतंत्रता आंदोलन कर्णधार कवि माखनलाल चतुर्वेदी एवं प्रयोगवाद के जन्मदाता कवि अज्ञेय के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा उनके द्वारा रचित कविताओं का व्याख्यात्मक शैली में पठन किया जायेगा।	चतुर्वेदीकृत बलि पंथी से, उलाहना, निःशस्त्र सेनानी तथा अज्ञेयकृत, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, घर, दुर्वांचल आदि कविताओं मूल्यांकन व्याख्यात्मक शैली में अध्ययन तथा युगीन परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

बी.ए.भाग-2

प्रश्नपत्र–द्वितीय, हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाऐं

पाठ्य विषय	उद्देश्य	लाभ
1. अंधेर नगरी–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	नाटक के उद्भव व विकास की जानकारी–अंधेर नगरी नाटक के लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र व्यक्तित्व, कृतित्व की एवं अधेंर नगरी नाटक सारांश, व मूल्य पात्रों का परिचय	अंधेर नगरी नाटक रचनाकाल ब्रिटिश काल में हुआ है । इससे स्पष्ट है कि छात्र ब्रिटिश शासन तंत्र से लाभान्वित होंगे। साथ कथावस्तु के माध्यम से जीवन की सच्चाई से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व्यवस्था, भाषाशैली तथा नाटक के उद्भव व विकास की परम्परा से लाभान्वित होंगे।
2. निबंध	हिन्दी निबंध के विकास व शैली युगीन परम्परा तथा क्रोध, बसन्त उस–अमराई ने रामराम कही, बेईमानी की परत आदि विचारात्मक, भावात्मक, आलोचनात्मक, व्यंग्यात्मक निबंध से पाठकों को परिचय कराया जाता है।	युगीन परम्परा में भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग में निबंधस लेखन तथा क्रोध निबंध की विचारात्मक शैली व भाषा शैली बेईमानी की परत व्यंग्यात्मक शैली व भाषा शैली आदि से पाठक लाभान्वित होंगे।
3. एकांकी	हिन्दी एकांकी विधा का उद्भव व विकास एवं समयानुसार लेखकों द्वारा रचित एकांकी औरंगजेब की आखिरी रात, स्ट्राइक, दस हजार, मम्मी ठकुराईन के कथानक, मुख्य पात्र तथा भाषा शैलियों से छात्र परिचित होंगे।	हिन्दी एकांकी के अंतर्गत ऐतिहासिक एकांकी औरंगजेब की आखरी रात, तत्कालीन एकांकी, स्ट्राईक, समकालीन एकांकी, मम्मी ठकुराईन व दस हजार आदि के विभिन्न घटनाओं तथा सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक परिस्थितियों, भाषाशैली का ज्ञान प्राप्त होगा।

बी.ए.भाग-3

(प्रश्नपत्र प्रथम) जनपदीय भाषा साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास	जनपदीय भाषा साहित्य के अंतर्गत, छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास, रचित साहित्य तथा प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन्	पाठक जनपदीय भाषा, छत्तीसगढ़ी भाषा एवं रचित साहित्य का पठन कर लाभान्वित होंगे।
bdkb&2 प्राचीन कवि व लेखक एवं उनकी रचनाएं	प्राचीन कवि धर्मदास व लेखक लखनलाल गुप्त के व्यक्तित्व कृतित्व का अध्ययन एवं उनके द्वारा रचित कविता व निबंध का अध्ययन करना।	संत रामदास कृत गुरू पइंया लागों, नैन आगे ख्याल घनेरा व निबंध सोनपान का व्याख्यात्मक शैली में पठन से पाठक अध्यात्मिक, दार्शनिक व ऐतिहासिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
bdkb&3 अर्वाचीन रचनाकार	छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य के अर्वाचीन रचनाकार डॉ. सत्यभामा आडिल, विनय पाठक आदि के व्यक्तित्व, कृतित्व का विश्लेषण तथा उनके द्वारा रचित कविता का अध्ययन।	डॉ. सत्यभामा आडित कृत, सीख–सीख के गोठ, डॉ. पाठककृत ग्रंथ उठथस सुरूज उथे, एक किसिम के नियाव का व्याख्यात्मक शैली में विश्लेषण तथा उनकी कविताओं उद्देश्यों से पाठक लाभान्वित होंगे।

बी.ए.भाग-3

प्रश्नपत्र द्वितीय, साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवचेन

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास	हिन्दी भाषा साहित्य के अंतर्गत भाषा का स्वरूप विकास, उत्पत्ति, मूल आकार, विभिन्न विभाषाओं का विकास के अध्ययन्।	हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास, उत्पत्ति के साथ बोल–चाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा भंडार तत्सम्, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली से परिचित होंगे तथा लाभान्वित होंगें।
bdkb&2 हिन्दी साहित्य का इतिहास	हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक परम्परा से अवगत होंगे तथा काल विभाजन विभिन्न आचार्यों का मत एवं युगीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।	हिन्दी साहित्य के इतिहास आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, पृष्ठभूमि, युगीन प्रवृत्तियों, रचनाकार और प्रतिनिधि कृतियों के साहित्य विशेषताओं से लाभान्वित होंगे।
bdkb&3 काव्यांग	काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन के अंतर्गत रस, छंद, अलंकार परिभाषा, उदाहरण एवं प्रयोग का अध्ययन विश्लेषण।	काव्यांग में रस के विभिन्न भेद, अंग उदाहरण, छंद–दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियां परिभाषाख उदाहरण से पाठक लाभान्वित होंगे।

COURSE OUTCOMES (UNITWISE)

बी.ए.भाग-1

(प्रश्नपत्र–प्रथम) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	
1. भौतिक भूगोल की प्रकृति एवं अध्ययन क्षेत्र 2. पृथ्वी की आयु एवं भू–वैज्ञानिक समय मापनी	1. छात्र/छात्राओं को भूगोल की प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र एवं भूगोल अन्य विषयों के साथ संबंधों का ज्ञान कराना। 2. पृथ्वी की उत्पत्ति किस प्रकार हुई एवं उत्पत्ति से वर्तमान समय तक पृथ्वी पर परिवर्तन को अलग–अलग कालखंडों के द्वारा ज्ञान कराना।
bdkb&2	
1. पृथ्वी की आन्तरिक संरचना 2. वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत 3. प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत 4. भू–संतुलन की संकल्पना 5. आकस्मिक अन्तर्जात बल–भूकंप 6. आकस्मिक अन्तर्जात बल–ज्वालामुखी क्रिया	1. पृथ्वी की उत्पत्ति के पश्चात् इसकी आंतरिक संरचना एवं बनावट के साथ–साथ विद्वानों द्वारा दिया गया सिद्धांत को अवगत कराना। 2. पृथ्वी पर पाये जाने वाले प्लेटो एवं भू–संतुलन द्वारा दिया गया सिद्धांत को अवगत कराना। 3. पृथ्वी पर आकस्मिक घटना भूकंप एवं ज्वालामुखी क्रिया से होने वाले कारक प्रभाव एवं इससे बनी स्थालाकृतियों के संबंध में ज्ञान कराना।
bdkb&3	
1. चट्टाने 2. भू–संचलन या पृथ्वी की हलचलें 3. अपक्षय 4. रेगोलिथ तथा मिट्टी निर्माण	1. छात्र–छात्राओं को पृथ्वी पर पाये जाने वाले चट्टानों के प्रकार, उत्पत्ति, विकास से अवगत कराना। 2. पृथ्वी के बाह्य एवं आंतरिक वलन, भ्रंश इसके कारण, स्थालाकृतियों के प्रकार का सचित्र ज्ञान कराना। 3. मिट्टी निर्माण के प्रारंभिक से वर्तमान तक एवं मिट्टी बनने की प्रक्रिया के कारण, एवं मृदा परिच्छेदिका का सचित्र ज्ञान कराना।
bdkb&4	

1. स्थलरूपों का उद्भव। 2. अपरदन चक्र की संकल्पना। 3. जलीय स्थलाकृतियां। 4. भूमिगत जल के कार्य एवं कार्स्ट स्थलाकृतियां 5. हिमानी के कार्य एवं हिमानीकृत स्थलाकृतियां 6. मरूस्थलीय स्थलाकृतियां 7. समुद्रतलीय स्थलाकृतियां	1. छात्र–छात्राओं को स्थलरूपों का उद्भव एवं अपरदन चक्र की संकल्पा जो डेविस एवं पेंक के द्वारा दिया गया उसको वर्तमान के साथ तुलना कर समझाना एवं वर्तमान में इसके सिद्धांत का महत्व का ज्ञान कराना। 2. स्थलरूपों पर बाह्य परिवर्तनों नदी द्वारा, बनी स्थलाकृति को समझाना। 3. चूने वाले प्रदेशों में स्थलरूपों के आकार–प्रकार को समझाना। 4. पृथ्वी के हिमानी क्षेत्रों पर होने वाले प्रभावों के साथ–साथ इसके द्वारा बनी स्थलाकृतियों का ज्ञान कराना। 5. उष्ण प्रदेशों जहां मरूस्थलीय वाले भागों में हवाओं के प्रभाव से बनी स्थलाकृति का ज्ञान कराना। 6. समुद्रीय तटीय भागों में लहरों से बनी आकृतियों का ज्ञान कराना।
bdkbZ&5	
1. भू–आकृति विज्ञान का व्यावहारिक उपयोग।	1. छात्र–छात्राओं को भू–आकृति विज्ञान का व्यावहारिक उपयोग का ज्ञान कराना। 2. भू–आकृति विज्ञान का जल विज्ञान में उपयोग का ज्ञान कराना। 3. खनन कार्यों में भू–आकृति विज्ञान का उपयोगों का ज्ञान कराना। 4. भू–आकृति विज्ञान का इंजीनियरिंग कार्यों में उपयोग एवं व्यावहारिक ज्ञान कराना।

बी.ए.भाग-1
(प्रश्नपत्र–द्वितीय) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1	
1. भूगोल की प्रकृति एवं परिभाषा, विषय क्षेत्र 2. विज्ञानों के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान	1. छात्र–छात्राओं को भूगोल के अर्थ एवं विद्वानों द्वारा दिये गये परिभाषा तथा भूगोल के विषय क्षेत्र, उपागम का ज्ञान कराना। 2. विज्ञानों के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान एवं भूगोल विषय अन्य विषयों के साथ–साथ किस प्रकार संबंधित है का ज्ञान कराना।

bdkb&2	
1. भूगोल पर्यावरण अध्ययन के रूप में 2. मानव–वातावरण अर्न्तसंबंध 3. पारिस्थितिकी एवं पारिस्थितिकी तंत्र 4. नियतिवाद, सम्भववाद एवं नव नियतिवाद 5. भूगोल में द्वैतवाद	1. भूगोल विषय में पर्यावरण अध्यापन आवश्यक हो गया है। छात्र–छात्राओं को पर्यावरण के अंतर्गत अर्थ, परिभाषा, पारिस्थितिकी, सरंचना, तंत्र, खाद्य श्रृंखला, जैव भू–रासायनिक इत्यादि का ज्ञान कराना आवश्यक है क्योंकि इन्ही ज्ञान के द्वारा पृथ्वी पर पड़ने वाले प्रभावों को समझा जा सकता है। 2. पृथ्वी पर पाये जाने वाले मानवों पर वातावरण किस प्रकार सहयोग करते हैं तथा उसका प्रभाव का ज्ञान कराना। 3. पर्यावरण मानव पर सहयोग एवं मानव पर्यावरण पर सहयोग के संबंध में विद्वानों द्वारा दिया गया नियतिवाद, सम्भववाद एवं नव नियतिवाद का ज्ञान कराना। 4. भूगोल विषय में द्वैतवाद, क्रमबद्ध भूगोल बनाम प्रादेशिक भूगोल, भौतिक भूगोल बनाम मानव भूगोल के संबंध में ज्ञान कराना।
bdkb&3	
1. मानव भूगोल की प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 2. मानव प्रजातियां 3. मानव वातावरण अनुकूलन	1. छात्र–छात्राओं को मानव भूगोल की अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र के संबंध में ज्ञान क्योंकि भूतल पर मानव केन्द्र बिंदु के रूप में कार्य करते हुए प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग करता है इसीलिए इसका ज्ञान कराना आवश्यक है। 2. पृथ्वी पर पाये जाने वाले मानव प्रजातियां एवं विशेषतायें एवं विश्व वितरण का ज्ञान कराना। 3. मानव वातावरण पर पड़ने वाले जलवायु के प्रभावों का अध्ययन आवश्यक हो गया है विश्व के मानव जातियां अलग–अलग जलवायु में रहन सहन एवं आवास, संस्कृति, विचार एवं विशेषताओं का ज्ञान कराना तथा प्रमुख मानव जातियों का ज्ञान करना जैसे शीत प्रदेशों की मानव, उष्ण प्रदेशों के मानव, पठारी प्रदेशों की मानव, इत्यादि का निकट से छात्र/छात्राओं को ज्ञान कराना।
bdkb&4	
1. विश्व में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण	1. छात्र–छात्राओं को वर्तमान में जनसंख्या वृद्धि एवं विश्व में जनसंख्या वितरण एवं पृथ्वी पर जलवायु के अनुसार जनसंख्या पाये जाने के कारणों का ज्ञान कराना।

2. जनाधिक्य, जनभाव तथा अनुकूलन जनसंख्या। 3. जनसंख्या प्रवास 4. ग्रामीण अधिवास 5. अधिवास–नगरीय अधिवास	2. जलसंख्या एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के कारण प्रभावों, होने वाले कारकों का ज्ञान कराना। 3. पृथ्वी पर पाये जाने वाले ग्रामीण अधिवास के कारण, प्रकार, प्रतिरूपों का ज्ञान कराना। 4. नगरीय क्षेत्रों में अधिवासों के आकार–प्रकार, प्रतिरूपों का ज्ञान करना एवं होने वाले प्रभावों का ज्ञान कराना।

bdkbZ&5	
1. भूगोल का ऐतिहासिक परिदृश्य 2. भूगोल का भावी स्वरूप	1. छात्र–छात्राओं को भूगोल विषय के इतिहास का ज्ञान कराना। 2. भूगोल विषय की नवीन प्रवृत्तियों एवं भारत के विशेष संबंध में ज्ञान कराना। 3. भूगोल विषय वर्तमान एवं भविष्य में उपयोगिता का ज्ञान कराना। 4. भूगोल रोजगार के अवसर का ज्ञान कराना।

बी.ए.भाग-1] प्रायोगिक
(प्रश्नपत्र–तृतीय) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1	
1. मापनी	1. पृथ्वी इतनी विशाल है कि इसके आकार के बराबर आकार वाला कोई मानचित्र बनाना अथवा मानचित्र को एक दृष्टि में पढ़ना असम्भव है। मापनी के द्वारा समस्त पृथ्वी के किसी भी भाग को आवश्यकतानुसार मानचित्र बनाकर प्रदर्शित किया जा सकता है। इसके लिए मापनी की आवश्यकता होती है। इसका ज्ञान कराना।

	2. मापनी के द्वारा मानचित्रों को छोटा–बड़ा किया जा सकता है इसका ज्ञान कराना। 3. मानचित्रों में दो स्थान की दूरियों को मापनी के द्वारा आवश्यकतानुसार बनाया जा सकता है। इसका ज्ञान कराना।
bdkb&2	
1. उच्चावन प्रदर्शन की विधियां	1. पृथ्वी के स्थल पर पाये जाने वाले लम्बाई, चौड़ाई, ऊंचार्द ढ़ाल की दशाओं के अंतरों के परिणाम, स्वरूप उत्पन्न धरातल की त्रिविम आकृतियों को उच्चावच विधि द्वारा दर्शायी जा सकती है। इसका ज्ञान कराना। 2. स्थलरूपों के प्रभावों को भली प्रकार समझते एवं समझाने के लिए भूगोल के विद्यार्थियों को उच्चावच निरूपण की विधियों का समुचित ज्ञान होना परम आवश्यक है। 3. छात्र–छात्राओं को उच्चावच निरूपण के द्वारा मानचित्रण की उन विधियों के द्वारा धरातल की त्रिविम आकृति को कागज एवं अन्य समतल सतह पर प्रदर्शित किया जा सकता है।
bdkb&3	
1. भूगोल की प्रकृति एवं परिभाषा, विषय क्षेत्र 2. विज्ञानों के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान	1. छात्र–छात्राओं को भूगोल के अर्थ एवं विद्वानों द्वारा दिये गये परिभाषा तथा भूगोल के विषय क्षेत्र, उपागम का ज्ञान कराना। 2. विज्ञानों के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान एवं भूगोल विषय अन्य विषयों के साथ–साथ किस प्रकार संबंधित है का ज्ञान कराना।
bdkb&4	
1. आरेख 2. वृत्तीय आरेख 3. जनसंख्या पिरामिड	1. आंकड़ों को समझते, याद करते एवं सही–सही विश्लेषण करके उचित निष्कर्ष निकालने में पर्याप्त अनुभव, अध्ययन, समय व परिश्रम की आवश्यकता होती है तथा कोई आकर्षण या लगाव नहीं होता है। इन्हीं से बचने के लिए आरेखों का उपयोग किया जा सकता है। भूगोल के छात्र–छात्राओं का आरेखों का ज्ञान आवश्यक हो जाता है। 2. आरेखों के माध्यम से जटिल से जटिल आंकड़ों का सरल रूप में अवलोकन किया जा सकता है। इसका ज्ञान कराना। 3. छात्र–छात्राओं को आरेख के माध्यम से जनसंख्या के आंकड़ों, फसलों के उत्पादन एवं जटिल आंकड़ों को आरेख के द्वारा प्रदर्शित करने एवं अवलोकन करने सिखाया जाता है।

bdkb&5	
1. सांख्यायिकी विधियां–माध्य, माध्यिका, बहुलक	1. सांख्यिकी विज्ञान में आंकड़ों के संकलन, वर्गीकरण, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण तुलना से सम्बंधित सांख्यिकर विधियों का अध्ययन किया जाता है। 2. माध्य विशिष्ठ बीजगणितीय गुणों के कारण सांख्यिकीय विश्लेषण की अन्य अनेक विधियों जैसे–अपकिरण, विषमता व सह–संबंध आदि में इसका काफी प्रयोग होता है। इसलिए हम छात्र–छात्राओं को इसका ज्ञान आवश्यक है। 3. आर्थिक, सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में संसाधनों की वितरण संबंधी असमानताओं को स्पष्ट करने के लिए माध्य विचलन का काफी प्रयोग होता है। इसलिए इसका ज्ञान आवश्यक है। 4. बहुलक की गणना का उद्देश्य समग्र ही अधिकांश इकाइयों के बारे में कोई निष्कर्ष निकालना होता है। इसीलिए भूगोल के छात्राओं को इसका ज्ञान होना आवश्यक हैं
5. जरीब एवं फीता सर्वेक्षण	1. यह सर्वेक्षण करने की एक अपेक्षाकृत सरलविधि है, जिसमें प्रयोग किये जाने वाले उपकरण अन्य सर्वेक्षण उपकरणों के समान जटिल नहीं होते हैं तथा इन्हें प्रयोग करना भी अपेक्षाकृत बहुत सरल है। 2. जरीब तथा फीता सर्वेक्षण विधि का प्रयोग प्रायः छोटे–छोटे क्षेत्रों जैसे–खेत, चक, संपदा इत्यादि के बृहत नापनी पट प्लान बनाने में किया जाता है। जो छात्र–छात्राओं को इसका प्रयोग आवश्यक है।

बी.ए.भाग-2
(प्रश्नपत्र–प्रथम) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	
1. जलवायु विज्ञान–परिभाषा एवं विषय क्षेत्र	1. छात्र/छात्राओं को जलवायु विज्ञान के अर्थ, परिभाषा, विषय क्षेत्र का निकट से ज्ञान कराना।

2. वायुमंडल का संगठन तथा संरचना 3. सूर्यताप (सूर्याभिताप) 4. वायुमंडलीय तापमान 5. वायुमंडलीय दाब एवं पवनें	2. वायुंडल का संगठन एवं संरचना, वायुमंडल में पाये जाने वाले गैसों का ज्ञान कराना। 3. वायुमंडल का तापमान, दाब, पवनें इत्यादि का ज्ञान भूगोल के छात्र–छात्राओं के लिए आवश्यक है।
bdkb&2	
1. वायुमंडलीय आर्द्रता एवं वर्षा 2. वायु राशियां एवं वाताग्र 3. वायुमंडलीय विक्षोभ	1. वायुमंडल में पाये जाने वाले आर्द्रता एवं वर्षा एवं होने वाले प्रभावों का ज्ञान कराना। 2. छात्र–छात्राओं को वायु राशियां, एवं वाताग्र के प्रकार, प्रभाव इत्यादि का ज्ञान आवश्यक है। 3. पृथ्वी पर विभिन्न प्रकार की घटनाओं से होने वाले कारक एवं प्रभाव का ज्ञान भूगोल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। स्थानीय हवाएं, महाद्विपीय हवायें, अल्पकालिक विक्षोभ का ज्ञान आवश्यक है।
bdkb&3	
1. जलवायु का वर्गीकरण 2. मानव जीवन में जलवायु की भूमिका 3. वायुमंडलीय प्रदूषण और भू–मंडलीय तापन	1. भूगोल के छात्र/छात्राओं को जलवायुवे–ताओं क्षरा दिये गये वर्गीकरण से अवगत कराना एवं विश्व की जलवायु का ज्ञान कराना। 2. जलवायु मानव जीवन पर किस प्रकार प्रभावशील है तथा वहां की स्थानीय कृषि, वन, मिट्टी, संस्कृति, व्यवहार इत्यादि को कैसे प्रभावित करती है। इसका ज्ञान कराना। 3. वायुमंडल में प्रदूषण के कारण एवं प्रभाव का ज्ञान करानां 4. वर्तमान परिदृश्य में वायुमंडलीय तापन के बढ़ते प्रभाव का ज्ञान कराना आवश्यक है।
bdkb&4	
1. समुद्र विज्ञान एवं वायुमंडल की प्रासंगिकता 2. महासागरीय नितल की धरातलीय बनावट	1. वर्तमान सदी में जनसंख्या वृद्धि के कारण संसाधनों का संकट होना निश्चित है। ऐसे समय में महासागर एवं उनके संसाधन ही मानव को इस समस्या से छुटकारा दिला सकेंगे। इसका ज्ञान कराना आवश्यक है। 2. महासागरीय नितल की धरातलीय बनावट /उच्चावच एवं महासागरों पर गर्त, कटक, गाईऑट इत्यादि का ज्ञान कराना।

3. अटलांटिक, प्रशांत और हिन्द महासागरों का उच्चावच	3. प्रमुख महासागरों के उच्चावच, उत्पत्ति, द्वीप इत्यादि का ज्ञान कराना।
4. महासागरीय जल का तापमान 5. महासागरीय जल मे लवणता	4. महासागरीय जल का तापमान एवं विश्व के प्रमुख महासागरों की तापमान, लवण, कारक इत्यादि का तुलनात्मक ज्ञान कराना भूगोल के छात्रो के लिए अति आवश्यक है।
bdkb&5	
1. महासागरीय लहरें एवं ज्वार–भाठा 2. महासागरीय जलधारायें 3. महासागरीय निक्षेप 4. प्रवाल भित्तियां 5. तटीय पर्यावरण 6. महासागर–भविष्य के संसाधन भंडार गृह के रूप में	1. महासागरों पर उत्पन्न लहरों के कारण, प्रभाव एवं महासागरों पर आने वाले ज्वार भाठो के कारण प्रभावों का ज्ञान कराना आवश्यक है। 2. महासागरों पर प्रवाहित होने वाले गर्म एवं ठंडी जल धारायें एवं प्रमुख जलधाराओं से अवगत कराना। 3. महासागरीय निक्षेप एवं तली की बनावट तथा महासागरों पर पाये जाने वाले जीव–जंतुओं एवं प्रवाह भित्तियों के कारक, प्रभाव से अवगत कराना। 4. महासागरीय तटीय पर्यावरण पर मानव जीवन में उपयोग एवं पर्यावरणीय प्रभाव का ज्ञान कराना। 5. महासागर वर्तमान एवं भविष्य में विशाल संसाधन भंडार गृह के रूप में उपयोगिता तथा नये–नये खोज, खाद्य संसाधनों, खोज संबंधी ज्ञान भूगोल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है।

बी.ए.भाग-2
(प्रश्नपत्र–द्वितीय) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	

1. प्रदेश की संकल्पना एवं प्रदेशीकरण 2. उत्तरी अमेरिका–परिचय एवं भू–गर्भिक संरचना 3. उच्चावच 4. अपवाह तंत्र 5. जलवायु 6. मिट्टियां	1. भूगोल के छात्र–छात्राओं को प्रादेशिक संकल्पना का अर्थ, विभिन्न प्रकार के अथवा विभिन्न वर्गों के प्रदेशों में बांट कर उनका विश्लेषण, अध्ययन और वर्णन करना है। 2. प्रदेश की संकल्पना में अस्पष्टता और भिन्नता के अनुरूप हो प्रादेशीकरण की विधिगत समस्याओं का विश्लेषण का ज्ञान कराना। 3. उत्तरी अमेरिका का सामान्य परिचय, भू–गर्भिक संरचना, उच्चावच अपवाह तंत्र का विद्यार्थियों को अवगत कराना।, 4. उत्तरी अमेरिका की जलवायु वहां पाये जाने वाले मिट्टियों में से संबंधी जानकारी से अवगत कराना।
bdkb&2	
1. प्रकृति वनस्पति 2. खनिज संसाधन 3. ऊर्जा संसाधन	1. विद्यार्थियों को उत्तरी अमेरिका की वनस्पति वहां पाये जाने वाले खनिज संसाधन, ऊर्जा संसाधन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करना। 2. उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में अलग–अलग देशों में भी वनस्पति, खनिज संसाधन, ऊर्जा संसाधन इत्यादि का ज्ञान परम आवश्यक है।
bdkb&3	
1. कृषि एवं कृषि पेटियां 2. पशु संपदा एवं दुग्ध व्यवसाय	1. उत्तरी अमेरिका में कृषि व्यापारिक, व्यापारिक कृषि, वैज्ञानिक कृषि, फल तथा सब्जियों की कृषि पेटियों का विस्तृत ज्ञान कराना। 2. इस महाद्वीप के पशु सम्पदा एवं दुग्ध व्यवसाय वैज्ञानिक प्रणाली एवं प्रमुख देशों की पशु सम्पदा का निकट अध्ययन कराना। भूगोल के विद्यार्थियों को आवश्यक है।
bdkb&4	
1. औद्योगिक विकास 2. जनसंख्या तथा नगरीकरण	1. उत्तरी अमेरिका औद्योगिक दृष्टि से विश्व का सर्वाधिक विकसित महाद्वीप है यहां के औद्योगिक विकास का श्रेय अप्रवासी यूरोपियों को है। जिसका अध्ययन आवश्यक है। 2. उत्तरी अमेरिका की जनसंख्या प्राकृतिक वातावरण को आवश्यकतानुसार बदलकर सांस्कृतिक भृ–दृश्य का सृजन करने वाला मानवों का भौगोलिक अध्ययन आवश्यक है।

3. परिवहन	3. उत्तरी अमेरिका महाद्वीप पर परिवहन के साधनों का सर्वाधिक विकास हुआ है तथा जलमार्ग, सड़क, रेलमार्ग, हवाई मार्ग इत्यादि में विकसित अवस्था में है। जिसका ज्ञान भूगोल के छात्र/छात्राओं के लिए आवश्यक है।
bdkb&5	
1. कैलीफोर्निया 2. न्यू इंग्लैण्ड प्रदेश 3. महान झील प्रदेश 4. अलास्का 5. प्रेयरी प्रदेश 6. सेण्टलारेस घाटी	1. उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के प्रमुख प्रदेशों का विस्तारपूर्वक ज्ञान प्राप्त करना एवं निकट से अध्ययन करना इसका उद्देश्य है। 2. इस महाद्वीप के प्रमुख प्रदेशों को छांटकर विस्तृत रूपों में अध्ययन करना तथा प्रदेशों की संस्कृति को पहचानना, साथ–साथ में संरचना, उच्चावच, वनस्पति, मिट्टी, अर्थव्यवस्था, कृषि, खनिज, नगर इत्यादि का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करना।

बी.ए.भाग-2] प्रायोगिक
(प्रश्नपत्र–तृतीय) भूगोल

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	
1. वितरण मानचित्र	1. भूगोल विषय में वितरण मानचित्रों का प्रयोग दिन–प्रतिदिन तेजी के साथ बढ़ रहा है और आवश्यकतानुसार नये–नये प्रकार के मानचित्रों की रचना की जा रही है और आधुनिक समय में वितरण मानचित्रों का क्षेत्र इतना व्यापक हो गया है कि इसकी अर्न्तवस्तुओं की सही–सही संख्या बतलाना एक कठिन कार्य है। इसकी उपयोगिता को देखते हुए भूगोल के विद्यार्थियों को इसकी ज्ञान कराना आवश्यक हो गया है।

	2. प्राकृतिक अथवा सांस्कृतिक वातावरण के किसी तत्व का दिये हुए क्षेत्र में वितरण प्रदर्शित करने वाले मानचित्रों में वितरण मानचित्र की आवश्यकता का ज्ञान कराना परम उद्देश्य है।
bdkb&2	
2. मानचित्र प्रक्षेप	1. मानचित्र प्रक्षेप का ज्ञान परम आवश्यक है। प्रक्षेपों के द्वारा विश्व के किसी भी भागों का शुद्ध मानचित्र का निर्माण किया जाता है। मानचित्र प्रक्षेप भिन्न–भिन्न वर्गों के प्रक्षेपों की संख्या अत्याधिक है तथा अलग–अलग प्रक्षेप पृथ्वी की अलग–अलग जगहों पर शुद्ध मानचित्र की रचना की जाती है। 2. छात्र/छात्राओं को मानचित्र प्रक्षेप का ज्ञान आवश्यक है क्योंकि किसी गोलाकार पृथ्वी को समतल कागज पर प्रदर्शित करने की विभिन्न विधियों का कार्य छात्रों को सिखाया जाता है तथा अलग–अलग प्रदेशों में अलग–अलग प्रक्षेप का उपयोग किया जाता है। जो पृथ्वी के किसी अन्य भागों के लिए अनुपयोगी होता है।
bdkb&3	
1. भारतीय मौसम या ऋतु मानचित्र	1. भारतीय मौसम के संबंध में छात्रों का ज्ञान कराना आवश्यक है। भारतीय मौसम के अंतर्गत इसके प्रमुख उपयोगी यंत्रों का प्रायोगिक कार्य किया जाता है। 2. मौसम मानचित्रों का हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है तथा आगामी दिनों के मौसम का पुर्वानुमान लगाया जा सकता है। 3. मौसम मानचित्रों के द्वारा नौ संचालन–वायुयानों के सुरक्षित उड़ान के लिए पुर्वानुमान होना परम आवश्यक है। 4. इसके अतिरिक्त कृषि कार्यों में भी मौसम संबंधी पूर्व जानकारी प्रदान करना एवं छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक कार्य कराना आवश्यक है।
bdkb&4	
1. सांख्यिकी	1. सामाजिक एवं भौतिक विज्ञानों में सांख्यिकी का प्रयोग पर्याप्त मात्रा में किया जाता है। भूगोल में सांख्यिकी विधियों द्वारा विवेचन एवं अनुसंधान को कार्यान्वित करने के लिए भूगोल के विद्यार्थियों को सांख्यिकी का ज्ञान अति आवश्यक है। 2. भूगोल की शाखाओं में समंकों के वितरण व विश्लेषण के लिए सांख्यिकी परम आवश्यक यंत्र माना जाता है।
bdkb&5	

1. प्रिज्मेटिक कम्पास सर्वेक्षण	1. किसी क्षेत्र का बच्चा रेखाचित्र बनाने अन्य वितरणों को अंकित करने के लिए अथवा सड़क, नहर या रेलमार्ग आदि बनाने के लिए किये जाने वाले प्रारंभिक सर्वेक्षण के लिए प्रिज्मीय कम्पास एक महत्वपूर्ण उपकरण है। 2. प्रिज्मेटिक कम्पास की सहायता से शुद्धता एवं शीघ्रता के साथ सर्वेक्षण कार्य किया जा सकता है। इसलिए इस उपकरण की आवश्यकता होती है। 3. प्रिज्मेटिक कम्पास से एक दिवस में वृहत क्षेत्रों का सर्वेक्षण पूर्ण किया जा सकता है तथा इसका उपयोग सड़क मार्गों के सर्वेक्षण हेतु किया जाता है।

COURSE OUTCOMES (UNITWISE)

बी.ए.भाग-1

(प्रश्नपत्र–प्रथम) भारत का इतिहास

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. भारतीय इतिहास के स्त्रोतों का सर्वेक्षण तथा भारतीय भौगोलिक विशेषतायें 2. प्रागैतिहसिक काल 3. हड़प्पा सभ्यता, लौह तथा महापाषाण काल	1. भारतीय इतिहास के स्त्रोतों का सर्वेक्षण तथा भौगोलिक विशेषतायें बताना। 2. प्रागैतिहासिक काल की जानकारी प्रदान करना। 3. हड़प्पा सभ्यता, लौह तथा महापाषाण काल के बारे में जानकारी प्रदान करना।	विभिन्न साहित्य एवं पुरातात्विक स्त्रोतों की जानकारी में सहायक। प्रागैतिहासिक काल में कृषि के उत्पादन, धातु के उपयोग करने में सहायक तथा हड़प्पा सभ्यता के फलस्वरूप मुद्राओं की जानकारी में सहायक।
bdkb&2		
4. ऋग्वैदिक तथा उत्तरवैदिक काल 5. सामाजिक विकास 6. छठी शताब्दी ई.पू. में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति 7. बौद्ध धर्म व जैन धर्म	ऋग्वैदिक तथा उत्तरवैदिक काल के संदर्भ में विवेचन व सामाजिक विकास तथा छठी शताब्दी ई.पू. में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति का वर्णन करना तथा बौद्ध धर्म व जैन धर्म के बारे में जानकारी प्रदान करना।	इस काल से भारतीय संस्कृति के एक महान युग के प्रारंभ का संकेत करते हैं तथा समाज, धर्म, साहित्य, कला ने वर्तमान रूप को धारण किया एवं भारतीय परिवार के संस्कारों को जानने में सहायक तथा उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति से अवगत किया व जैन धर्म, बौद्ध धर्म के उपदेशों के जानने में सहायक।
bdkb&3		
8. मगध साम्राज्य का उत्कर्ष 9. सिकन्पद का अभियान तथा उसके प्रभाव 10. मौर्य साम्राज्य 11. अशोक का धम्म के पतन के कारण 12. मौर्य प्रशासन 13. मौर्य कला एवं मौर्य कालीन, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति	1. मगध साम्राज्य का उदय की स्थापना। 2. सिकन्दर का अभियान तथा उसके प्रभाव की समीक्षा करना। 3. मौर्य साम्राज्य की स्थापना करना। 4. अशोक के धम्म का वर्णन करना। 5. मौर्य प्रशासन की उपलब्धियों का वर्णन करना। 6. मौर्यकालीन, कला, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक दिशा का वर्णन करना।	मगध साम्राज्य के फलस्वरूप भारत में राजनीतिक एकता स्थापित करने का सराहनीय है। सिकन्दर के अभियान से साहित्य, दर्शन व कला आदि के विकास के लिए भारत को विदेशों से सहायता नहीं लेनी पड़ी तथा मौर्य साम्राज्य के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक राजनीति को जीवन में सहायक तथा मौर्य कला, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त हुआ।
bdkb&4		

14. कुषाण वंश 15. मौर्योत्तर काल, शुंग, सातवाहन 16. शुंग, सातवाहन एवं कुषाणकालीन, संस्कृति, गान्धार एवं मुगलकला 17. दक्षिण भारत की प्रमुख शक्तियां तथा संगम युग 18. गुप्त साम्राज्य 19. गुप्त प्रशासन 20. गुप्तकालीन, सांस्कृतिक स्थिति	यूनानी आधिपत्य को समाप्त कर कुषाणों के स्वतंत्र राज्य की स्थापना की तथा मौर्योत्तर काल में शुंग, सातवाहन, वंश में पुष्यमित्र की उपलब्धियों तथा शुंगों की उत्पत्ति का प्रकाश डालना तथा संगम युग का विस्तृत वर्णन कर गुप्त साम्राज्य गुप्त प्रशासन व गुप्तकालीन सांस्कृतिक दशा का वर्णन करना।	विदेशी जातियों के आक्रमण का भारतीय राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सांस्कृति स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा इसे समझने में सहायक।
bdkb&5		
21. गुप्तोत्तर काल दक्षिण भारतीय राजवंश 22. वर्धन वंश 23. गुर्जर–प्रतिहार, पाल व सेन वंश 24. दक्षिण पूर्व एशियन व श्रीलंका से भारत के संबंध 25. मुहम्मद बिन कासिम, गजनवी व गोरी के अभियान 26. गुप्तोत्तर काल में सांस्कृतिक स्थिति	गुप्तोत्तर काल, दक्षिण भारतीय वंश, वर्धन वंश तथा गुर्जर प्रतिहार, पाल व सेन वंश का जानकारी देना। व दक्षिण पूर्व एशियन श्रीलंका से भारत का संबंध का वर्णन कर मुहम्मद बिन कासिम, गजनवी गोरी के उपलब्धियों का वर्णन कर गुप्तोत्तर काल के सांस्कृतिक स्थिति का समीक्षा करना।	गुप्तोत्तर काल के दक्षिण भारत के तिरूवेरिपुर मंदिर में विद्यार्थियों के शिक्षण के विषय की जानकारी मिली तथा ह्वेनसांग भारत के विकास में योगदान व गजनवी गोरी के विजय अभियान को जानने में सहायक तथा गुप्तोत्तर काल की सांस्कृतिक स्थिति को जानने में सहायक।

बी.ए.भाग-1
(प्रश्नपत्र–द्वितीय) विश्व का इतिहास (1453–1789ई.)

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. सामन्तवाद का पतन एवं आधुनिक युग का आविर्भाव	1. कालांतर में सामन्तवाद का पतन व आधुनिक युग का उदय का अध्ययन।	

2. पुर्नजागरण 3. धर्म सुधार एवं धर्म सुधार विरोधी आंदोलन	2. पुर्नजागरण से हिंदू समाज में व्यापत कुरीतियों का विरोध 3. धर्म सुधार आंदोलन के अंतर्गत चर्च में व्याप्त बुराईयों एवं भ्रष्टाचार को दूर करना।	शिक्षित समुदाय में नया चेतना का उदय हुआ तथा आशा का संचार हुआ। जिससे राजनीति पर से धर्म का प्रभाव समाप्त हुआ। एवं इसाई लोगों का नैतिक एवं अध्यात्मिक जीवन उन्नत हुआ।
bdkb&2		
4. तीस वर्षीय युद्ध निरंकुश राजतंत्र 5. निरकुंश राजतंत्र का उदय 6. पोलैण्ड का विभाजन	1. कैथोलिक हारा प्रोटेस्टेण्टो का दमन करने का प्रयास। 2. सामन्तवाद का पतन व मध्यम वर्ग का उत्थान तथा नवीन अविष्कार करना। 3. कम्युनिश्ट शासन का आरंभ करने का प्रयास।	आधुनिक राज्यव्यस्था का उत्थान हुआ तथा शिक्षा में सुध्याार तथा सामाजिक जीवन के परिवर्तन में सहायक।
bdkb&3		
7. आधुनिक पाश्चात्य जगत में आर्थिक उद्भव व्यापारिक क्रांति एवं वाणिज्यवाद 8. उपनिवेशवाद का आरंभ 9. कृषि एवं औद्योगिक क्रांति	1. पाश्चात्य जगत मे आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, कृषि, विज्ञान में परिवर्तन करना। 2. औपनिवेशिक साम्राज्य का विकास करना। 3. कृषि की पुरानी पद्धति में परिवर्तन कर नवीन पद्धति का उपयोग कर परिवर्तन लाना।	वाणिज्यवाद का व्यापार एवं उद्योग धंधों के विकास में सहायक तथा वाणिज्य के विकास द्वारा अपने देश को समृद्ध बनाने के लिए सहायक एवं कृषि क्रांति से आय में वृद्धि तथा खान–पान के परिवर्तन में सहायक।
bdkb&4		
10. इंग्लैण्ड में गृह युद्ध एवं वैभव क्रांति	इंग्लैण्ड के तत्कालिक सम्राट का निरंकुश शासन को समाप्त करना तथा धर्म का प्रचार करना।	राज्य एवं संसद के मध्य संघर्ष समाप्त हुआ। जिससे छात्रों में निरंकुशता को समाप्त करने का प्रेरणा मिली।
bdkb&5		
11. लुई चतुर्दशःगृह एवं विदेश नीति 12. अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम 13. फ्रांस की क्रांति तथा आतंक का राज्य 14. फ्रांस की क्रांति का प्रभाव	1. लुई चतुर्दश के गृह व विदेश नीति के संदर्भ में जानकारी 2. अमेरिकी उपनिवेशों का स्वतंत्रता प्रयास करना। 3. फ्रांस के भ्रष्ट प्रशासन का सुधार करना। 4. विश्व को स्वतंत्रता, समानता एवं मातृभाव की भावनायें प्रदान करना।	लुई चतुर्दश की नीति से लाभ हुआ तथा अमेरिका स्वतंत्रता संग्राम के अंतर्गत शत्रुता त्याग देने की प्रेरणा मिली एवं फ्रांस की क्रांति से विचाराभिव्यक्ति का अधिकाम दिया गया। फ्रांस की क्रांति से विद्यार्थी में मातृभावना प्रबल हुई।

बी.ए.भाग-2

(प्रश्नपत्र–प्रथम) भारत का इतिहास

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. सल्तनत एवं मुगलकालीन इतिहास के स्त्रोत 2. सल्तनत का प्रारंभ एवं सुदृढ़ीकरण (गुलाम वंश–ऐबक, इल्तुमिश, रजिया एवं बलबन) 3. खिलजी वंश, अलाऊद्दीन खिलजी 4. तुगलक वंश, मुहम्मद बिन तुगलक, तैमूर का भारत आक्रमण	1. तत्कालिक सल्तनत एवं मुगलकालीन इतिहास के स्त्रोतों की जानकारी देना। 2. सल्तनत का प्रारंभ व सुदृढ़ीकरण तथा गुलाम वंश का वर्णन करना। 3. अलाउद्दीन खिलजी के संदर्भ में खिलजी वंश की स्थापना। 4. तुगलक वंश की स्थापना व मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, तैमूर का भारत आक्रमण का वर्णन करना।	मध्यकालीन इतिहास के स्त्रोत से विद्यार्थियों को साहित्यिक व पुरातात्विक सामाग्री की जानकारी में सहायक। सल्तनत काल का प्रारंभ संदृढ़करण हुआ तथा अलाउद्दीन खिलजी से विद्यार्थी को अनुकूल परिस्थितियों में भी दृढ़ निश्चय लेने की प्रेरणा मिली एवं तुगलक वंश का गृह नीति से सिचांई को प्रोत्साहन मिली।
bdkb&2		
5. मुगल साम्राज्य की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण 6. शेरशाह सूरी 7. अकबर–मुगल शासकों की राजपूत नीति 8. जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब मुगलशासकों की आर्थिक नीति	1. मुगल साम्राज्य की स्थापना एवं सृदृढ़ीकरण करना। 2. शेरशाह से संदर्भित वर्णन करना। 3. अकबर का राजपूत नीति विवेचन, जहांगीर, शाहजहां, मुगल शासकों की धार्मिक नीति की समीक्षा करना तथा मुगलकालीन राजनीतिक संस्थाओं और प्रशासन पर प्रकाश डालना।	मुगलकाल की स्थापना से पारस्परिक ईर्ष्या द्वेष, भावनायें समाप्त हुई तथा शेरशाह सूरी के व्यक्तित्व से विद्यार्थियों को अधिक प्रेरणा मिली तथा अकबर की धार्मिक नीति से भारत में सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक एकता स्थापित करने में सहायक।
bdkb&3		
10. सल्तनतकालीन सामाजिक दशा एवं वर्ग 11. सल्तनतकालीन आर्थिक दशा एवं वर्ग 12. मुगलकालीन सामाजिक दशा वर्ग 13. मुगलकालीन आर्थिक दशा एवं वर्ग	तत्कालिक, सल्तनतकालीन, सामाजिक, आर्थिक, दशा व वर्ग का विवेचन करना तथा मुगलकालीन सामाजिक दशा व आर्थिक दशा का वर्णन करना एवं मनसबदारी व्यवस्था पर	सल्तनतकालीन समाज की आर्थिक व सामाजिक दशा की जानकारी उपलब्ध हुई तथा मुगलकालीन सामाजिक व आर्थिक कृषि, व्यापार, खान–पान आदि की जानने में

14. मनसबदारी व्यवस्था	प्रकाश डालना।	सहायक तथा मनसबदारी व्यवस्था का जानकारी प्राप्त हुआ।
bdkb&4		
15. धार्मिक एवं सांस्कृतिक दशा भक्ति आंदोलन एवं सूफी मत 16. सल्तनतकालीन कला 17. मुगल कला 18. मध्यकालीन शिक्षा एवं साहित्य	सल्तनतकालीन आर्थिक व सांस्कृति दशा भारत आंदोलन व सूफी मत के जानकारी के प्रयास। सल्तनतकालीन कला व मुगलकला की जानकारी देना तथा मध्यकालीन शिक्षा एवं साहित्य का विवेचन करना।	सल्तनतकालीन धार्मिक दशा से छात्रों में ईश्वर के प्रति अपना प्रेम, मानवतावादी भावना प्रबल हुई तथा मुगलकालीन कला, साहित्य, शिक्षा के विकास में सहायक सिद्ध हुआ।
bdkb&5		
19. मुगल साम्राज्य के पतन के कारण 20. शिवाजी एवं पेशवाओं की उपलब्धियां, पानीपत का तृतीय युद्ध 21. विजयनगर एवं बहमनी राज्य	मुगल साम्राज्य के पतन के कारण व शिवाजी एवं पेशवाओं के उपलब्धियों का वर्णन तथा पानीपत के तृतीय युद्ध तथा विजयनगर एवं बहमनी राज्य की प्रशासन की समीक्षा करना।	मुगल साम्राज्य में शिवाजी की उपलब्धियों से छात्रों को हिन्दू धर्म, गौ व ब्राम्हण की रक्षा तथा हिन्दू स्वराज की स्थापना में सहायक हुआ तथा विजयनगर एवं बहमनी राज्य से खान–पान, मनोरंजन व कृषि में सहायक

बी.ए.भाग-2

(प्रश्नपत्र–द्वितीय) विश्व का इतिहास

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. फ्रांस (1789 से 1815 तक) 2. राष्ट्रीय सम्मेलन 3. डाइरेक्ट्री का शासन 4. नेपोलियन बोनापार्ट का उत्थान, उपलब्धियां एवं पतन	फ्रांस में एक नवीन राजवंश की स्थापना व फ्रांस में गणतंत्र की स्थापना कर नवीन संविधान की रचना, कला तथा डायरेक्टरी के द्वारा शासनकला तथा नेपोलियन बोनापार्ट के उत्थान तथा उपलब्धियों का वर्णन करना।	राष्ट्रीय सम्मेलन का शासन प्रारंभ हुआ तथा इस राष्ट्रीय सम्मेलन से छात्रों को दशमलव प्रणाली शिक्षा का अनुचित प्रबंध, विधिसंहिता के अध्ययन को समझाया तथा डाइरेक्टरी के अंतर्गत बाहस समस्याओं के निराकरण में सहायक व नेपोलियन बोनापार्ट के जनसमूह से छात्रों के शिक्षा के विकास में सहायक।
bdkb&2		
5. मैहरनिख, विएना कांग्रेस व यूरोप की संयुक्त व्यवस्था 6. 1830 ई. की क्रांति	मैहरनिख के पुरातन व्यवस्था को बनाए रखना तथा 1830 की क्रांति से रूढ़ीवादी नीति का विरोध कर 1848 ई. की	इस व्यवस्था से विश्व में शांति स्थापित करने में सहायक तथा इस आंदोलन से छात्रों में नये उत्साह का संचार हुआ।

7. 1848 ई. की क्रांति	क्रांति से फ्रांसीसी गणतंत्र की स्थापना करना।	छात्रों के सामाजिक, आर्थिक समानता पर विशेष जोर दिया।
bdkb&3		
8. औद्योगिक क्रांति 9. इंग्लैण्ड में उदारवाद (1832 एवं 1867 के सुधार)	औद्योगिक क्रांति का फलस्वरूप, कारखानों, मशीनों का निर्माण करना तथा इंग्लैण्ड की संवैधानिक स्थिति का वर्णन कर, 1832 ई.एवं 1867 ई. तक	राष्ट्रीय सम्मेलन का शासन प्रारंभ हुआ तथा इस राष्ट्रीय सम्मेलन से छात्रों को दशमलव प्रणाली शिक्षा का अनुचित प्रबंध, विधिसंहिता के अध्ययन को समझाया तथा डाइरेक्टरी के अंतर्गत बाह्स समस्याओं के निराकरण में सहायक व नेपोलियन बोनापार्ट के जनसमूह से छात्रों के शिक्षा के विकास में सहायक।
bdkb&4		
10. नेपालियन तृतीय 11. पूर्वी समस्या यूनान का स्वतंत्रता संग्राम एवं कीमिया का युद्ध	फ्रांस में प्रजातंत्र की स्थापना कर तथा यूरोपीय शक्तिशाली देशों के हस्तक्षेप एवं प्रभावों को समझाना तथा राष्ट्रीयता के सिद्धांत की रक्षा व शांति की स्थापना करना।	नेपालियन तृतीय के चरित्र तथा साम्राज्य कथा से विद्यार्थियों को शिक्षा के विकास में सहायक तथा अलेक्जेण्डर द्वितीय के अनुसार नये युग की नब्ज को पहचानने में सहायक हुआ।
bdkb&5		
12. जार अलेक्जेंडर द्विती 13. यूरोप में राष्ट्रवाद इटली का एकीकरण 14. यूरोप में राष्ट्रवाद : जर्मनी का एकीकरण	जार अलेक्जेण्डर द्वितीय आंतरिक स्थिति का वर्णन करना तथा इटली में बाहरी शक्तियों का नियंत्रण व ईटली के एकीकरण की बाधाओं का अध्ययन करना तथा जर्मनी की जटिल राज व्यवस्था के स्थान पर सरल शासन स्थापित करना।	अलेक्जेंडर द्वितीय से नए युग की नब्ज को पहचानने की प्रेरणा मिली तथा उसमें सुधार करने में छात्रों को अवगत कराया तथा इस इकाई के माध्यम से छात्रों में व्यवहारिक समझदारी से अवगत कराया। बिस्मार्क के लौह एवं रक्त की नीति से छात्रों में देश

बी.ए.भाग-3

(प्रश्नपत्र–प्रथम) भारत का इतिहास (सन् 1761 ई. से 1950 ई. तक)

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण युद्ध एवं कूटनीति 2. वेलेजली एवं सहायक संधि 3. लार्ड विलियम बैटिक 4. लार्ड डलहौजी का सिद्धांत 5. लार्ड लिटन तथा लार्ड रिपन	1. ब्रिटिश साम्राज्य का भारत में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण 2. वेलेजली की इस संदर्भ में सहायक संधियां 3. लार्ड विलियम बैटिंग का प्रयास 4. इस संदर्भ में डलहौजी की नीतियां 5. लार्ड बिटन एवं रिपन के प्रयास	अंग्रेजों के द्वारा हिंदुस्तान में साम्राज्य विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण के विषय में ऐतिहासिक जानकारी से लाभान्वित होते हैं।

6. लार्ड कर्जन	6. लार्ड कर्जन के नीति के संदर्भ में जानकारी देना	
bdkb&1		
1. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण युद्ध एवं कूटनीति 2. वेलेजली एवं सहायक संधि 3. लार्ड विलियम बैटिक 4. लार्ड डलहौजी का सिद्धांत 5. लार्ड लिटन तथा लार्ड रिपन 6. लार्ड कर्जन	1. ब्रिटिश साम्राज्य का भारत में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण 2. वेलेजली की इस संदर्भ में सहायक संधियां 3. लार्ड विलियम बैटिंग का प्रयास 4. इस संदर्भ में डलहौजी की नीतियां 5. लार्ड बिटन एवं रिपन के प्रयास 6. लार्ड कर्जन के नीति के संदर्भ में जानकारी देना	अंग्रेजों के द्वारा हिंदुस्तान में साम्राज्य विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण के विषय में ऐतिहासिक जानकारी से लाभान्वित होते हैं।
bdkb&2		
7. वाणिज्यवादःउद्योग एवं व्यापार का ह्रास 8. कृषि का ह्रास एवं कृषक आंदोलन 9. भू–राजस्व व्यवस्थायें खायी, महालवाड़ी एवं रैयतवाड़ी व्यवस्था	उद्योगों एवं व्यापार के पतन के कारण व कृषक आंदोलन तथा भू–राजस्व व्यवस्था, महलवाड़ी एवं रैयतवाड़ी व्यवस्था की विश्लेषण करना।	उद्योग, व्यापार तथा कृषक आंदोलन व राजस्व व्यवस्था, महलवाड़ी व रैय्यतवारी व्यवस्था की जानकारी में सहायक।
bdkb&3		
10. भारतीय पुर्नजागरण 11. पाश्चात्य शिक्षा का विकास 12. भारतीय प्रेस का विकास 13. विभिन्न सामाजिक वर्ग (कृषक, श्रमिक, मध्यम वर्ग एवं स्त्रियों की स्थिति)	भारतीय पुर्नजागण, पाश्चात्य शिक्षा का विकास व भारतीय प्रेस के विकास का विश्लेषण तथा विभिन्न सामाजिक वर्ग कृषक, श्रमिक, मध्यम वर्ग की स्त्रियों की स्थिति का वर्णन करना।	भारतीय पुर्नजागरण पाश्चात्य शिक्षा के विकास मे सहायक, प्रेस की स्वतंत्रता व विकास से छात्रों को अवगत हुए तथा सामाजिक वर्ग, कृषक, श्रमिक, स्त्रियों की स्थिति के सुधार में सहायक हुए।
bdkb&4		
14. 1857 ई. की क्रांति 15. राष्ट्रवाद का उदय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना एवं उदारवादी आंदोलन 16. उग्रवादी आंदोलन 17. क्रांतिकारी आंदोलन 18. गांधीवादी आंदोलन : असहयोग आंदोलन	तत्कालिक 1857 ई. की क्रांति, राष्ट्रवाद का उदय तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना एवं उदारवादी आंदोलन, उग्रवादी आंदोलन क्रांतिकारी, गांधीवादी, असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन	1857 की क्रांति तथा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की जानकारी में सहायक।

19. सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं गोलमेज सम्मेलन 20. क्रिप्स योजना तथा भारत छोड़ो आंदोलन	का विवेचन।	
bdkb&5		
21. साम्प्रदायिकता का उदय एवं विकास 22. सुभाषचंद्र बोस एवं आजाद हिंद फौज 23. भारत का संवैधानिक विकास–1909 एंव 1919 के भारत अधिनियम, द्वैध शासन 24. सन् 1935 ई. का अधिनियम व प्रांतीय स्वायत्ता। 25. विभाजन की भूमिका, विभाजन एवं स्वतंत्रता प्राप्ति। 26. रियासतों का विलय एवं भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषतायें।	साम्प्रदायिकता का उदय व विकास, आजाद हिंद फौज की उपलब्धियों की समीक्षा कर, भारत शासन अधिनियम, द्वैध शासन का अध्ययन करना तथा रियासतों का विलय व भारतीय संविधान की विशेषताओं का वर्णन करना।	साम्प्रदायिकता के उदय व विकास की जानकारी प्राप्त हुई तथा सुभाषचन्द्र बोस व आजाद हिन्द फौज की उपलब्धियों से छात्रों में देश प्रेम की भावना जागृत हुई तथा इससे छात्र अधिक लाभान्वित हुये एवं रियासतों की विलय की जानकारी में सहायक।

बी.ए.भाग-3

(प्रश्नपत्र–द्वितीय) विश्व का इतिहास (सन् 1871 ई. से 1945 ई. तक)

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. फ्रांस का तृतीय गणतंत्र 2. बिस्मार्क 3. कैंसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति 4. अफ्रीका का विभाजन	फ्रांस में स्थायी गणतंत्र स्थापना करना व बिस्मार्क की उपलब्धियों को समझाना तथा कैंसर विलियम की विदेश नीति एवं अफ्रीका का विभाजन का विश्लेषण करना।	फ्रांस में तृतीय गणतंत्र की स्थापना हुई तथा बिस्मार्क की लौह व रक्त नीति के माध्यम से शत्रु को मित्र बनाने की प्रेरणा मिली तथा यूरोपियों का अफ्रीका में अधिकार करने से लाभ हुआ।
bdkb&2		
5. जापान का आधुनिकीकरण 6. रूस जापान युद्ध (1904–1905) 7. चीन की क्रांति (1911)	जापान का आधुनिकीकरण व रूस जापान युद्ध का वर्णन तथा 1911 की चीनी क्रांति पर प्रकाश डालना।	जापान के आधुनिकीकरण के परिणाम स्वरूप, पत्रकारिता का विकास, धार्मिक जीवन के परिवर्तन में सहायक व रूस जापान की स्थिति की जानकारी प्रदान की गई। निरंकुश

		शासन को समाप्त करने की प्रेरणा मिली।
bdkb&3		
8. पूर्वी समस्या–बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आंदोलन एवं बाल्कन युद्ध 9. प्रथम विश्व युद्ध 10. 1917 की रूसी क्रांति	युर्वा तुर्क आन्दोलन, बाल्कन युद्ध के उपलब्धियों का विवेचन करना तथा प्रथम विश्वयुद्ध के कारणों, परिणाम व घटनाओं की जानाकरी प्रदान करना एवं 1917 की रूसी क्रांति का वर्णन करना।	युवा तुर्क आंदोलन से छात्रों में देशप्रेम व राष्ट्रीयता की भावना प्रबल हुई तथा बाल्कन युद्ध से विश्व के इतिहास के प्रभाव को जानने में सहायक रूसी क्रांति के माध्यम से रूस के कृषकों की स्थिति, निरंकुश राजतंत्र को जानने में सहायक।
bdkb&4		
11. वर्साय की संधि 12. फासीवाद मुसोलिनी 13. नाजीवाद	वर्साय की संधि के फलस्वरूप विश्व शांति स्थापित करना व फासीवाद–नाजीवाद के संदर्भ मे मुसोलिनी व हिटलर के गृव व विदेश नीति की समीक्षा करना।	विश्व में संगति स्थापित करने में सहायक तथा हिटलर के उत्साह और व्यक्तित्व में भाषण, विज्ञापन, झंडे, गीत आदि पर जोर दिया जिससे छात्रों को भी प्रेरणा मिली।
bdkb&5		
14. राष्ट्रसंघ 15. द्वितीय विश्व युद्ध 16. संयुक्त राष्ट्र संघ	अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को शांति संधियों के माध्यम से निपटारा कर शांति	राष्ट्रसंघ के संदर्भ में अंर्तराष्ट्रीय सहयोग का दिशा दी गई अर्थात छात्रों में सहयोग की भावना प्रबल हुई। द्वितीय विश्व युद्ध विश्व में एक नया दौर शुरू किया तथा विश्व में शांति एवं सुरक्षा कायम रखने में सहायक।

ikB;Øe mÌ';

कक्षा :– बी.ए.भाग–एक

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–प्रथम

व्यष्टि अर्थशास्त्र (MICRO ECONOMICS)

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1	प्रथम	UNIT-1Introduction- Definitions Nature and scope of Economics, Methodology in Economics. Utility - Cardinal and Ordinal - approache Indifference curve, Consumer's Equilibium (Hicks and slutsky), Giffin goods, Compensated demand, Demand – Law of Demand, Elasticity of demand - Price, income and cross, elasticity Consumer's surplus, Engel curve.	अर्थशास्त्र वह सामाजिक विज्ञान है जो मानव जाति के भौतिक कल्याण और समृध्दि की समस्याओं का अध्ययन करता है। बिना अर्थ के जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इस इकाई के अध्ययन से छात्र अर्थशास्त्र एवं अर्थशास्त्र की अध्ययन पध्दति से परिचित होंगें। चूंकि उपभोग अर्थशास्त्र का आदि और अन्त है अतः विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययन से उपभोग के नियम, मांग के नियम, उपभोक्ता की अधिकतम संतुष्टि, मांग की लोच के नियमों एवं गणना विधि को समझ कर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकते हैं।
2	द्वितीय	UNIT-2 Theory of production and cost - Production decision, Production function, Iso-quant, Factor substitution, Law of variable proportions, Returns to scale, Economies of scale, Different concepts of cost and their interrelation, Equilibrium of the firm, expansion path.	उत्पादन अर्थशास्त्र का एक महत्वपूर्ण विभाग है। दैनिक जीवन की आवश्यकता (उपभोग) को पूरा करने के उद्देश्य से उत्पादन के विभिन्न साधनों का प्रयोग कर वस्तुओं की उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादक संतुलन, पूर्ति के नियम, आगम एवं लागत विश्लेषण, उद्योग एवं फर्म के आकार वृध्दि का लाभ आदि का अध्ययन कर विद्यार्थी इस इकाई से उत्पादन के नियमों को समझ कर अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकते हैं।
		UNIT-3 Market structure-perfect and imperfect markets, Equilibrium of a firm-Perfect	यह इकाई विद्यार्थियों को बाजार का पूर्ण ज्ञान कराता है। इस

3	तृतीय	competition, Monopoly and price discrimination, Measure of monopoly power, Monopolistic competition, Duopoly, Oligopoly, Taxation and equilibrium of a firm, Notion of controlled and administered prices	इकाइ स विद्याथा विानमय प्राक्रया का अच्छ स समझ सकत ह। तथापि पूर्ण, अपूर्ण, एकाधिकार एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगी बाजार के अध्ययन से छात्रों को बाजार संबंधी पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति होगी।
4	चतुर्थ	UNIT-4 Factor pricing-Marginal productivity theory of distribution, Theories of wage determination, wages and collective bargaining, wage differentials, Rent - Scarcity Rent, differential rent, Quasi rent, Modern Rent Theroy, Interest Classical and Keynesian Theories, Modern Theory, Profits - Innovation, Risk bearing and Uncertainty theories.	वितरण अर्थशास्त्र का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है। क्योंकि उत्पादन के विभिन्न साधनों को उनके प्रयोग के बदले मिलने वाले पुरस्कारों का अध्ययन इस इकाई में किया जाता है। लगान, मजदूरी, ब्याज एवं लाभों का निर्धारण कैसे किया जाता है ? इनके कौन–कौन से सिध्दान्त हैं ? आदि का अध्ययन कर छात्र साधनों के मूल्य निर्धारण प्रक्रिया को अच्छे से समझ सकते हैं।
5	पंचम	UNIT-5 Wel fare economics - Problems in measuring welfare, Classical welfare economics, Pareto's criteria, value judgement, Concept of a social welfare function, Compensation principle - Kaldor, Hicks.	कल्याणकारी राज्य की स्थापना करने हेतु छात्रों को कल्याणवादी अर्थशास्त्र का पूर्ण ज्ञान अति आवश्यक है। सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण की अवधारणा, पीगू एवं परेटो, हिक्स एवं ऐलन जैसे महान अर्थशास्त्रियों के विचार, अनुकूलतम सामाजिक फलन आदि के अध्ययन से छात्रों को कल्याणवादी अर्थशास्त्र का ज्ञान होगा तथापि वे भविष्य में एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

कक्षा :– बी.ए.भाग–एक

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–द्वितीय,

भारतीय अर्थव्यवस्था (INDIAN ECONOMY)

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1	प्रथम	UNIT-1 Towards a Market Economy - Changes in the land system. Commercialization of agriculture, Policy of discriminating protection and Industrial development, Monetary and currency developments, Central and Commercial Banking developments. Indian Economy at the Time of Independence, Backward economy, Stagnant economy, Other salient features, planning exercises in India - National Planning Committee, Bombay Plan, People's Plan. Gandhian Plan, The Planning Commission.	स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था अत्यन्त पिछड़ी, अविकसित एवं पराश्रीत थी। स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास हेतु भारत की केन्द्रीय सरकार ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाकर विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से अर्थव्यवस्था का विकास कार्यक्रम जारी रखा है। यह इकाई विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की दशा, कृषि, उद्योग, बैंकिंग,नियोजन, योजना आयोग, आदि का ज्ञान कराता है।
2	द्वितीय	UNIT-2 Structure of Indian Economy - Basic features, Natural resources - Land, water and forest resources, Broad demographic features - Population size and qrowth rates, Sex population, Population policy, Infra - structure development, National income. composition, Rural - urban migration, Occupational distribution, Problem of over Population.	छात्र इस इकाई के अध्ययन से भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं एवं समस्यायें, भारतीय अर्थव्यवस्था की जनांकिकीय विशेषताएं जनसंख्या नीति, प्राकृतिक संसाधन, राष्ट्रीय आय आदि से परिचित होकर जनसंख्या नीति का पालन कर देश की विकराल बढ़ती हुई जनसंख्या को रोकने में अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं।
3	तृतीय	UNIT-3 Planning in India - Objectives, Strateqy; Broad achievements and failures, Current Five Year Plan - Objectives, Allcation and targets, New Economic Reforms - Liberalization, Privatization and globalization. Agriculture - Nature and importance, Trends in	यह इकाई विद्यार्थियों को विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विकास कार्यक्रम,नवीन आर्थिक नीति उदारीकरण,

3	तृतीय	agricultural production and productivity, Factors determining productivity, Land reforms, New agricultural strategies and green revolution, Rural credit, Agricultural marketing.	निजीकरण एवं विश्वव्यापीकरण तथा भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था की दशा आदि का ज्ञान कराता है।
4	चतुर्थ	UNIT-4 Industry - Industrial development during the planning period, Industrial policy of 1948, 1956, 1977 and 1991. Industrial licencing policy - MRTP Act, FERA and FEMA, Growth and problems of small scale industries, Role of public sector enterprises in India's industrilization.	यह इकाई विद्यार्थियों को विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में औद्योगिक विकास, औद्योगिक नीतियां औद्योगिक समस्याएं आदि का ज्ञान कराता है।
5	पंचम	~~and~~ UNIT-5 External Sector - Role of foreign trade, trends in exports and imports, Composition and direction of India's foreign trade, Balance of payments crisis and the new economic reforms - Export promotion measures the new trade policies. Important areas of concern - Poverty, inequality and unemployment, Rising Price~~s.~~	यह इकाई विद्यार्थियों को भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृत्ति का, आयात निर्यात की प्रवृत्ति का, भुगतान संतुलन की समस्या एवं समाधान का, भारत की आयात निर्यात नीतियों का, आयात प्रतिस्थापन एवं निर्यात संवर्ध्दन के उपायों का, ज्ञान कराता है। भारत में व्याप्त गरीबी, बेरोजगारी एवं आय की असमानता के कारणों, प्रभावों एवं इसे दूर करने के सरकारी कार्यक्रमों एवं सुझावों का अध्ययन छात्रों के लिए अत्यन्त कारगर साबित होगा।

कक्षा :– बी.ए.भाग–दो

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–प्रथम

समष्टि अर्थशास्त्र (MACRO ECONOMICS)

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1	प्रथम	UNIT-I National Income & Social Accounts Concept and Measurement of National Income; National Income identities with government and international trade; Sectors of National Accounts; Green accounting Say's Law of Markets and the classical theory	किसी देश की अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय के आंकड़ों का बहुत महत्व है।यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय आय किसी भी देश के आर्थिक विकास का मापक है। छात्र इस अध्याय के अध्ययन से किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, आर्थिक नियोजन, आर्थिक नीतियां, आय वितरण का मूल्यांकन कर विभिन्न देशों की तुलना कर सकते हैं। राष्ट्रीय आय का अध्ययन शोध छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी है क्योंकि आर्थिक, सामाजिक एवं वाणिज्यिक विषयों को लेकर जो शोध कार्य किये जाते हैं उनमें राष्ट्रीय आय के आंकड़ों का बहुत महत्व होता है। इससे महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त किये जाते हैं जो देश के लिए उपयोगी होते हैं। रोजगारका प्रतिष्ठित सिध्दान्त/प्रो.जे.बी.से का बाजार नियम एवं प्रो.कीन्स का उत्पादन एवं रोजगार का सिध्दान्त किसी भी देश में व्याप्त बेरोजगारी को दूर करने संबंधी सिध्दान्त है। इन सिध्दान्तों के लागू

		of employment; Keyne's objection to the classical theory; Aggregate demand and aggregate supply functions; The principle of effective demand	होने से बेरोजगारी खत्म हो सकती है इसलिए इस पाठ का अध्ययन छात्रों के लिये अत्यन्त ही उपयोगी है।
2	द्वितीय	UNIT-II Consumption function - Average and marginal propensity to consume; Factors influencing consumption spending; The investments multiplier and its effectiveness in LDCs; Theory of investment - Autonomous and induced investment; Marginal efficiency of capital; Rate of interest classical savings theory & Investment – expost and ex-ante, Equality & Equilibrium.	इस इकाई में प्रो.कीन्स के उत्पादन एवं रोजगार सिध्दान्त के महत्वपूर्ण तत्वों जैसे – उपभोग फलन, विनियोग फलन, बचत, गुणक, त्वरक, ब्याज दर आदि की व्याख्या की गई है। रोजगार प्राप्त होने एवं अन्य व्यवसाय से प्राप्त आय का उपयोग इस प्रकार किया जाए कि अर्थव्यवस्था में बचत एवं निवेश में वृध्दि हो फलस्वरूप गुणक व त्वरक प्रभाव से आय (राष्ट्रीय आय/प्रति व्यक्ति आय) में कई गुना वृध्दि होने से एक समृध्दशाली अर्थव्यवस्था की कल्पना साकार हो सके। इस पाठ का अध्ययन छात्रों के भविष्य निर्माण में उनकी आर्थिक उन्नति में मील का पत्थर साबित होगा।
3	तृतीय	UNIT-III Nature and characteristics of trade cycle; Hawtrey's monetary theory; Hayek's over investment theory; Keynes' view on trade cycle; The concept of accelerator; Samuelson and Hicks multiplier, accelerator model, Control of trade cycles.	व्यापार चक्र को पूंजीवादी प्रणाली का एक अंग माना जाता है। व्यापार के क्षेत्र में घटनाएं (उच्चावचन) एक निश्चित क्रम में पुनरावृत्ति होती रहती है। तेजी एवं मन्दी अर्थात समृध्दि एवं अवसाद की पुनरावृत्ति का अध्ययन कर छात्र विभिन्न देशों में होने वाले आर्थिक उच्चावचन के कारणों एवं प्रभावों को गहराई से समझ सकते हैं। व्यापार चक्र को नियंत्रित करने के तरीके भी सीख सकते हैं।
		UNIT-IV International Trade - Inter-regional and international trade, Comparative advantage and opportunity Cost, Heckser Ohlim Theory its main feature assumptions & limitations. Term of Trade. Tariffs & Quotas concept of optimum tariff.	दो देशों के बीच होने वाले व्यापार के अध्ययन से वस्तुओं के तुलनात्मक लागत एवं उत्पादन को समझ सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दशा एवं दिशा का, व्यापार की शर्तों का, आयात निर्यात

4	चतुर्थ	Balance of trade & Balance of Payment- Concept & Components of BOP, Equilibrium & disequilibrium in BOP Varius measures to correct deficit in BOP, Relative merits & demerits of devalautaion. Foreign Trade Multiplier.	की प्रवृत्ति का, भुगतान संतुलन की समस्या एवं समाधान का, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आदि के अध्ययन से छात्रों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की क्रियाकलापों की सम्पूर्ण जानकारी मिल सकती है। यह ज्ञान छात्रों के भविष्य में कारगर साबित होगा।
5	पंचम	UNIT-V Functions of IMF, World Bank and WTO, Reform of the international monetory system with special reference to India. Foreign Trade in India recent Changes in the Composition and direction of foreign trade. Causes & affects of persistent deficit in Bop the Measures adopted by the government to correct the deficit after 1991 Partial & Full Convertibility of Rupee, Instruments of export promotion & Recent Export & Import Policies of India & Role of Maltinational Corporations in India	इस इकाई के अध्ययन से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित वित्तीय संस्थाओं जैसे अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक,विश्व व्यापार संगठन आदि की जानकारी होती है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित इन वित्तीय संस्थाओं की सदस्यता किसी राष्ट्र के लिये क्या मायने रखती है ? इसका अध्ययन भी आवश्यक है। आयात निर्यात की प्रवृत्ति एवं नीतियों का ज्ञान छात्रों के भविष्य में कारगर साबित होगा। छात्र बहुराष्ट्रीय कंपनियों के क्रिया कलाप एवं उनके अच्छाइयों एवं बुराइयों का मूल्यांकन भी इस इकाई के अध्ययन से कर सकते हैं।

कक्षा :– बी.ए.भाग–दो

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–द्वितीय,

मुद्रा, बैंकिंग एवं लोक वित्त (MONEY,BANKING AND PUBLIC FINANCE)

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य

1	प्रथम	UNIT-I Basic concepts : Money - meaning and functions, Gresham's law; Role of money in Capitalist, Socialist and Mixed econonics; Quantity theory of money- Cash transaction and cash balance -approaches; Value of Money, Inflation, deflation and reflation defination, types, causes and effects of inflation on different sectors of the	आधुनिक जीवन में हम मुद्रा से अधिक महत्वपूर्ण वस्तु की कल्पना नहीं कर सकते क्योंकि मुद्रा वह धुरी है जिसके चारों ओर अर्थविज्ञान केन्द्रित है। मुद्रा मनुष्य के समस्त आविष्कारों में एक आधारभूत आविष्कार है। मुद्रा के बिना आज की दुनिया का कोई अस्तित्व ही नहीं है। मुद्रा विशिष्ट अर्थव्यवस्था की उपज है। मुद्रा के उपयोग से व्यापार में विशिष्टिकरण को प्रोत्साहन मिलता है। जिससे कार्यक्षमता में वृध्दि होती है। बचत एवं निवेश को प्रोत्साहित करके मुद्रा आर्थिक विकास में योगदान करती है। मुद्रा के उपयोग के कारण ही वित्तीय संस्थायें, जैसे बैंक तथा अन्य गैर बैंक वित्तीय संस्थाओं का सृजन हो सका है। मुद्रा,उसकी उपयोगिता एवं महत्व के अध्ययन हेतु यह अध्याय छात्रों के लिये अत्यन्त कारगर साबित होगी। मुद्रा की मात्रा में वृध्दि एवं कमी होने से अर्थव्यवस्था एवं लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन से छात्रों में जागरूकता आएगी फलतः वे मुद्रा का प्रयोग उचित तरीके से कर पायेंगे। मुद्रा के विभिन्न सिध्दान्तों के अध्ययन से मुद्रा के मूल्य (क्रयशक्ति) की गणना करना आसान होगा।~~|६|क्म्डप्६ च्ल्ळत|डङम~~ ~~2017.18~~ ~~न्छश्रम्ब्ध. म्ब्छब्ब्डपै~~ ~~ब्ै. छप |प्६|त्ब्.2~~

		economy; Demand pull and cost push inflation; Measures to control inflation. Trade off between inflation & unemployment.	
2	द्वितीय	UNIT-II Commercial banking- meaning and types; Functions of commercial banks The process of credit creation prupose and limitations; Liabilities and assets of banks; Evolution of commercial banking in India after independence; A critical appraisal of the progerss of commercial banking after -Nationalization; Recent reforms in banking sector in India. Functions of a central bank; Quantitative and qualitative methods of credit control; Bank rate policy; Open market operations; Variable researve ratio and selective methods. Role and functions of the Reserve bank of India; Objectives and limitations of monetary policy with special reference to India.	बैंकिंग एक अति प्राचीन व्यवसाय है। यद्यपि प्राचीन काल में आज जैसे बैंक नहीं थे तथापि अनेक देशों में बैंकिंग कार्य महाजन, साहूकार, सुनार और सर्राफ आदि द्वारा किया जाता था। धीरे– धीरे बैंकों का आर्थिक महत्व बढ़ता गया और संयुक्त पूंजी वाले बैंक स्थापित किये जाने लगे। आधुनिक युग में प्रत्येक आर्थिक लेन–देन बैंकों के माध्यम से होने लगा है, नकद मुद्रा का प्रयोग कम होने लगा है इससे आर्थिक विकास की गति तेज हो गई है। इस प्रकार बैंक का अध्ययन प्रत्येक छात्रों के लिये अत्यन्त ही उपयोगी है। व्यापारिक बैंक, केन्द्रीय बैंक आदि का विस्तार पूर्वक अध्ययन कर बैंकों की कार्य प्रणाली मुद्रा का गुणक प्रभाव, अर्थव्यवस्था में मुद्रा संचरण में बैंको की भूमिका को समझने में यह अध्याय प्रत्येक छात्रों के लिये अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है।
3	तृतीय	UNIT-III Meaning and scope of public finance; Distinction between private and public finance;	राजस्व अर्थशास्त्र का एक महत्वपूर्ण विभाग है। आधुनिक समय में राजस्व देश की आर्थिक क्रियाओं का केन्द्र बिन्दु बन चुका है। अर्थव्यवस्था के समुचित संचालन एवं आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति राजस्व से ही संभव है। राजस्व एक ऐसी आर्थिक प्रक्रिया को स्पष्ट करता है जिसके द्वारा राजनीतिक सत्ता अपने सार्वजनिक अधिकारियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त आय का आकलन, संग्रहण करने के साथ देश में कल्याणकारी कार्यों पर व्यय राजनीति की यथोचित परिकल्पना प्रस्तुत करता है।

		public goods v/s private goods; The principle of maximum social advantage; Market failure; Role of the government; Public expenditure - Meaning, classification and principles of public expenditure; Trends in public expenditure and causes of growth of public expenditure in India.	इस इकाई में निहित पाठों का अध्ययन कर छात्र राजस्व की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्था में कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए सार्वजनिक व्यय के महत्व को समझ सकते हैं अर्थात कल्याणकारी राज्य की स्थापना में बढ़ते हुए सार्वजनिक व्यय के महत्वों को समझ सकते हैं जो छात्रों के लिये अत्यन्त ही ज्ञान वर्ध्दक साबित होगा।
4	चतुर्थ	UNIT-IV Sources of Public revenue; taxation - Meaning, Canons and classification of taxes; Diveision of tax burden. The benefit and ability to pay approaches; Impact and incidence of taxes; Taxable capacity; Effects of taxation; Characheristics of a good tax system; Major trends in tax revenue of the Central and State Governmenst in India.	देश की केन्द्रीय एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कल्याणकारी राज्य की स्थापना करने, राज्य संचालन एवं अन्य आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु करारोपण के सिध्दान्त के अनुरूप देश के निवासियों पर लगाये जाने वाले करारोपण, शुल्क, उसके प्रभाव, करदान क्षमता, आय के स्त्रोत आदि का अध्ययन कर छात्र उचित अनुचित के निर्णय लेने की क्षमता का विकास कर सकते हैं।
5	पंचम	UNIT-V Public debt and financial administration : Sources of public borrowing effects of public debt. Methods of debt redemption. The public budget- Kinds of budget, Economic and functional classificational of the budget; Preparation and passing of budget in	वर्तमान समय में सरकार आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार के ऋण लेकर अपने अनेक विकास कार्यों/योजनाओं को पूर्ण करती हैं। सरकार किस प्रकार ऋण लेकर उसका शोधन करती हैं ? उत्पादन एवं वितरण पर क्या प्रभाव पड़ता है ? आदि का अध्ययन कर छात्र ऋण की उपयोगिता एवं महत्व को गहराई से समझ सकते हैं। बजट के बारे में छात्रों को ज्ञान होना आवश्यक है। भारत में बजट निर्माण, पारित एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया का ज्ञान भी अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि प्रति वर्ष सरकार द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली बजट से उस वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने वाली आय एवं व्यय का लेखा– जोखा ज्ञात होता है। जो अर्थशास्त्र के छात्रों के लिये

		India.	अत्यन्त आवश्यक एवं उपयोगी है।

कक्षा :– बी.ए.भाग–तीन

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–प्रथम

विकास एवं पर्यावरण का अर्थशास्त्र (DEVELOPMENT AND ENVIRONMENTAL ECONOMICS)

बी.ए.भाग–तीन के नवीन संशोधित पाठ्यक्रमानुसार प्रथम प्रश्न पत्र में आर्थिक विकास एवं उनके सिध्दान्त तथा पर्यावरणीय अर्थशास्त्र को विशेष महत्व दिया गया है।

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1	प्रथम	UNIT-I Economic Growth and Development - Factors affecting economic growth, Capital and Technology Develompment & under development, Population of Under-developed Countries, Poverty - Absolut & Relative, Measuring development and Undevlopment,gap per capita income, inequlity of income and wealth. Human Delopment index GDI, GEM, Poverty Index of development & Quality of life.	इस इकाई में आर्थिक विकास, आर्थिक वृध्दि, आर्थिक प्रगति, विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास सूचकांक को शामिल किया गया है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था को समझने में सुविधा होगी तथा भारत देश की तुलना विश्व के अन्य देशों से किया जाकर भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविकता से वे परिचित होंगे।

2	द्वितीय	UNIT-II Population problem and growth, pattern of population. Theory of demographic trasition.Population poverty & Environment. Theory of Social Change Immutable laws of Capital Development - Crisis in capitalism. Karl Marx Theory of Development, Mahalonobis four sectoral Model. Schumpeter's development in Capitalistic economy, Big-Push Balance and unbalanced Growth, Critical Minimum Effort thesis, Low Income Equilibrium Trap-Dualism : Technical, Behavioural & Social.	द्वितीय इकाई के अध्ययन से भारत सहित विश्व में बढ़ती जनसंख्या की विकराल समस्या एवं उसके समाधान की दिशा में किये जाने वाले प्रयास को छात्र आसानी से समझ सकते हैं। विश्व के महान अर्थशास्त्रियों जैसे – कार्ल मार्क्स, शुम्पीटर, महालनोविस, रोजेस्टीन–रोडान,लीबिन्सटीन आदि द्वारा प्रस्तुत आर्थिक विकास के मॉडल को समझ कर छात्र किसी भी राष्ट्र की विकास गाथा को आसानी से समझ सकते हैं।
3	तृतीय	Unit-III Harrod and Domar Growth Model, Neo Classical models, So low, Meade & Mrs. Joan Robinson's Growh model, Unlimited supply of Labour.	इस इकाई में आर्थिक विकास के विभिन्न मॉडल जैसे–नव प्रतिष्ठित विकास मॉडल, हैरोड –डोमर विकास मॉडल, सोलो एवं मीड का विकास मॉडल तथा श्रीमती जान राबिन्सन के विकास मॉडल के अध्ययन से किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास/वृध्दि दर को छात्र गहराई से समझ सकते हैं। क्योंकि वर्तमान युग में किसी भी राष्ट्र के विकास का पैमाना वहां की आर्थिक विकास/वृध्दि दर को माना जा सकता है।
4	चतुर्थ	UNIT-IV Environment and Ecology : Economic linkage, Environment as a necessary and luxury, Population environment linkage, Environmental use & environmental disruption as an allocation problem. Market failure for environmental goods, environment as a public good, the Common problem. Property Human right approach to environmental problem, valuation of environmental damages-land, water, air & forest Pollution Control-	चतुर्थ इकाई पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी से संबंधित है। चूंकि वर्तमान युग में अन्तराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के सभी देशों की राजनयिकों, शासकों, प्रशासकों की सर्वाधिक चिंतन का विषय विश्व पर्यावरण को प्रदूषण से कैसे बचाएं ? इस अध्याय के माध्यम से छात्र पर्यावरण प्रदूषण, उसके प्रभाव एवं निदान के साथ–साथ पर्यावरणीय विधान एवं पर्यावरणीय लेखा का भी अध्ययन कर स्वयं

		Prevention. Control and asbtement of pollution Choice of policy instruments in developing Countries, Environmental legislation Indicators of Sustainable Development,environmental accounting.	से ही प्रदूषण मुक्त विश्व की कल्पना को साकार करने में अपनी महती भूमिका अदा कर सकते हैं।
5	पंचम	UNIT-V Concept of Intellectual Capital - Food Security, Education Helath & Nutrition, Efficiency & Productivity in Agriculture New Technology & Sustainable Agriculture, Globalization & Agriculture growth, the Choice of Technique & appropriate technology & employment. Role of Monetory & Fiscal policies in developing Countries.	पंचम इकाई में विश्व के विभिन्न विकसित एवं विकासशील देशों में बौध्दिक पूंजी, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण को शामिल किया गया है। इसके अध्ययन से छात्र अपने राष्ट्र की वर्तमान स्थिति को समझ सकते हैं। क्योकि जिस देश में बौध्दिक पूंजी दर जितनी ज्यादा होती है वह देश उतना ही ज्यादा विकास करता है। कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृध्दि हेतु नवीन तकनीकों के प्रयोग की जानकारी, धारणीय कृषि, वैश्विक कृषि, सतत विकास आदि के तुलनात्मक अध्ययन कर छात्र अपनी वर्तमान स्थिति से पूर्णरूपेण अवगत होकर व्याप्त कमियों के समाधान की दिशा में कारगर कदम उठा सकते हैं। वर्तमान युग में किसी भी राष्ट्र के विकास में अच्छी आर्थिक नीतियों (राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियों) की भूमिका सर्वोपरि होती है। छात्र इन नीतियों का अध्ययन कर एक अच्छी नीति का निर्धारण कर अपने राष्ट्र को समृध्दशाली बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कक्षा :– बी.ए.भाग–तीन

विषय :– अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र–द्वितीय,

सांख्यिकीय विधियां (STATISTICAL MATHODS)

वर्तमान युग शोध का युग है। नवीन आविष्कार शोध का ही परिणाम है। राष्ट्र में व्याप्त समस्यायों एवं विभिन्न घटनाओं के अध्ययन के लिए सांख्यिकीय अनुसंधान विधियां अत्यधिक कारगर साबित हुई हैं। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए बी.ए.भाग–तीन के द्वितीय प्रश्न पत्र में सांख्यिकीय विधियों को शामिल कर छात्रों के लिए अनुसंधान प्रक्रिया के अध्ययन को विशेष महत्व दिया गया है।

स.क्र.	इकाई	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम उद्देश्य
1	प्रथम	UNIT-I Statistical Methods Statistcs - Definition Statistical Data, Statistical Methods, Functions of Statistics. Importance of Statistics, Limitations of Statistics. Statistical Survey & Report writing. Collection of Data, Primary & Secondary Data, Sampling & Sampling Designs. Sampling Errors, Frequency Distribution, Diagrammatic & Graphic Presentation.	प्रथम इकाई में सांख्यिकीय विज्ञान, समंक, सांख्यिकीय अनुसंधान विधियां, संगणना विधि, निदर्शन विधि, सर्वेक्षण पध्दति, बिन्दुरेखीय प्रदर्शन एवं रेखाचित्रीय निरूपण इत्यादि को शामिल किया गया है। इससे छात्रों को अनुसंधान संबंधी प्रारंभिक ज्ञान की प्राप्ति होगी तथा यह अध्ययन भविष्य में उनके अनुसंधान कार्य में कारगर साबित होगी।
2	द्वितीय	UNIT-II Central Tendency. Measurement of Mean, Median, Mode, Geometric Mean & Harmonic Mean and their uses.	समंकों को प्रदर्शित करने के उपरान्त विश्वसनीय परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से उचित गणितीय माध्यों जैसे – समान्तर माध्य, मध्यिका, बहुलक आदि औसतों को ज्ञात करने की विधियां इस इकाई में शामिल है। छात्र इस इकाई का अध्ययन कर औसत निकालने के तरीके सीख सकते हैं।
3	तृतीय	Unit-III Dispersion : Meaning of Dispersion, Properties good measure of Variation – Methods of Despersion Range, Quartiles Deviation - Mean Deviation, Standard Deviation Coefficaient of Variation, Lorenz Curve, Skewness & Kurtosis.	तृतीय इकाई में सांख्यिकीय विश्लेषण पध्दतियों जैसे – माध्य विचलन, प्रमाप विचलन,चतुर्थक विचलन,विषमता गुणांक आदि के प्रयोग एवं उनकी उपयोगिता को शामिल किया गया है ताकि छात्र अपने अनुसंधान कार्य में इनका अनुकरण कर सकें।

4	चतुर्थ	UNIT-IV Coefficient of Correlation - Karl Pearson's Method, Probable Error, Spearman's Rank Correlation Coefficient.	यदि छात्र दो चरों के एक–दूसरे के सह संबंधित विश्लेषण करना चाहता है तो उसके लिये इस इकाई में शामिल कार्ल पियर्सन एवं स्पियेर मैन का कोटि अन्तर सह संबंध गुणांक अत्यन्त उपयोगी साबित होगा।
5	पंचम	UNIT-V Index Number - Construction of Index Numbers Simple & weighted Index Number's-Fisher's Ideal Index Number & Reversal Test. Consumer Price Index Numbers and Time Seris Analysis - components of Time-Series. Measurement of Trend - Graphic Method, Semi Average Method. Moving averages, Least Square Method, Measuring Trend by logariths. ~~BOOK~~	इस इकाई में सूचकांक एवं काल श्रेणी का विश्लेषण शामिल है। सूचकांक के द्वारा आयात – निर्यात की प्रवृत्तियां, भुगतान संतुलन की दशा, औद्योगिक उत्पादन, मूल्यों की प्रवृत्ति, मुद्रा स्फीति, राष्ट्रीय आय / प्रति व्यक्ति आय की दर का अध्ययन, उचित मुद्रा नीति का निर्धारण, मुद्रा की क्रय शक्ति का मापन, महंगाई भत्ते का निर्धारण तथा देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक एवं व्यावसायिक दबावों को मापने में सहायक होता है। छात्र इनके विश्लेषण में सूचकांक का प्रयोग कर सकते हैं। इसी प्रकार छात्र काल श्रेणी विश्लेषण से विभिन्न समयावधि में समंकों में उतार – चढ़ाव का अध्ययन कर सकते हैं। क्योंकि काल श्रेणी विश्लेषण का राज्य शासन, आर्थिक नियोजन, आर्थिक–सामाजिक कार्यक्रमों के मूल्यांकन एवं विभिन्न शोधों में विशेष महत्व है। काल श्रेणी विश्लेषण मुख्यतया भविष्य के लिये पूर्वानुमान करने एवं भूतकालीन व्यवहारों के मूल्यांकन करने के लिए प्रयोग में लाये जाते हैं। छात्र इन विश्लेषणों के माध्यम से विश्वसनीय परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

बी.ए.भाग-1 (प्रश्नपत्र–प्रथम)

jktuhfrd fl)kar

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1	
राजनीति विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र तथा स्वरूप	छात्र/छात्राओं को राजनीति विज्ञान की परिभाषा, परम्परागत, आधुनिक दृष्टिकोण के बारे में समझ तथा इनके अंतर्गत कौन–कौन से विषय क्षेत्र आते हैं ? इनकी प्रवृत्ति क्या है? इनका ज्ञान कराना है।
अध्ययन पद्धति में परम्परागत और व्यवहारपरक	राजनीति विज्ञान के परंपरागत, व्यवहारवादी एवं उत्तर व्यवहारवादी पद्धतियों का ज्ञान कराना।
शक्ति और सत्ता (प्राधिकार)	छात्र–छात्राओं को राजनीतिक शक्ति एवं सत्ता के स्त्रोत, प्रकार एवं भूमिका का अध्ययन कराना।
bdkbZ&2	
राज्य–परिभाषा एवं तत्व	राज्यों के परिभाषा तथा उनके चार आवश्यक तत्वों का ज्ञान कराना।
राज्य के उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धांत	राज्य उत्पत्ति के दैवी, शक्ति, सामाजिक समझौता एवं विकासवादी सिद्धांत विषय का ज्ञान कराना।
bdkbZ&3	
सम्प्रभुता	सम्प्रभुता के अर्थ, प्रकार तथा बहुलवादी आक्षेप के संदर्भ में छात्र/छात्राओं को ज्ञान प्रदान करना।
अधिकार	इसमें अधिकारों के वर्गीकरण नागरिकों को प्राप्त अधिकार तथा मानवीय अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा का अध्ययन कराना है।

स्वतंत्रता	स्वतंत्रता का अर्थ, प्रकार तथा स्वतंत्रता के विभिन्न रूपों का ज्ञान प्रदान कराना।
bdkbi&4	
समानता एवं न्याय	छात्र/छात्राओं के समानता का अर्थ इसके विभिन्न पक्षों का अध्ययन कराना। न्याय की धारणा इसके विविध आधारों का अध्ययन कराना है।
लोकतंत्र	लोकतंत्र का अर्थ, परिभाषा, लक्षण, चुनौतियों तथा इसके विविध, सिद्धांतों का भारतीय परिपेक्ष में अध्ययन कराना।
bdkbi&5	
विकास एवं कल्याणकारी राज्य	विकास एवं कल्याणकारी राज्य के चुनौतियों का समूचित अध्ययन कराना।
सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत	सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख सिद्धांत जैसे उदारवादी, मार्क्सवादी, गांधीवादी सिद्धांतों का समूचित अध्ययन कराना।

बी.ए.भाग-1 (प्रश्नपत्र–द्वितीय)

jkT; 'kklu ,oa jkt uhfr

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbi&1	
भारतीय संविधान–उद्देश्य एवं प्रस्तावना	भारतीय संविधान के प्रस्तावना (उद्देशिका) का अध्ययन करना।

भारतीय संविधान के लक्षण	भारतीय संविधान के प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन करना।
मूल अधिकार एवं कर्त्तव्य	भारतीय संविधान द्वारा वर्णित मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्यों का ज्ञान कराना।
राज्यनीति के निर्देशक तत्व	भारतीय संविधान के वर्णित राज्य नीति के प्रमुख निर्देशक तत्वों का अध्ययन कराना।
bdkbZ&2 ¼dsUnzh; 'kklu½	
संघीय कार्यपालिका–राष्ट्रपति	राष्ट्रपति के निर्वाचन प्रक्रिया, कार्य और शक्तियां, संकटकालिन शक्तियां तथा उनके वास्तविक स्थिति का ज्ञान छात्र/छात्राओं को राना।
मंत्रिपरिषद् और प्रधानमंत्री	मंत्रीमंडल की शक्तियां और कार्य, प्रधानमंत्री के चयन व नियुक्ति एवं उनकी शक्तियों का व्यापक अध्ययन करना।
संसद	रचना, लोकसभा एवं राज्यसभा का गठन तथा इनके कार्य एवं शक्तियों का अध्ययन करना।
bdkbZ&3 ¼jkT; 'kklu½	
राज्यपाल	राज्यों में राज्यपाल की शक्तियां, स्थिति एवं भूमिका का ज्ञान कराना।
मंत्रिपरिषद् और मुख्यमंत्री	राज्य मंत्रिपरिषद का गठन एवं शक्तियों का समूचित अध्ययन, मुख्यमंत्री की नियुक्ति एवं शक्तियों का समसामयिक अध्ययन करना।
राज्य विधानमंडल	राज्य के विधानसभा एवं विधान परिषद के रचना, संगठन, अधिकार एवं शक्तियों का छात्र/छात्राओं को अध्ययन कराना।
केन्द्र राज्य संबंध	केन्द्र एवं राज्य के मध्य विधायी, प्रशासनिक तथा वित्तीय संबंधों का अध्ययन करना।

bdkb&4	
सर्वोच्च न्यायालय एवं संवैधानिक प्रक्रिया	सर्वोच्च न्यायालय के गठन, क्षेत्राधिकार, न्यायिक पुनर्विलोक तथा न्यायिक सक्रियता का समूचित अध्ययन कराना।
उच्च न्यायालय	उच्च न्यायालय के गठन, शक्तियों तथा अधिकार क्षेत्र का अध्ययन कराना।
राजनीतिक दल	भारत में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों के विशेषता एवं प्रकारों का अध्ययन कराना।
निर्वाचन आयोग तथा चुनाव सुधार और मतदान व्यवहार	भारत में निर्वाचन आयोग के संरचना, कार्य तथा संवैधानिक प्रावधानों का अध्ययन। भारत की चुनाव पद्धति की विशेषता, गुण, दोष का अध्ययन कराना।
bdkb&5	
भारतीय राजनीति में जाति	जाति का राजनीतिकरण, भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका का अध्ययन करना।
धर्म और सम्प्रदाय	धर्म और सम्प्रदाय की भारतीय राजनीति में भूमिका का अध्ययन करना।
भाषावाद एवं क्षेत्रवाद	भारतीय राजनीति में भाषा एवं क्षेत्रवाद की भूमिका का अध्ययन करना।
निर्धनता निवारण	गरीबी का अर्थ, परिभाषा तथा गरीबी उन्मूलन हेतु महत्वपूर्ण योजनाओं का समूचित अध्ययन करना।

बी.ए.भाग-2 (प्रश्नपत्र–प्रथम)
पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य

bdkb&1	
प्लेटो	प्लेटो के न्याय, शिक्षा, साम्यवाद एवं दार्शनिक राजाओं के शासन के संबंध में छात्र/छात्राओं को ज्ञान प्रदान करना।
अरस्तू	राज्य संविधान का वर्गीकरण दासता एवं क्रांति संबंधी अरस्तू के विचारों का वृहत ज्ञान प्रदान करना।
bdkb&2	
मैकियावली	मैकियावली के राज्य एवं शासन, धर्म, नैतिकता, संबंधी विचार तथा उनके राजदर्शन को देन का ज्ञान कराना।
हाब्स	हाब्स के सामाजिक समझौता विचार व्यक्तिवादी एवं प्रभूसत्ता के विचारों का ज्ञान प्रदान करना।
लॉक	जान लॉक के सामाजिक समझौता तथा राज्य, प्राकृतिक अधिकार संबंधी विचारों का छात्र/छात्राओं को ज्ञान प्रदान कराना।
रूसो	रूसो के सामाजिक समझौता एवं सामान्य इच्छा के सिद्धांतों को परीक्षण कराना।
bdkb&3	
जेटेमी बेंथम	बेंथम के उपयोगितावाद तथा शासन संबंधी विचारों का अध्ययन कराना।
जॉन स्टुअर्ट मिल	मिल के राज्य, स्वतंत्रता, अधिकार एवं प्रतिनिधि शासन संबंधी विचारों का अध्ययन कराना।
bdkb&4	
जॉज फ्रेडिके हीगल	हिगल के राज्य संबंधी विचार एवं द्वंदवाद का छात्र/छात्राओं को अध्ययन कराना।

टी.एच.ग्रीन	ग्रीन के राज्य एवं शासन संबंधी विचार, स्वतंत्रता तथा राजदर्शन के दोन का सांगोपाग अध्ययन करना।
bdkb&5	
कार्लमार्क्स	कार्लमार्क्स के द्वंदात्मक भौतिकवाद, वर्ग संघर्ष का सिद्धांत, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत, इतिहास की आर्थिक व्याख्या तथा मार्क्स की देन का छात्र/छात्राओं को अध्ययन कराना।

बी.ए.भाग-2 (प्रश्नपत्र–द्वितीय)

r|yukRed 'kklu vkj jktuhfr ¼fcVu] vefjdk] phu vkj fLoVtjyM½

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	
तुलनात्मक राजनीति, अर्थ, विषयक्षेत्र, प्रकृति और विशेषतायें	तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम, राजनीतिक व्यवस्था का उपागम डेविड ईष्टन एवं आमण्ड पावेल के व्यवस्था सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त करना।
ब्रिटेन की संवैधानिक परंपरा एवं विशेषतायें	ब्रिटेन के संवैधानिक परम्पराएं एवं संविधान की विशेषताओं का ज्ञान कराना।
अमरीका की संवैधानिक परम्परा एवं विशेषतायें	अमरीका के संवैधानिक परम्पराएं एवं संविधान की विशेषताओं का ज्ञान कराना।
स्विटजरलैण्ड की संवैधानिक परम्परा एवं विशेषतायें	स्विटजरलैण्ड की संवैधानिक परम्पराएं एवं संविधान की विशेषताओं का ज्ञान छात्र/छात्राओं को प्रदान करना।

चीन के संवैधानिक व परम्पराएं एवं विशेषतायें	चीन की संवैधानिक परम्पराएं तथा संविधान की विशेषताओं का ज्ञान प्रदान कराना।
bdkb&2	
कार्यपालिका तुलनात्मक विश्लेषण	ब्रिटेन, अमेरिका, स्विटजरलैण्ड और चीन के कार्यपालिका की संरचना, प्रकार, कार्य शक्तियों का केन्द्रीयकरण तथा इनके तुलनात्मक विवेचनों का अध्ययन कराना।
bdkb&3	
व्यवस्थापिका तुलनात्मक अध्ययन	ब्रिटेन, अमेरिका, स्विटजरलैण्ड और चीन के व्यवस्थापिका की संरचना, संगठन, कार्य द्विसदनीय व्यवस्थापिका का पक्ष–विपक्ष तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान कराना।
bdkb&4	
न्यायपालिका तुलनात्मक अध्ययन	ब्रिटेन, अमेरिका, स्विटजरलैण्ड और चीन के न्यायपालिका के संवैधानिक संरचना, संगठन, कार्य, स्वतंत्रता, विधि का शासन एवं न्यायिक पुनरावलोकन के संबंध में छात्र/छात्राओं का ज्ञान प्रदान कराना।
bdkb&5	
राजनीतिक संस्कृति एवं समाजीकरण	राजनीति संस्कृति एवं समाजीकरण के अवधारणा, आधार, विशेषतायें एवं साधनों का अध्ययन कराना।
राजनीतिक दल	ब्रिटेन, अमेरिका और चीन के राजनीतिक दल के विशेषतायें, कार्य एवं महत्व का अध्ययन कराना।
दबाव समूह	ब्रिटेन तथा अमेरिका के दबाव समूह का अर्थ, प्रकार, कार्य एवं महत्व का अध्ययन कराना।

राजनीतिक प्रक्रिया में नारी की भूमिका	ब्रिटेन, अमेरिका, स्विटजरलैण्ड, चीन एवं भारत में राजनीतिक प्रक्रिया में नारी की भूमिका का वृहद विवेचना कराना।

बी.ए.भाग-3 (प्रश्नपत्र–प्रथम)

vUrjkZ"Vªh; jktuhfr

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1	
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति–अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र	अंर्तराष्ट्रीय राजनीति के अर्थ उसके प्रकृति एवं विषय क्षेत्र का ज्ञान छात्र/छात्राओं को कराना।
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के उपागम	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के प्रमुख उपागम जैसे आदर्शवादी, यर्थाथवादी, परम्परावादी, व्यवहारवादी, उत्तर व्यवहारवादी दृष्टिकोण का अध्ययन कराना।
bdkbZ&2	
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धांत	इसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धांत जैसे व्यवस्था, खेल सिद्धांत, निर्णय परक सिद्धांत, संचार सिद्धांत, मागैन्थाऊ का यथार्थवादी सिद्धांत का व्यापक अध्ययन कराना।
राष्ट्रीय शक्ति के तत्व	राष्ट्रीय शक्ति के तत्व जैसे भूगोल, प्राकृतिक संसाधन, जनसंख्या, तकनीकी, राष्ट्रीय चरित्र, मनोबल, नेतृत्व आदि का ज्ञान कराना।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति–शक्तिम संघर्ष, शक्ति संचय, शक्ति वृद्धि एवं शक्ति प्रदर्शन के रूप में	अंर्तराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति के लिए संघर्ष, शक्ति संचय, शक्ति वृद्धि एवं शक्ति प्रदर्शन के रूप में आदि का व्यापक अध्ययन कराना।
bdkb&3	
शक्ति संतुलन की अवधारणा	शक्ति संतुलन की अवधारणा तथा इनके संवैधानिक लाभ एवं मूल्यांकन का अध्ययन कराना।
सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा	शांति एवं सुरक्षा की अवधारणा तथा सामूहिक सुरक्षा के सिद्धांत का अध्ययन कराना।
bdkb&4	
राजनय–परिभाषा प्रकार एवं कार्य	राजनय (कूटनीति) प्रकार, कार्य, उद्देश्य, साधन एवं इनके महत्व का व्यापक अध्ययन कराना।
निःशस्त्रीकीरण, अर्थ, परिभाषा एवं विकास	निःशस्त्रीकरण का अर्थ, परिभाषा एवं विकास, निःशस्त्रीकरण के मार्ग की बाधाएं एवं निःशस्त्रीकरण हेतु किये गये विभिन्न प्रयासों का समूचित ज्ञान प्रदान करना।
bdkb&5	
पर्यावरणवाद	पर्यावरण का अर्थ, कारण एवं प्रभाव, पर्यावरण संरक्षण हेतु किये गये अंतर्राष्ट्रीय प्रयास का ज्ञान प्रदान कराना।
भूमण्डलीकरण	भू–मण्डलीकरण का अंतर्राष्ट्रीय संबंध, प्रभाव, उदारीकरण, निजीकरण का ज्ञान प्रदान कराना।
मानव अधिकार	मानव अधिकार की सर्वभौमिक घोषणा मानव अधिकार के सबंध में विभिन्न कनवेशनों का ज्ञान छात्र/छात्राओं को प्रदान करना।

बी.ए.भाग-3 (प्रश्नपत्र–द्वितीय)
लोक प्रशासन

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkb&1	
लोक प्रशासन अर्थ तथा क्षेत्र	लोक प्रशासन के अर्थ तथा उनके विषय क्षेत्र का अध्ययन करना।
लोक प्रशासन का स्वरूप, कला अथवा विज्ञान	लोक प्रशासन का स्वरूप क्या है? वह एक कला है या विज्ञान का विषय इनका ज्ञान कराना।
लोक प्रशासन और निजी प्रशासन	लोक प्रशासन एवं व्यक्तिगत प्रशासन में समानतायें एवं असमानतायें का अध्ययन कराना।
bdkb&2	
लोक प्रशासन की अध्ययन पद्धतियों एवं उपागम	लोक प्रशासन की विभिन्न अध्ययन पद्धतियां जिसमें परम्परागत दृष्टिकेण, व्यवहारिक दृष्टिकोण एवं व्यवस्था दृष्टिकोण का अध्ययन कराना।
नवीन लोक प्रशासन	नवीन लोक प्रशासन के उद्देश्य, विशेषतायें तथा इनके विकास का अध्ययन कराना।
bdkb&3	
राजनीति एवं लोक प्रशासन	राजनीति एवं लोक प्रशासन का संबंध कैसा है? परम्परागत एवं समकालिन दृष्टिकोण का अध्ययन कराना।
नेतृत्व	नेतृत्व के प्रकार, कार्य, गुण–दोष का अध्ययन कराना।
प्रशासन में निर्णय निर्माण	निर्णय निर्माण का अर्थ प्रकृति, निर्णय के प्रकार, प्रशासन में निर्णय निर्माण की प्रक्रिया आदि का अध्ययन कराना।

जवाबदेही	जवाबदेही के उपकरण, सीमायेंए प्रकार तथा उनकी सीमाओं का अध्ययन कराना।
bdkb&4	
नौकरशाही	नौकरशाही के अर्थ एवं प्रकृति, विशेषतायें, गुण–दोष, प्रकार तथा इस पर मैक्स वेबर के विचार का अध्ययन कराना।
बजट के तत्व एवं प्रक्रिया	बजट का अर्थ एवं महत्व, बजट के सिद्धांत, बजट के प्रकार तथा बजट निर्माण की विभिन्न प्रक्रिया का अध्ययन कराना।
bdkb&5	
वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के युग में लोक प्रशासन	वैश्वीकरण व उदारीकरण का प्रभाव का भारतीय संदर्भ में अध्ययन कराना।
प्रशासन पर विधायी नियंत्रण	प्रशासन पर विधायी नियंत्रण के प्रमुख साधनों का संसदीय एवं अध्यक्षात्मक प्रणाली के आधार पर अध्ययन कराना।
प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण	लोक प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण के साधन तथा उनकी सीमाओं का अध्ययन छात्र/छात्राओं को कराना।

बी.ए. भाग–1 प्रथम प्रश्न पत्र

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाई–1 समाजशास्त्र की प्रकृति एवं समाज की भौतिक अवधारणाएं	**a** समाजशास्त्र का अर्थ, परिभाषा एवं परिप्रेक्ष्य **b** समाजशास्त्र की वैज्ञानिकता एवं अन्य विज्ञानों से संबंध **c** समाज, समुदाय, समिति एवं संस्था **d** सामाजिक संरचना–प्रस्थिति एवं भुमिका **e** परिवार के प्रकार एवं महत्व **f** नातेदारी के नियामक व्यवहार **g** धर्म के उत्पत्ति के सिद्धान्त **h** शिक्षा, राजनीति एवं सरकार
इकाई–2 व्यक्ति एवं समाज	**a** व्यक्ति और समाज में अन्तः संबंध **b** संस्कृति एवं संस्कृतिकरण **c** समाजीकरण एवं समाजीकरण के साधन **d** सामाजिक नियंत्रण के प्रकार **e** सामाजिक प्रतिमान, मूल्य एवं अनुशास्ति
इकाई–3 सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता	**a** सामाजिक स्तरीकरण– दास–प्रथा, जाति–प्रथा **b** सामाजिक स्तरीकरण में महत्व एवं दोष **c** सामाजिक गतिशीलता–अर्थ, परिभाषा एवं स्त्रोत **d** सामाजिक गतिशीलता के महत्व एवं प्रकार
इकाई–4 सामाजिक परिवर्तन	**a** सामाजिक परिवर्तन अवधारणा एवं अर्थ **b** उद्विकास एवं क्रान्ति

	c प्रगति एवं विकास **d** सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारक
इकाई–5 सामाजिक व्यवस्था एवं प्रक्रियाएं:	**a** अर्थ, तत्व तथा प्रकार **b** सामाजिक व्यवस्था

द्वितीय प्रश्न–पत्र

lkekftd fopkjksa dk vk/kkj

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	**a** कॉम्ट, माक्स्र, दुर्खीम, मैक्सवेबर, हरबर्ट स्पेन्सर, वेलफ्रेडो पैरेटो का योगदान **b** प्रत्यक्षवाद एवं इसकी विशेषताएं **c** उद्विकास–अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं **d** उद्विकास के विभिन्न क्षेत्र
इकाइ&2 इमाइल दुर्खीम	**a** दुर्खीम–जीवन परिचय एवं रचनाएं **b** सामाजिक एकता–यांत्रिक एवं सावयवी **c** आत्महत्या के सिद्धांत एवं कारक **d** मैक्स वेबर–सत्ता की अवधारणा **e** प्रोटेस्टेन्ट आचार एवं पुंजीवाद का विकास
इकाइ&3 कार्ल–मार्क्स	**a** इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या **b** इतिहास के कालों का विभाजन **c** विभिन्न समाजों में वर्ग **d** वर्ग एवं वर्ग–संघर्ष
इकाइ&4	**a** पद्धतिशास्त्र

वेलफ्रेडो पैरेटो	**b** अभिजात वर्ग–परिभ्रमण एवं विशेषताएं **c** सामाजिक क्रिया की अवधारणा **d** तार्किक एवं अतार्किक क्रिया

बी.ए. भाग–2 प्रथम–प्रश्न पत्र

Hkkjr e lekt

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 भारतीय समाज	**a** शास्त्रीय दृष्टिकोण– वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था **b** कर्म के सिद्धान्त एवं धर्म के महत्व **c** क्षेत्रीय कार्य–एम.एन. श्रीनिवास, एस. सी. दुर्ग **d** शास्त्रीय एवं क्षेत्रीय दृष्टिकोण में अंतः संबंध
इकाइ&2 भारतीय समाज की संरचना एवं बनावट	**a** गांव, कस्बा एवं नगर **b** ग्रामीण नगरीय अंतःसंबंध **c** जनजाति एवं दलित **d** महिलाएं एवं अल्पसंख्यक
इकाइ&3 भारतीय समाज की मौलिक संस्थाएं	**a** जाति व्यवस्था **b** नातेदारी एवं उसके नियम **c** परिवार एवं संयुक्त परिवार वर्ग एवं वर्ग में परिवर्तन
इकाइ&4 पारिवारिक समस्याएं	**a** दहेज एवं घरेलू हिंसा **b** विवाह विच्छेद, अन्तरपीढ़ी एवं अंतःपीढ़ी संघर्ष **c** वृद्धजनों की समस्याएं

इकाइ&5 सामाजिक समस्याएं	**a** जातिवाद एवं क्षेत्रवाद **b** सम्प्रदायवाद एवं भ्रष्टाचार **c** युवकों की समस्याएं

द्वितीय प्रश्न–पत्र

vijk/k ,oa lekt

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 अपराधिता	**a** अपराध की अवधारणा **b** अपराध की व्याख्या–शास्त्रीय, प्रत्यक्षवादी एवं मनोवैज्ञानिक **c** अपराध की समाजशास्त्रीय व्याख्या
इकाइ&2 सामाजिक संरचना एवं अपराध	**a** आत्महत्या एवं नियमहीनता **b** संगठित अपराध एवं श्वेतवसन अपराध **c** आतंकवाद–कारण, परिणाम एवं सुझाव
इकाइ&3 भारतीय समाज की समस्याएं	**a** सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति एवं अपराध **b** सामाजिक विघटन एवं मद्यपान **c** मादक द्रव्य व्यसन एवं भिक्षावृत्ति
इकाइ&4 दण्ड के स्वरूप	**a** दण्ड के प्रमुख सिद्धान्त एवं उद्देश्य **b** सुधारात्मक संस्थाएं–परीवीक्षा एवं पैरोल **c** खुली जेल
इकाइ&5 सुधारात्मक प्रकिया	**a** पुलिस एवं न्यायपालिका की भुमिका **b** बन्दीगृह एवं जेल का समाजशास्त्र **c** भारत में जेल सुधारों का इतिहास

बी.ए. भाग–3 प्रथम प्रश्न–पत्र

जनजातिय समाज का समाजशास्त्र

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 जनजाति की अवधारणा	**a** जनजाति–धर्म, परिभाषा एवं विशेषताएं **b** जाति–अर्थ एवं परिभाषा **c** जाति एवं जनजाति में अन्तर
इकाइ&2 जनजातियों का वर्गीकरण	**a** भौगोलिक–उत्तर–पूर्वी, मध्यवर्ती एवं दक्षिणी **b** भाषायी–द्राविड़, आस्टिक, चीनी–तिब्बती **c** आर्थिक–संकलनशील एवं शिकारी, पशुपालक, कृषक एवं उद्योगो में लगी हुई **d** छत्तीसगढ़ जनजाति परिदृश्य–गोंड़, कंवर, बैगा
इकाइ&3 सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	**a** नातेदारी व्यवस्था–वंश निर्धारण **b** विवाह एवं परिवार **c** धार्मिक विश्वास एवं अनुष्ठान
इकाइ&4 जनजातियों में बदलाव की व्यवस्था	**a** सामाजिक गतिशीलत एवं परिवर्तन **b** विभिन्न विकास योजनाएं **c** विभिन्न जनजाति आंदोलन
इकाइ&5 जनजातिय समस्याएं	**a** निर्धनता, अशिक्षा, ऋणग्रस्तता **b** कृषक मृद्दे एवं शोषण **c** छत्तीसगढ़ की प्रमुख जनजातियां–गोड़, उरांवत्र कंवर

द्वितीय प्रश्न–पत्र

lkekftd vuqla/kku dh i)fr;k

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 सामाजिक अनुसंधान	**a** अनुसंधान का अर्थ एवं महत्व **b** सामाजिक अनुसंधान मे उपकल्पना **c** वैज्ञानिक पद्धति एवं इसके महत्व
इकाइ&2 अनुसंधान की विधियां	**a** प्रत्यक्षवाद एवं नृजाति वर्णन **b** अवलोकन एवं वैयक्तिक अध्ययन पद्धति **c** अन्तर्वस्तू विश्लेषण
इकाइ&3 अनूसंधान के प्रकार	**a** ऐतिहासिक अनुसंधान एवं वर्णनात्मक अनुसंधान **b** तुलनात्मक, व्याख्यात्मक एवं प्रयोगात्मक अनुसंधान
इकाइ&4 तथ्य संकलन की विधियां	**a** निदर्शन विधि, सर्वेक्षण विधि **b** प्रश्नावली एवं साक्षात्कार **c** साक्षात्कार अनुसूची एवं साक्षात्कार निर्देशिका
इकाइ&5 सामाजिक शोध में सांख्यिकी	**a** सांख्यिकी–अर्थ, महत्व एवं सीमाएं **b** बिन्दुरंखीय प्रदर्शन (ग्राफ) एवं चित्रमय प्रदर्शन **c** केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप–माध्य, माध्यिका एवं बहुलक **d** विचरण एवं सहसंबंध

B.Sc. 1 BOTANY- PAPER-1

GENERAL DIVERSITY OF MICROBES & CEYPTOGAMS

UNIT-1 VIRUSES & BACTERIA	• Understanding structures of viruses.mycoplasma and bacteria. • Identifying the various stages of life cycle of bacteria (diagram, nutriti;on and reproduction) • listing out & elicidation of industria; uses of bacteria. • Explaing a general account of cyanobacteria.
UNIT-2 ALGAE	• Understanding general charactristics of Algae and their classification with economic importance. • Listing out important features and elucidate life cycle of (1) chlorophyceae- volvox, oedogonim coleochaete (2) Xanthophyceae-vaucheria.

	(3) phaeophyceae- Ectocarpus, Sargassum (4) Rhodophyceae- Polysiphonia.
UNIT-3 FUNGI	• Explaining genera; characteristrics, economic importance and life cycle of various fungii. • Listing out important features, cycle & importance of (1) Mastigomycotina- pythium, phytopthora (2) Zygomycofina- Mucor. (3) Ascomycotina- Saccharomyces, Burotium chaetomium, Peziza (4) Basicliomycotina- Puccinia, Agaricus (5) Deuteromycotina- Cercospora, Colletotrichum • Elucidating a general accont of Lichens.
UNIT-4 BRYOPHYTA	• Bryophyta- Comparision as amphibians, clarification of the alteration. • Structure, reproduction and classikfication of Hepaticopsida (various types)

	• Structure & classification of Anthocerotop sida & Bryopsida
UNIT-5 PTERIDOPHYTA	• Understanding vascular plants • Listing important characteristics of Psilopsida, Lycopsida, Sphenopsida & Pteropsida. • Understanding structure, reproduction & importance of Rhynia, Lycopodium, Selaginella, Equisetum, Pteris and Marsilea.

B.Sc.-1 PAPER- 2nd

CELL BIOLOGY & GENETICS.

UNIT-I THE CELL ENVELOPE	• Understanding cell structure (with respect to plant v/s animal). • Understanding plasma mamberane structure & functions (bilayer lipid structure) • Understanding ultra structure and function of nucleus. • listing out various organelles: Golgi bodies, ER, prroxisomes, vacules.

UNIT-2 CHROMOSOME	• Understanding organisation of chromosome- morphology, centromere & telomere. • Understanding alternations in chromosome- deletions, duplications, translations, inversion etc. • Variations in chromosome- number aneuploidy poliploidy, • determination of sex through chromosome. • Understanding cell division- mitosis & miosis
UNIT-3 DNA	• DNA as building block of life. • Structure, replication of DNA • Various model of DNA structure and their comparision. • Deformation and Dna. • Mitochondia & plastid DNA & plasmid.
	• Understanding structure of gene. • Explaning information transformation of living cell through gene. (genetic inf,)

UNIT-4 GENE	• Various operations on gene seq.- transcription, translation, protein synthesis. • Understanding, tRna- ribosomes. • Explaining prokaryotes, eukaryotes. • Explaining protinens and dimensional structures.

B.Sc-II Botany Paper- First

Diversity of seedplant & Their systematics- Paper Name -I

Unit-I Seed habit & Gymnosperm:-	❖ Explain of General charactor of Gymnosperm. & classification of Gymnosperm. ❖ Identyfying of various types ovuls & origin of development of ovary. ❖ Identity of fossils gymnospermic plants. ❖ Study of various scientist given classification if gymnosperm.
Unit-II Morphology of	❖ To identyfying vegetative & reproductive parts of Gymnospermic plants.

Unit-II Morphology of Gymnospermic plant	❖ Understanding of reproduction in cycle, pinus & Ephedra. ❖ Identy of fossls gymnospermic plants.
Unit-III origin & development of Angiosperm & Angiospermae taxonomy	❖ Study of keys taxonomic literoture, Botenical Namencluture, taxonomic ranks. ❖ Study of orgin & devolution of Angiosperm & some example of primitive angiosperm. ❖ Importance of taxonomy in nomenclature & identitication. ❖ Understanding of Botanical nomenclature- principle and rules, taxonomic rank, principle of priorify. ❖ Known some important Botanical garden, herbarium.
Unit-IV Classification of	❖ Study of system of classification of Angiosperm- Artificial, Natural system & phylogenetic system. ❖ Study of the systems proposed by Bentham and hooker and Engler & prantl. and their demerits & merits. ❖ Known some modern trends of taxonomy for example:-

Unit-IV Classification of Angiosperm & Modern taxonomy	1. Cytology 2. Numerical taxonomy 3. Embryology 4. Phytochemistry 5. Numerical taxonomy 6. Palynology 7. Genetics 8. Ecology 9. Phytogeography 10. Physiology
Unit-V Diversity of Dicot & Monocot plant	❖ Identification of flowering plant part. ❖ Study of Technical term related to plant habit, plant root, stem, leaf, flower, Androecium, Gynoecium, seed, fruits. ❖ Flowering plant description kown to their family- Malvaceae, Rutaceae, Fabaceae, Apocynaceae, Asclepidaceae, Solanaceae, Liliaceae & Poaceae. ❖ Identification & classification of flowering plant. ❖ Study of all dicot & monocot plant familyes special & General character.

B.Sc.2- Paper Second

Structure, development & Reproduction in Flowering

Unit-I The basic body plant & Diversity of flowering plants	❖ Explaining of a basic plan of flowering plant. ❖ plant growth is three types:- (I) Concentric growth (II) continous growth (III) moduler growth ❖ Identifying diversity in plant form in annuals, bienniales and perennials. ❖ Evolution of tree habit in gymnosperms. ❖ Details describe of monocotyledons & dicotyledons, trees-largest and longest lived organisms.
Unit-II The shoot system	❖ Understanding the shoot opical meristem & its histological organization vascularization of primary shoot in monocotyledens & dicotyledons. ❖ Various type of branching pattern. ❖ Formation of secondary xylem & wood structure in relation to conduction of water & minerals. ❖ Details of wood-sap wood & heart wood, role of woody skeleton.

	❖ The shoot system formation of leaf by leaf primordia.
Unit-III The shoot system and leaf	❖ Explaination of Root system- Root structure, Types of root, Tap root system & Adventitous root. ❖ Function of Root. ❖ Structure of leaf, phyllode & petiole. ❖ Origin & development of leaf. ❖ Procedure of leaf senessence and leaf abscission. ❖ Importance of leaf. ❖ Secondary tissue differentiation in root.
Unit-IV Flower	❖ Flower- flower structure, Thallamus, Calyx, Corrola, Perianth, Aestivation, Androecium, gynoecium, placentation. ❖ Study of Anther & male gametophyte. ❖ Study of ovule & female gametophyte. ❖ Pollination and self incompatibility. ❖ Fertilization & post fertilization changes. ❖ fertiliZation of formation of fruits & seeds.

Unit-V Vegetative reproduction & significance of seed.	❖ Understanding of suspended animation, ecological adaptation, unit of genetic recombination and replenishment, dispersal strategies. ❖ Various type of vegetative reproduction:- Vegetative propagation, grafting. ❖ Study of various plant part propagation. ❖ Methods study of seed dispersal- by Air, by Water, by Animal. ❖ Importance of Seed.

B.Sc.-3 BOTANY-1
PLANT PHYSIOLOGY, BIOCHEMISTRY & BIOTECHNOLOGY

UNIT- 1 PLANT-WATER RELATIONSHIP	• Explaining plant and water relationship and importance of water to plant life. • Understanding physical properties of water. • explaining aiffusion & osmosis of water. • Understanding absorption & transpiration, transportation of water.

	• Understanding physiology of stomata. • Identifying micro & macro nutrition in plants, various minaral uptakes & effect of aeficiency in plants.
UNIT-2 PLANT PHYSIOLOGY-II	• Understanding transportation of organic substances in plants-(phioem) source & sink and factors affecting sub. transport. • Understanding plant enzymes- structures uses, discovery andnomenclature. • Various characteristics of plant enzymes their classification (contrast to human enzymes). • Understanding mechanisms of photosynthesis various characteristic's factors effecting photosynthesis. • various theories of photosynthesis and their tenets. (z-scheme, photophosphorylation, calvin cycle, cu pathway, CAM plants, photo-respiration).
	• Understanding ATP and its role as energy provider in living organisms.

UNIT-3 RESPIRATION &METABOLISM	Various type of respiration- Kerb's cycle. • Various types of respiration- Kerb's cycle. • Understanding chemi- osmotic theory of electron transport,various reaction in plants and their importance in plant life. • Understanding nitrogen fixation and its importance. • Understanding structure and functions of lipids. • Mechanism of biosynthesis of fatty acids & Beta-oxidation. • Storage & mobilization process of fatty acids (contrast vetween saturated & ansaturated fatty acid).
	• Understanding 'growth' and 'deve;opment' and difference between both concept. • listing various phases of growth & development, deviation & kinetics of growth.

UNIT-4 GROWTH & DEVELOPMENT	• life cycle of plant from seed to tree. (dormancy, germination, movements etc(• Understanding concept of flowering. • Biological clocks, regulation & characteristic. • structure and type of fruits, ripening of fruits. • Listing various plant hormones- discovery, importance, biosynthesis machanism of action. • Importance of light (sunlight) to plant- Various light receptrs in plant, various characteristics.
UNIT-5 GENETIC ENGG. & BIOTECH.	• Plant DNA and it's identification. • Cloning and seq. the DNA, gene mapping and allide techiques. • Defining Biotechnology & its functions. • Understanding various aspects of bio-technology-plant tissue culture. • Understanding process of totipotency, differentiation & morphogenesis.

	• Agrobacterium, vectors for gene delivery & marker genes. • Biotech in crop, cultivation & increasing productivity.

B.Sc.-3 BOTANY-2ND
ECOLOGY & UTILIZATION OF PLANTS.

UNIT-1 PLANT & ENVIRONMENT	• Understanding gwaeous composotion of atmosphere. • Understanding water cycle. • Understanding importance of light through globlal radiation & photosynthedis. • Understanding tempreture change and its relation to plant life. • Identifying types of soil- properties, characteristics & profiles. • Understanding biota. • Various types of plants w.r. to reaction to water (hydrophytes & xerophytes). • Radiation & its effect on plant life. • Salinity and its effect on plant life.

UNIT-2 COMMUNITY ECOLOGY.	• Identifying Key characteristics of a community. • Various identifiers of comminity, frequency, density, cover, life form, biological spectrum. • Understanding ecosystem- its components • Understanding and defining food chain and food web. Formation of ecological pyramids & energy flow. • Understanding biochemical cycle of corbon (c), nitrogen(n) and phosphorus(p).
UNIT-3 POPULATION ECOLOGY	• Understanding growth curves & their uses (various types of curves). • Ecotypes & Ecads- characteristics & types. • Identifying Biogeographical regions of India- plant life & related categories. • Forests and grasslands of India- types and vegetation.
	• Identifying food plants- Various types of rice, wheat, maize, potato and sugarcane (types, uses, cultivation, cycle)

UNIT-4 UTILIZATION OF PLANTS	• Identifying and illustrating uses of fibers- cotton & jute. • Studying various vegitable oils-Groundnut mustard and coconut (process/uses) • Listing & identifying various sources of timder and firewood, uses of bamboo.
UNIT-5 UTILIZATION OF PLANTS-II	• Listing general types of spices. • various medicinal plants- identification & use. • Studying cultivation of tea and coffee. • Understanding uses/process of cultivation of rubber.

B.Sc-I Year ZOOLOGY

Paper-I

Cell biology and invertebrates.

Unit-I The cell (prokaryotic and Eukaryotic)	❖ Prokaryotic cell is the primitive ❖ Cell organs- plasma membrane Endoplasmic Golgibodies are abdent. ❖ Eukaryotic cells are well developed. ❖ plasma membrane mitochondria chromosome E.R. Golgibodies Ribosomal are present. ❖ The cell is structural and function unit of organism.
Unit-II Cell division	❖ In eukaryotic two type of cell division partion, The genetic material into progeny or daughter cells. ❖ In one process called mitosis- a parents cell divided into daughter cells and each receiver and excet copy of the chromosomes in the parant cells. ❖ The genetic material must presicly have so that fertilization will restore the diploid complement. This cellular process is termed meiosis. ❖ during mitosis cell division- Karyokinesis cytokiness.

Unit-III Genral character and classification of invertebrates upto order with Examples.	❖ Animal are categorized as either vertebrate and invertebrates. ❖ Invertebrates have no spine ❖ Invertebrates are Extremely diverse and represent over 95% of all animal on earth spiders snails. beetels, octopuse, worms and sea sponges are some of the many type of invertebrates ❖ The invertebrates unit Explores 9 group of invertebrates- 1. protozoa 2.ponifera 3. coelenterata 4.Helminthes 5.Anneliaa 6.Arthropoda 7.mollusca 8. Echinodermata 9. Hemichordata .
Unit-IV Helminthes, Annelida, Arthropoda	❖ Helminthes:- Soil transmitted helminthes are common human parasitic disease in most of developing world particulary in kemya. ❖ Annelida:- Phylum Annelida contains a varielity of worms and their relatives. They are found every where form marine and freshwater habitats to damp soil. ❖ Arthoproda:- Arthopoda are the most abundant animal on the planet They fly, jump, swim and craw, over just about every inch of the world.

Unit-V Mollusca Echinodermata Hemichordata	❖ Mollusca:- soft bodies in one of the largest phylum in the animal kingaom. The word mollusc derives form the Latin word- “molis” which mean soft ❖ Echinodermata:- Echinodermata are characterizes by radial symmetry, sevral arons (sor more mostly groupped 2 left-1 middle-2 right). ❖ Hemichordata:- Hemichordates are distinguished by a tripartite division of the body at the forward end of the body is a portal lobe behind this is a collar and last comes a trunk.

Paper=II

Vertebrates and Embryology

Unit-I chordata	❖ Allanimal which have a bachbone are member of phylum chordata. ❖ To be a chordates you must have all three of these characteristics:- 1) Must have a notochord- flexible rod like structure made of cartilage. 2) Must have a dorsal, hallow nerve cord at soone point in development.

	3) Must have gill slits at soone point in development.
Unit-II Fishes, Amphibia Reptilia.	❖ **Fishes-** fish is aquatic animal, slin present in fish scales various type 01 scales- (1) oscnoine scales, (2) placoid scales (3)ctenoid scales (4) Ganoid scales, migration in fish- Anadroonus catadroonus , parental care infishes ❖ **Amphinia-** → Amphibian animal present in water and terrestrial → Respiration or respiratery organ- skin lungs ❖ **Reptile-** → Reptiles are semicylindrical → Limbs, euelids and ear are absents → Poisonous snakes present in india- viper, cobras, krait coral snakes, sea snakes. → Poisonous ground present .
	❖ **Aves:-** first of all feather feathers are provided insulation water frooting and means to fly and they're Extraordinary light weight.

Unit-III Aves- * flight adaptation in birds ,*Discuss- Birds are glorified , *Mammals- comprative account at prototheria, metatheria & Eutheria and affinities	❖ **Mammals:-** The mammals are aefined are hairy auardrupeds Their name refer to the milk secreting mammary gloud in the female for sucking the young for sometime after birth. ❖ **Protheria:-** (1) Ear with pinna (2) No nipple ❖ **Metatheria:-** (1) Ear with pinna (2) Nipple abdominal (3) No corpous callosum ❖ **Eutheria:-** (1) Ear usually with pinna (2) Nipples abdominal or thoralis (3) carpous callosum present
Unit-IV Gametogenesis	❖ Gametogensis is a biological process by which diploid or haploid precursor cells undegro cell division and differentiation to form mature haploid gamites. ❖ male and female of a species that reproduce sexually have different forms of gametogenesis 1. spermatogenesis 2. oogenesis
Unit-V Devlopment of chich unto	❖ The development of chick begins in the single cell formed by the union of two parential cells.

Unit-V Devlopment of chich upto formation of three germ layer, Extra embryonic membranes placent in mammals.	❖ egg and sperms in the process know as fertilization in birds. ❖ firtilization accus about 24 hours before the egg in laid. ❖ The newly formed single cell being to divide into 2 them 4,8,16,32,and so.on.

B.Sc.-II Year

Zoology paper-I

Anatomy & Physiology

Unit-I Integument and its derivatives structuew of scales hair and feathers	❖ Comprative anatomy is to make a comprative study of the anatomy of an organ in different group of vertebrata and try to derive the enoluntary significance formit. ❖ Gemetic and environment force are responsible for the development of an organ. ❖ Its sarvival or elimination determine to operates.

Unit-II Endaskeletal, circulatory uriogenital system	❖ Two major skeletal system- The endoskeletal and Exoskletal are recognized in vertebrate evolution here we propose that these two system are distingaished primarily by the relative position. ❖ Urogenital system also called genitourinary system in vertebrates. ❖ The organ cencerned with reproduction and urinary Ex. oretion.
Unit-III Nervous system Endocrine glands	❖ Neuran is basic unit of nerve cells it is structural and function unit of nerve cell ❖ type of nerve cells- (1) central nervous system (2) peripheral nervous system (3) Autonomic nervous system ❖ control of body activity by Endocrine gland ❖ Type of Endocrine gland-1. Exocrine gland 2. Endocrine gland 3. Mixed
	❖ In vertebrates Qud invertebrates morphological and function feature of gastrointestinal traut generally.

Unit-IV Digestion, Physiology of Heart, Blood coagulation	❖ Digestion is a chemical process ❖ Digestion in organs (1)Buccul digestion (2)Gastric digestion (3)Intestine digestion (4)Regulation of digestion (5)Absorption (6)Detacation (7)Assicrilation
Unit-V Excretion, Muscle constriction Nerve	❖ **Excretion-** Harmful products out of the body it is Exretes products ❖ **Muscles-** Present in two type protein- Actine myosine ❖ **Nerve-**Nerve cell is largest cells in the body Regulation cordinat and intergration of our body

Paper-II

Vertebrates endocrinology Reproductive biology Behavious evolution and applied Zoolagy

Unit-I General character of Hormones	❖ Hormone- set in motion. Gr. Hormones - to excite ❖ first use hormones word- Bayliss and starling ❖ chemical nature of hormones, steroid Amioes proteins
	❖ The reproduction system of sexually reproduction animal consists of: 1. Primary sex organs (called genacls)

Unit-II Reproductive cycle in vertebrate	2. Secondary sex organs which participate in reproduction but not from gamets 3. Acessory sex organs cause differences is the appearance of two sexes
Unit-III Evolution	❖ Abiogensis is a genration of life form non-living matter ❖ Abiogenesis is now more precisely know as sportaneous genration ❖ This theary states that complex living organism are generated form decaying organic substances
Unit-IV Ethology	❖ Behavioural ecology is the study of relationships between organisms behaviour and the enviroment in which that behaviour has evolved ous is exprssed.
Unit-V Applied Zoolagy	❖ Aquacalture- Fish calture ❖ Sericulture- Silkworm ❖ Apicalture- Honeybee

B.Sc,-III year

Zoology paper-I

Ecology environment, toxicology microbiology and medical microbiology

	❖ Ecology is the study of the relationships between living organism.

Unit-I Ecology	❖ Ecology is a sarvey of the theoritical development of a community and ecosystem ecology as a science. ❖ Evalute how specific research studies contribute to large ecology thery ❖ Intergrate depended observation with existing ecological theory ❖ Develop and evalute a testable ecological hypothesis form field observation.
Unit-II Enviroment biology	❖ Enviroment science is an interdisciplinary field the integrates biological. ❖ Chemical and physical science to study human interactions with their Enviroment ❖ The enviroment biology prorams provide a broad background in biology that is essential to understand the impect of human on other organism and their environment ❖ Consequences of interaction between human and the environment
	❖ Dose response relationships (how much is too much) ❖ toxic mechanisms of action (how chemical cause toxicity) ❖ Diagnosis and treatment of poisoning

Unit-III Toxicology	❖ type if environment pollutants and their presence and envronment through air, soi and water ❖ Risk assement and regulation of prescription drugs pesticides pollutants and other chemical.
Unit-IV Microbiology	❖ Scintist study and explore a particuler group of microbiology in order to understand them batter ❖ microorganism also include pathogens ❖ Which are organism that cause diseases in plants and animals ❖ microbiology also include subdisciplones such as mycology , bacteriology and virology ❖ They help turning over soil and aquatic habitats
Unit-V Medical microbiology	❖ They may live with a host to the benefit to both organism ❖ microorganism also include pathogems ❖ They help turning over soil and aquatic habitats ❖ microbiology is not only relevent in medicine

	❖ microoranism are also used in a wide rauge of industries such as- food, beverages genetics

Paper-II

Genetics cell physiology biochemistry and ciotechniques

Unit-I Genetics	❖ Gene, DNA, chromosome and related terms and concept have become familiar due to their occurence in populas media ❖ Include inheritance and behavioural patern ❖ Greor jhon mendal know as father of genetics ❖ Genetics divided into three area- classical gemetics molecular genetics and evolutionary genetics ❖ All living organism reproduce reproduction result in the formation of offspring of the same kinds
Unit-II Cell physiology	❖ The basic structural and functional unit of cellular organism in the cells ❖ in 1839 schleidem a german botanist and schwann a britisn zoologist led to development of the cell theoty ❖ Plasma membrane is a dynamic fiuld structure and form External boundry of cell

	❖ Transport across- plasma membrance - (1) passive trank part (2) active transport
Unit-III Bichemistry	❖ A biomolecule in a carbon based organic compound that is produce by a living organism ❖ More them 25 naturally occuring chenical element are found in biomolecules but these biomolecules consist primary of carbon hydrogan, nitrogan, oxygan, phosphorus and sulfer ❖ biomolecules include both small as well as large molecule ❖ Nucleic acid and protein are information macromolecules
Unit-IV Bitechnology	❖ DNA technology is the set of techniques that enable DNA form different source to be identified ❖ the invention of recombinant DNA technology ❖ The way inwhich genetics material form ❖ One important aspact in recombiant DNA technology is DNA cloning ❖ DNA & RNA purification
	❖ The calibaration of ph meters including the ph glass, electrods, ISE electrods butter and genral background for calibaration

Unit-V Biotechnique	❖ Understanding of basic concept of ph poh and electrod machanism ps emphasized ❖ Centrifugation is a twchnique which involves the application of centrifugal force seprate particale form a solution

COURSE OUTCOMES (UNITWISE)

Class-B.Sc. I, Subject-Chemistry

Paper/Paper Name-Paper I (Inorganic chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (Atom & Matter) **Part I – Atomic structure** **Part II – Periodic properties**	**CO-I** Understand the wave particle duality of matter **CO-II** Understand the concept of uncertainity and Heisenberg principle & its consequence **CO-III** Wave function , basic concept of schrodinger wave equation **CO-IV** Describing atomic shapes of orbitals s, p, d **CO-V** Gain understanding & use of various principles governing atomic structure viz 1) Aufbau 2) Hund 3) Pauli **CO-VI** Learn about electronic configuration & nuclear charges **CO-VII** Ionization energy e^- gain enthalpy and electronegativity of elements **CO-VIII** Understanding physical & chemical properties and its explanation
	CO-I Types of chemical bond covalent & ionic. Valence bond theory & its salient features **CO-II** Understanding hybridization & explaining the formation of simple inorganic molecules

UNIT-II (Chemical Bonding-I)	**CO-III** Understanding VSEPR theory & using it to describe shape/structure of various molecules **CO-IV** Understanding MO theory and differetiate between homo/hetro nuclear bonds **CO-V** Understanding bond energy, ionic character dipole moment & electronegativity of covalent bond. Solving cubic & biquadratic equation by Cardon's & Ferrari's method respectively.
UNIT-III (Chemical bonding-III)	**CO-I** Understanding ionic bond and process of formation of ionic solids **CO-II** Radius ratio, Rule, coordination number and their limitations **CO-III** Formation of lattices, Bonn-Haber cycle & lattice energy calculation **CO-IV** Understanding solvation of ionic solids & solvation energy **CO-V** Polarisibility of ions & polarising power, describing various properties of ionic solids on the basis of polarising power (Fajan's rule) **CO-VI** Valence bond & valence bond formation with sketching of energy levels **CO-VII** Mettalic bond formation & various theories **CO-VIII**

	Understanding physical & chemical properties and its explanation
UNIT-IV (Block elements) **Part A – S Block elements** **Part B – Chemistry of noble gases**	**CO-I** Comparative study of properties of s-block elements in the periodic table **CO-II** Properties of hydries & their importance **CO-III** Introductive study of alkyl and aryls **CO-IV** Study of derivatives of alkali & alkaline earth metals **CO-V** Introduction to inert (Noble) gases. Study of their common physical and chemical properties **CO-VI** Study of chemical properties of xenon, bond formation & compounds
UNIT-V (P-Block elements) **Part A – P-Block elements** **Part B – Inorganic chemical analysis**	**CO-I** Studying properties of halide hydrides **CO-II** Study of chemistry of Boron **CO-III** Oxides of Boron, Aluminium, Nitrogen and Phosphorus **CO-IV** Study of fullerenes and silicates, interhalogen compounds **CO-V** Detection of acids & basic radicals and its chemistry **CO-VI** Interfering radicals (Phosphate, Borate)
	CO-I

Practical	**Identification of various cations & anions, classification and related chemical theory**

Class-B.Sc. I, Subject-Chemistry
Paper/Paper Name-Paper II (Organic chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (Basic of organic chemistry) **Part I – Electronic structure & bonding** **Part II – Mechanics of organic reactions**	**CO-I** Phenomenon of resonance, hyperconjugation, field effects, hydrogen bonding & aromaticity **CO-II** Understanding bond breaking (homlytic & hetrolytic) **CO-III** Study of reagents **CO-IV** Study of reactivity of reaction intermediaries. Carbanions, carbcations, carbenes, nitrenes
UNIT-II (Stereochemistry of organic compoung)	**CO-I** Study of optical isomerism **CO-II** Classfication of organic compounds on the basis of optical isomerism **CO-III** Rules of configuration & nomenclature **CO-IV** Study of geometrical isomerism – various forms, properties & nomenclature
	A

UNIT-III (Aliphatic & Aromatic ring compounds)	CO-I Classfication & nomenclature of ring compounds CO-II Study of formation of rings, stating reasons & effect of structure of chemical & physical properties CO-III Baeyer's strain theory – explanation & its limitation – explaining cyclopropan & cyclobutane CO-IV Study of ring structure without strain & banana bonds B CO-V Aromatic ring structure classification CO-VI Study of benzene & naphthalene structure CO-VII Various theories of aromatic ring structures CO-VIII Chemical & physical properties of aromatic compounds CO-IX Study of substitution in napthalene
UNIT-IV (Alkenes, Dienes & Alkynes)	**CO-I** Study of dehydration of alcohols & process **CO-II** Chemical properties of alkenes, focusing on mechanism of oxidation, mercuration **CO-III** Study of various chemical reactions
	CO-I Study the stereochemistry of substitution reactions of halides of alkene & alkyns

UNIT-V (Arenes & Aromaticity)	**CO-II** Enegy profile diagrams & SN_i, SN_2, SN_i mechanism study **CO-III** Study of elimination reactions & substitution reactions
Practical	**CO-I** **Calibration of thermometer using boiling point of various liquids** **CO-II** **Determination of melting point of various solids**

Class-B.Sc. I, Subject-Chemistry
Paper/Paper Name-Paper III (Physical chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (Mathematical concepts &	**CO-I** Study of importance of mathematics in chemistry **CO-II** Study of logarithm & its properties **CO-III** Study of function & sketching of graph **CO-IV** Study of various forms/eqn of straight line & their properties **CO-V** Study of differentiation & its application in max & min of a function **CO-VI** **Study of Integration of fuction**

UNIT-I (Mathematical concepts & computers)	**CO-VII** **Study of partial differentiation** **CO-VIII** **Study of counting, permutation & combination** **CO-IX** **Study of simple probability** **CO-X** **Study & understand various parts of a computer** **CO-XI** **Listing and identity hardware parts & study softwares** **CO-XII** **Binary numbers conversion & vice-versa** **CO-XIII** **Computer prog & operating system**
UNIT-II (Molecular kinematics)	**CO-I** Velocity of molecule representation & calculation (RMS, probable, effetive) **CO-II** Maxwell's law – representation & explanation **CO-III** Study of effect of temperatue, pressure etc **CO-IV** Study of joule-thompson effect & use in liquification of gases **CO-V** **Study of abnormal gases (deviation from ideal) & its reasons** **CO-VI** **Identity properties of real gases & vander-wall eqn**
	CO-I

UNIT-III (Liquid state)	Describing inter molecular force & explaining structure of liquids CO-II Properties of liquid – viscosity & surface tension, explanation through intermolecular forces & their measurement CO-III Study & classification of solution. Methods of representing concentration & calculation CO-IV Various characterstics of dilute solution, describing various biological processess through properties of solution CO-V Phase chemistry of solution – changes in physical characterstics of solution by solvent CO-VI Study of increasing/decreasing solvability & Vant-Hoff factor
UNIT-IV (Chemistry of phase) **a. Liquid crystals** **b. Collides** **c. Solid state**	**CO-I** Learn difference between solid and liquid crystals **CO-II** Understand classification, structure, physical and applications of liquid crystal **CO-III** Classfication of collides and their physical properties **CO-IV** Stability of collides & coaguation **CO-V** Laws – Handy-Schulze law, Golden numbers **CO-VI** **Study of lattices and their formation**

	CO-VII **Study of methods to determine crystal & lattice structures** **CO-VIII** **Calculation of mill's indices** **CO-IX** **Elementary ideas of unit cell identification methods like spectrometer & diffraction**
UNIT-V (Chemical kinetics)	**CO-I** Exposition on rate of reaction, defining, identifying influencers, rate, order and molecularіy **CO-II** Classfication of orders of reaction (0, I, II) & determine methods **CO-III** Classification of complex reactions **CO-IV** **Temperature and rate, arhinius theory** **CO-V** **Various concepts of reactivity and rate of reaction** **B. Catalysts** **CO-I** Identifying catalysts, their types & uses, charactrestics **CO-II** Identify reactions where catalysts play major role **CO-III** Application in various industries

Class-B.Sc.II, Subject-Chemistry
Paper/Paper Name-Paper I (Inorganic chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (The First transition series)	**CO-I** Study abount d-block elements & their characterstic properties **CO-II** Understand the importance of first transition sereis and its place in the periodic table **CO-III** Chemistry of first transition series elements and study of stability of complex compounds **CO-IV** Geometry of complex compounds & coordination number
UNIT-II & III (Transition series)	**CO-I** Understanding general characterstics of II & III transiton sereis **CO-II** Comparison of various series with respect to physical, nuclear, chemical properties
UNIT-III (Oxidation & Reduction)	**CO-I** Understand the redox potential **CO-II** Various rules and phase diagrams **CO-III** Use of redox reaction in extraction of elements
	A. Chemistry of lanthanides

UNIT-IV (Lanthanides & Actinides)	**CO-I** Understand electronic structure, physical properties, occurence and extraction of lanthanides **CO-II** Complex formation in lanthanides & their properties **B. Chemistry of Actinides** **CO-I** Understand the feature (physical/chemical) of actinides **CO-II** Understanding the process of extractin of Np, Pu and Am from uranium **CO-III** Similarities between lanthanides & actinides
UNIT-V (Chemistry of solutions) **Part A – Acid & Bases** **Part B – Non-Aqueous solvents**	**CO-I** Various systems of solvents arhinius, bronsted-lowry, Lux-flood **CO-II** Lewis concepts of acids & bases **CO-III** Understanding physical properties of solvents **CO-IV** Identifying types of solvents and their general characterstics **CO-V** Understanding reactions in non-aqueous solvents (in liquid NH_3 & liquid SO_2)

Class-B.Sc.II, Subject-Chemistry
Paper/Paper Name-Paper II (Organic chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (Alcohons, Phenols, Eposides)	**A. Alcohols** **CO-I** Studying dihydric alcohols in context to their formation, nomenclature, chemical & physical properties **CO-II** Various chemical reactions on glycols, pinacol-pinacolone & oxidization **CO-III** Studying trihydric alcohols-context to formation, nomenclature and chemical reactions B. Phenols **CO-I** Structures of phenol and chemical bonding, physical and chemical propertie, specific attention to acidic nature **CO-II** Comparative acidity of phenols and other organic compounds C. Epoxides D. **CO-I** Understanding synthesis of epoxides **CO-II** Various ring opening reactions of epoxides and properties of chemical forms obtained **CO-III** Various reactions of oxidization and with alkenes and ethers
	A. **CO-I** Studying characterstics of carbonyl group, nomenclature and structure

UNIT-II (Aldehydes & ketones)	**CO-II** Listing synthesis of aldehydes and ketones (from dithianes, nitriles) **CO-III** Understand mechanism of nucleophilic additions to carbonyl groups in benzoin (Perkin and Knoevenagel reactions) **CO-IV** Condensation with ammonia & its derivatives (Wittig & Mannich reactions) B. **CO-I** Studying complex reactions involving ketones and aldehydes (Baeyer-Villiger cannizzare, MPV, Clemmensen, Wolff-Kishner)
UNIT-III (Acids)	**A. Carboxylic acids** **CO-I** Studying structure & bonding in carboxylix acids **CO-II** Physical and chemical properties (Substitution and esterification) (Focus on acidic properties) **CO-III** Methods of formation and chemical reactions **CO-IV** Formation of di-carboxylic acids-methods and effect of heat & dehydration **CO-V** Substitution reaction in carboxylic acids **CO-VI** Derivatives of carboxylic acids and their properties **CO-VII** Esterification & hydrolysis process (mechanisms)
	CO-I

UNIT-IV (Organic compounds of nitrogen)	Understand the process of preparation of nitroalkanes and nitroareans **CO-II** Chemical properties of nitroalkanes and nitroareans (speficic to reduction by acid/bases), understanding the mechanism of each reaction **CO-III** Understanding structure & nomenclature of amines and their physical properties **CO-IV** Process of separation of I, II, III amines **CO-V** Analysis of chemical properties of amines, with specific relation to their basicity **CO-VI** Understanding mechanism of various reactions of amines (formation of amines from alkyle, aryl, aldehyde, ketone etc.)
UNIT-V (Hetrocyclic compounds)	**CO-I** Understanding structures of hetrocyclic compounds such as pyrole, furan, thiphene pyridines **CO-II** Electrophilic substitution reactions and their mechanism **CO-III** Comparison of physical and chemical properties of hetrocyclic compounds **CO-IV** Understanding various transformation reactions and electrophilic substitution **CO-V** Understanding preparation of amino acids and their structures **CO-VI**

	Chemical properties of amino acids **CO-VII** Biochemistry of peptides, structure, synthesis etc.

Class-B.Sc.II, Subject-Chemistry
Paper/Paper Name-Paper III (Physical chemistry)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I (Thermodynamics-I)	**CO-I** Understanding a thermodynamic system, its types, characterstics and properties **CO-II** Understanding internal energy, enthalpy and differentiate between state and path functions **CO-III** Studying first law of thermodynamic and its limitations **CO-IV** Studying Joule-Thompson expansion and inversion temperature for gases **CO-V** Calculations based on liquification of gases (w, q, du & dH) **CO-VI** Understanding standard state & Hess's law **CO-II** Understanding enthalpy and calcuation of enthalpy for various reactions & conditions **CO-III**

	Various reactions of oxidization and with alkenes and ethers
UNIT-II (Thermodynamics II)	**CO-I** Understanding second law of thermodynamics and its basis tenets **CO-II** Various forms of statement of second law and their relationship **CO-III** Carnot's cycle and defining various characterstics of engine **CO-IV** Concept of entropy, calculation of entropy for various physical and chemical process **CO-V** Gibbs-Helmholtz equation and variations and its consequences
UNIT-III (Phase Equilibrium)	**CO-I** Understanding phase-rule, characterstics, conditions & limitations **CO-II** Understanding of single component system by water and sulphur system **CO-III** Two phase/two component systems and its various characterstics (Pb-Ag, Zn-Mg, $Fecl_3 + H_2O$), Uses of phase rule in industry **CO-IV** Exposure to three component system **CO-V** Liquid-Liquid mixture phase graph-plotting and explanation

	CO-VI Various laws governing phase chemistry their application and limitations **CO-VII** Esterification & hydrolysis process (mechanisms)
UNIT-IV (Electrochemistry-I)	**CO-I** Understanding electric conductance in solutions, various law's governing conductance and factor's effecting conductance **CO-II** Studying theory of strong electrolytes, limitations of ostwald dilution law **CO-III** Various equation governing strong eletrolyte behaviour, limitations & uses **CO-IV** Understanding migration of ions in solutions determination by Hittorf and moving boundary method
UNIT-V (Electrochemistry)	**CO-I** Understanding electrochemical & galvenic cell **CO-II** Various types of cells and their properties **CO-III** Characterstics of cell & their calculations **CO-IV** Electrodes-Types, uses and characterstics, comparison study **CO-V** Understanding electrochemical series and learn its uses. **CO-VI** Understanding concentration cells without transport-characterstics and tenets **CO-VII**

	Understanding pH-determination of pH & pKa using electrode/potentiometry and titration **CO-VIII** Chemistry of buffer solution-Causes of stability and uses **CO-IX** Understanding corrosion-types, causes and prevention of corrosion

B.Sc. – I – Subject – Mathematics

Paper – I – Algebra and Trigonometry

Unit – I – Matrix Algebra

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – understand elementary row/column operations (ER/EC) and apply them to find inverse of a matrix.

CO3 – understand the concept of rank of a matrix and able to find rank through application of ER/EC – transforms.

CO4 – understand the concept of echelon form, normal form and to reduce matrices into required form.

CO5 – understand the concept of Eigen equations, Eigen values and Eigen vectors and able to find them.

CO6 – understand the Cayley – Hamilton theorem and its application to find inverse of the matrix.

Unit – II – Theory of Equations

Subtopic – I – System of linear equations – After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Identify and differentiate homogeneous and non-homogeneous system of linear equations and write down their matrix form (A X = O or A X = B)

CO2 – understand the rules of consistency of a system of linear equation based on rank of matrix.

CO3 – identify and solve the given system of linear equation.

Subtopic – II – Equations - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Identify and classify various types of equations

CO2 – Understand the concept of root of an equation and respective properties.

CO3 – understand and apply Descartes's rule of sign and intermediate value property.

CO3 – write down the relations between roots and coefficients of an equation of single variable and use them to solve the given equation.

CO4 – Understand the concept of synthetic division and GCD of polynomials.

CO5 – Understand and apply various transforming methods for equations.

CO6 - solve cubic equation by Cardon's method.

CO7 – solve biquadratic equation by Ferrari's method.

Unit – III – Abstract Algebra – I

Subtopic – I – Relations and Functions - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define the concept of relation mathematically.

CO2 – Identify various types of binary relation including composition of relation and inverse relation

CO3 – Define and identify equivalence relation and equivalence classes.

CO4 – Define modulo relations.

CO5 – Define and identify various types of Functions.

CO6 – Define composition of functions and inverse of functions.

Subtopic – II – Group theory - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define Group and other related algebraic structures.

CO2 – Solve any problem related to properties/types of group.

CO3 – Define Subgroup, Normal subgroup, Quotient group, Co-set decomposition and other related concepts.

CO4 – Define permutations and symmetric groups.

CO5 – Prove and understand important theorems of Group theory.

Unit – IV – Abstract Algebra – II

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Define and understand the concept of homomorphism and isomorphism of groups.

CO2 – Define other algebraic structures viz. Rings, Integral domains, and Fields.

Unit – V – Trigonometry

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Prove De- Moivre's theorem and apply it to various problems.

CO2 – Define various functions of a complex variable like circular functions, hyperbolic functions, logarithmic and exponential functions.

CO3 – Solve any problem related to separation of real and imaginary part of a complex function.

CO4 – to expand series of trigonometric functions in multiples of angles or powers.

B.Sc. – I – Subject – Mathematics

Paper – II – Calculus

Unit – I – Differential Calculus - I

Subtopic – I – Functions, Limits and Continuity - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of limit of function with various definition and find the limit by $\varepsilon - \delta$ definition for a given function.

CO2 – Define continuity/discontinuity and identify discontinuities of function at any given point.

Subtopic – II – Differentiability and general derivatives - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1- Define differentiability and ascertain the continuity and differentiability of a function at a given point.

CO2 – perform successive differentiation upto n-th derivetive of various functions.

CO3 – Use Leibnitz formula to ascertain n-th derivative of product of functions and use it find genral derivative at given points like $x = 0$

CO4 – Expand functions into series – McLaurin and Taylor series.

Unit- II – Differential Calculus – II - Applications
Subtopic – I - Properties of Curves through their Equations - After studying this subtopic, student will be able to - CO1 – Define asymptotes and find asymptote of a given algebraic curve, if exits. CO2 – Define curvature and find radius and centre of curvature of a given curve. CO3 – Ascertain convexity, concavity and point of inflexion of a given curve. CO4 – Ascertain tangents of a curve at origin and find the nature of origin (Multiple/single/isolated point)
Subtopic – II – Tracing of Curves - After studying this subtopic, student will be able to - CO1 – Classify and Trace various types of curve viz. Cartesian, polar and parametric. CO2 – Identify various properties of curve through the equation of the given curve and produce an approximate shape of the given curve.
Unit – III– Integral Calculus
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Learn about integration of transcendental functions & apply to evaluate definite & indefinite integrals. CO2 – Prove reduction formulae for various definite/indefinite integral and use them to evaluate given integrals. CO3 – Learn about relation between integration and limiting sum. CO4 – Application of integration in finding area of curve quadrature. CO5 – Application of integral in finding length of arc of plane curves.-rectification CO6 – Learning about volume of solid of revolution and finding volume of same using integration.
Unit – IV- Ordinary Differential Equations-I
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Learning about formation of ODE and differing the degree and order of ODE. CO2 – Identification & solution of various differential equations of first degree and first order- Reduction in Linear Differential Equation Form &Exact Differential Equation. CO3 – Identification & solution of various differential equations of first order and higher degree. CO4 – Solving D.E. of Clairaut's form and finding singular solutions. CO5 – Understanding geometrical significance of differential equation and finding orthogonal trejectories of a family of curves. CO6 – Find general solution (CF+PI) of linear differential equation with constant coefficient. CO7 – Solving homogeneous LDE (Cauchy's & Legendre's differential equation.)
Unit – V – ODE-II
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Identifying & solving L.D.E. of second order.

CO2 – Transform a differential equation by various method & solve them.
CO3 – Apply method of variation of parameter, to solve given differential equation. (Second order case)
CO4 – Solving systems of linear simultaneous differential equations.

B.Sc. – I – Subject – Mathematics

Paper – III – Vector Analysis & Geometry

Unit – I– Vector Algebra & Vector Differentiation
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Defining scalar/Vector triple product and learning its properties. CO2 – Defining reciprocal system of vectors. CO3 – Quadruple vector/scalar product and its applications. CO4 – Defining scalar/vector point function and associated fields. CO5 – Finding changes in scalar/vector field by defining grad, div, curl and directional derivatives. CO6 – Apply various formula to solve physical and geometrical problems.
Unit – II- Vector Integration
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Understand the meaning of vector integration. CO2 – Identifying & evaluating line, surface and volume integrals. CO3 – Conversion of various integral by Green's theorem, Stoke's theorem and Gauss's theorem. CO4 – Applying/Evaluating various integrals.
Unit – III – Conic Section
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Learning about general equation of second degree and proving that if represent a conic. CO2 – Trace a given conic by studying various properties of given equation. CO3 – Solving given systems of conics. CO4 – Foci and confocal conics. CO5 – Understanding polar form of conic's & equations their various properties.
Unit – IV – 3-D- Geometry-II
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Deduct a general equation of sphere and learn various properties of a sphere CO2 – Finding general equation of cone & cylinder their generating lines and other various properties

Unit – V – 3-D- Geometry-II
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Finding general equation of conicoids and study its properties. CO2 – Study intersection of place & conicoids. CO3 – Study and identify generating line of various conicoids CO4 – Reducing the equation of second degree parabola in various other forms.

B.Sc. – II – Subject – Mathematics

Paper – I – Advance Calculus

Unit – I – Sequences & Series
After studying this unit, student will be able to - CO1- Define and identify sequence of real numbers. CO2 – understand the concept of convergence and calculate the limit of a sequence. CO3 – Identify and classify various types of sequences. CO4 - Understand the Cauchy's criterion of convergence. CO5 – define series and understand the relation between a sequence and a series. CO6 – Identify and apply various tests of convergence of series. CO7 – Identify convergence of alternating series and conditional convergence criterion.
Unit – II – Continuity & Differentiability
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Understand the concept of continuity of a function and its properties and types. CO2 – Understand the conditions of differentiability and prove the continuity and differentiability of function at any given point. CO3 – Understand and apply Chain rule of differentiability.

CO4 – Understand and prove various mean value theorems with geometrical interpretations.
CO5 – apply mean value theorems to various problems.
CO6 – Understand and apply Darboux's intermediate value theorem.
CO7 – Understand and apply Taylor's theorem.

Unit – III – Multivariable Calculus

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of Limit, continuity and partial differentiation for functions of more than one variables.
CO2 – Identify homogeneous function and apply Euler's theorem for homogeneous function.
CO3- Understand and apply process of change of variable.
CO4 – Find Taylor's series for function of more than one variable.
CO5 – Understand the concept and mathematics of Jacobians and their applications.

Unit – IV – Application of Multivariable Calculus

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Define envelopes and evolutes for various curve-families.
CO2 – Define Extreme and Saddle points for functions of two variables and calculate them.
CO3 – Use Lagrange's method of undetermined multiplier to find extreme points of function of three variable with one condition.

Unit – V – Multiple Integrals

Subtopic – Beta and Gamma Integrals - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define and evaluate Beta & Gamma Integrals
CO2 – Apply the relation between Beta and Gamma Integrals to evaluate definite integrals of various types.

Subtopic – Multiple Integrals - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define and evaluate double and triple integrals.
CO-2 – Identify the region of integration and change the order of integral for double integral.
CO3 – Understand the concept of change of variable and its application.
CO4 – Define and use Dirichlet's integral.
CO5 – Use of 2D and 3D integrals in various problems.

B.Sc. – II – Subject – Mathematics

Paper – II – Differential Equation

Unit – I – Series Solution & Special Function

After studying this unit, student will be able to -

CO1- Understand the method of (power) series solution for differential equations.

CO2 – Use Frobenious method (foucs on indicial equations)

CO3 – Solve Legendre's & Bessel's differential equation.

CO4 - Define Legendre's function $P_n(x)$, $Q_n(x)$ and their properties (Focus on various representation, recurrence formulae, generating function & orthogonality)

CO5 – Define Bessel's function $J_n(x)$, $J_{(-n)}(x)$ and its properties. (Focus on recurrence formulae and generating functions.

CO6 – Solve starm Liouuille problem for various eigen values (positive, negative & null)

Unit – II – Laplace Transform

After studying this unit, student will be able to -

CO1- Define and evaluate Laplace transform for various elementary functions.

CO2 – List out & prove properties of Laplace transform. (Focus on linearity & prove of formulae)

CO3 – Applying various properties to solve given problems.

CO4 - Inverse laplace transform and evaluate simple inverse transform.

CO5 – Learn & apply methods of inverting given expression (focus on partial fraction & transcendental functions)

CO6 – Understand the concept of convolution & apply it to find inverse transformation of given expression.

CO7 – Use Laplace transform to solve ordinary differential equation and integral equation.

Unit – III – Partial Differential Equation I

After studying this unit, student will be able to -

CO1- Construction of partial differential equation.

CO2 – Solving PDE of first order first degree (focus on Lagrange's method)

CO3 – Solvine PDE of first order higher degree.

CO4 - Charpits method & its application.

Unit – IV – Partial Differential Equation II

After studying this unit, student will be able to -

CO1- Classification and solution of second & higher order PDE's

CO2 – Solve homogeneous & Non-homogeneous linear partial differential equation. (focus on finding CF+P.I.)

CO3 – Reducible PDE's & solution.

CO4 - Apply Moge's method to solve PDE.
Unit – V – Variatioal Calculus
After studying this unit, student will be able to - CO1- Defining functional and its variation. CO2 – solving variational problems with fixed boundries (Using Euler's equation) CO3 – Solving physical problems by applying above formula. CO4 - Understanding problems with moving boundaries. CO5 – Understanding conditions for extremum (foucs on Jacobi & Legendres method) CO6 – Using principle of least action.

B.Sc. – II – Subject – Mathematics

Paper – III – Mechanics

Unit – I – Statics I
After studying this unit, student will be able to - CO1- Understanding trsultant of forces acting on a point. CO2 – Finding conditions of equilibrium of system of forces. CO3 – Finding condition of stable and unstable condition for various shaped bodies (focus on hemisphere, cone and plate.) CO4 - Apply above methods to solve physical problems. CO5 – Understand the concept of virtual work and apply the same to physical problems.
Unit – II – Statics II
After studying this unit, student will be able to - CO1- Understanding the interaction of forces in three dimension. CO2 – Apply the formulae to various physical problems. CO3 – Derive equation of central axis for system of force & find null lines.
Unit – III – Dynamics I
After studying this unit, student will be able to -

CO1- Derive the formulae for simple harmonics motion. (Focus on problems with string & springs)
CO2 – Driving formulae for motion in a spring (Using Wooke's law)
CO3 – Formulae for radial & transverse velocity & accelerations.
CO4 – Understanding projective motion & deriving various characterstics.
CO5 – Proving properties of central orbit (Focus on inverse law of force)

Unit – IV – Dynamics II

After studying this unit, student will be able to -
CO1- Understanding & proving Kepler's law of planetary motion.
CO2 – Finding tangential and normal velocities & acceleration in given problems.
CO3 – Understanding motion in smooth and rough curves. (Focus on problems with friction)

Unit – V – Dynamics III

After studying this unit, student will be able to -
CO1- Understanding motion in resisting medium (specific in air water)
CO2 – Motion of particle pf varying mass (specific to vapour/air/water drops)
CO3 – Practical motion in 3D (equation & character)
CO4 – Different co-ordinate systems & equation of motion in the same.

B.Sc. – III – Subject – Mathematics

Paper – I – Analysis

Unit – I – Real Analysis - I

Subtopic – I - Series of arbitrary terms - After studying this subtopic, student will be able to -
CO1 – Define and identify series of arbitrary terms, with conditions of convergence.
CO2 – apply various tests of convergence to ascertain the type of sequence
CO3 – Define double series and ascertain its convergence

Subtopic – II – Partial Differentiability - After studying this subtopic, student will be able to -
CO1 – Define conditions for partial differentiability and check them for given function.
CO2 – Check the equality of second order mix derivative for any given function using Young and Schwarz Theorems.
CO3 – State and prove implicit function theorem and its consequences.

Subtopic – III – Fourier Series - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define Fourier series for a periodic function in various intervals.

CO2 – Define Fourier Series for even/odd functions and piece-wise continuous function.

CO3 – Define half range Fourier series for any given function

Unit – Real Analysis – II

Subtopic – I – Riemann Integral - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define conditions for integrability of a function of real variable.

CO2 – Identify and evaluate Riemann integral given various functions.

CO3 – State and prove fundamental theorem of integral calculus.

CO4 – State and prove various mean value theorems of integral calculus.

Subtopic – II – Improper Integrals - After studying this subtopic, student will be able to -

CO1 – Define and classify first and second type of improper integral.

CO2 – Apply various types of tests to ascertain the convergence of given improper integral.

CO3 – Define and use Frullani's integral to evaluate real integrals.

CO4 – Use parametric integration technique to evaluate real integrals.

Unit – III – Complex Analysis -

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Define and represent complex numbers and functions in various forms.

CO2 – Define and ascertain the limit, continuity and differentiability of functions of a complex variable.

CO3 – Define analytic function and differentiate the concept from partial differentiability of function.

CO4 - Ascertain analyticity of a function by Cauchy – Riemann Equation.

CO5 – Ascertain harmonic conjugate or a function from the given real/imaginary part of an analytical function

CO6 – Define and identify elementary transformation.

CO7 – Define Mobius transform and prove various properties.

CO8 – Ascertain various transform from given pairs of mapped points.

Unit – IV – Analysis – I – Metric Spaces

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Define metric spaces

CO2 – Define various properties of metric space.

CO3 – Define various types of sets, points and sequences in metric space.

CO4 – define convergence of a sequence in metric space.

CO5 - define Cauchy's criterion and completeness of a metric space.

CO6 - State and prove Cantor's intersection theorem.

CO7 – State and prove the contraction principle.
CO8 – understand construction real number field and its completeness.
CO9 – understand ordering relations in real number field.

Unit – V – Analysis – II – Compactness and Completeness

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of dense and nowhere dense subsets.
CO2 – State and prove Baire's category theorem.
CO3 – understand the Countability property of a space
CO4 – Understand and identify various types of continuity in a metric space.
CO5 – understand the concepts of isometry and homeomorphisms and equivalent metrics.
CO6 – understand the concept for compactness and connectedness of metric spaces.
CO7 - state and prove various properties of compact or connected metric spaces.

B.Sc. – III – Subject – Mathematics

Paper – II – Abstract Algebra

Unit – I – Group Theory

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Auto morphisms of groups-Understand the concept of auto morphism of groups, with defining group of auto morphism.
CO2 – Defining congugacy relation and normalizer of an element.
CO3 – Stating and proving class equation of a group.
CO4 – Various properties of group of prime order & abelianizing of a group.
CO5 – Stating & proving Sylow's & structure theorem.

Unit – II – Rings Theory

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understanding the concept of Ring homorphism & its properties.
CO2 – Various algebraic structures like ideals, fields & integral domains and their interrelations.
CO3 – Studying various properties of polynomial Rings & Euclidean Rings.
CO4 – Studying properties of polynomial ring (focus on divisibility/reduction of polynomials & factorization.)
CO5 – Studying properties of a ring over real number polynomials.
CO6 – Studying various properties of Modules & sub modules.

Unit – III – Vector Spaces I

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of vector spaces and its properties.

CO2 – Properties of set of vectors in a vector space (linear dependence/independence, Sum (direct & linear sum))

CO3 – Bases of vector spaces & its criterion.

CO4 – Proving fundamental theorems of vector spaces (Bases, Existence, Dimension)

CO5 – Study about Quotient spaces & its dimension.

Unit – IV – Vector Spaces II

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Define mapping order vector spaces (linear transforms) & their various representations.

CO2 – State & prove rank nullity theorem.

CO3 – Study about dual/bidual spaces.

CO4 – Finding adjoint of linear transform & revisit the concept of Eigen values and eigen vectors.

CO5 – Diagonalisation of matrix and using it to reduce the polynomial in cannonical form.

CO6 – Understand various properties of subspaces.

Unit – V – Inner Product Space

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Learn and understand the concept of an inner product space.

CO2 – Stating & proving various properties.

CO3 – Orthogonility & its various properties.

CO4 – Orthogonal bases & gram-schmidt process. (its uses)

CO5 – Diagonalisation of matrix and using it to reduce the polynomial in cannonical form.

CO6 – Understand various properties of subspaces.

B.Sc. – III – Subject – Mathematics

Paper – III – Discrete Mathematics

Unit – I – Sets & Prepositions

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of cardinality of sets and theory of counting.

CO2 – Learn the concept of mathematical induction and apply it to prove various formulae & equalities.

CO3 – Basic set theory and principle of inclusion & exclusion.

CO4 – Construct formal languages for automata & its grammer.

CO5 – Learn & identify various types of grammars.
CO6 – Uses of permutation combinations & dearrangements and their applications.
CO7 – Basic probability, Baye's theorem and their application.

Unit – II – Relations & Functions

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of relations & Its various types.
CO2 – Prove equivalence relations and find equivalence classes with using their properties.
CO3 – Define partial order relations and lattices. Use this concept to further define chains, antichains and other structures.
CO4 – Understand and use Pigeon Hole principle.

Subtopic Groups :-

CO5 – Define graph as a set.
CO6 – List and illustrate various properties & type of graphy. (finding incident & adjecency matrix)
CO7 – Identify and differentiate between Eualr/Harmitonion Graphy or circuit.
CO8 – Route problems, travelling salesmen problems etc.
CO9 – Understand the relation/distinction between trees & graphs.
CO10 – Find minimum spanning tree or given simple graph.

Unit – III – Finite State Machine

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of a computing machine and its logics.
CO2 – List, prove and exemplify various types & properties of machine.
CO3 – Constructing mathematical model of finite state machines.
CO4 – Apply various properties to problems.
CO5 – Understand the notion of complexity of solution.
CO6 – Representation & calculation of complexity.

Subtopic - Numerical Complexity Functions.

CO7 – Understand the notion of numerical functions & algebraic operations.
CO8 – Understand generator functions & its various properties.

Unit – IV – Recurrence Relations & Recursive Algorithm.

After studying this unit, student will be able to -

CO1 – Understand the concept of recurrence relations or a difference equation.
CO2 – Solve various problems by prescribed methods (Homogeneous, Total & particular solutions)

CO3 – Brief review of concepts of algebraic structures (Groups & rings)
Unit – V – Boolean Algebra
After studying this unit, student will be able to - CO1 – Revisiting concept of lattices and construction of various algebraic CO2 – Study various types of lattices and prove properties of the same. CO3 – Learn about Duality and complement of lattices. CO4 – Define Boolean lattices and Boolean Algebra. CO5 – Define Boolean function & reduction into conjugative and disjunctive normal form. CO6 – Understand and using prepositional calculus & identify tautology & fallacy. CO7 – Design and reduction or network circuits using logic operators.

COURSE OUTCOMES (UNITWISE)

Class-B.Sc. I, Subject-Physics

Paper I (Mechanics, Oscillations and Properties Of Matter)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
Unit-I **Cartesian, Cylindrical and Spherical coordinate system, Inertial and non-internal frames of reference, uniformly rotating frame, Coriolis force and its applications. Motion under a central force, Keplers law. Effect of centrifugal and coriolis forces due to earths rotation, Center of mass (C.M.), Lab and CM frame of reference, motion of CM system of particles subject to external forces, elastic, and inelastic collisions in one and two dimensions, Scattering angle in the laboratory frame of reference, Conservation of linear and angular momentum, Conservation of energy**	**CO-I** Learning about different coordinate systems. **CO-II** Application of **Coriolis** forces. **CO-III** Learning the motion of Earth and different planets. **CO-IV** Know the different conservational laws. **CO-V** Basic knowledge of gravitational law.
UNIT-II	**CO-I**

Rigid body notion, rotational motion, moments of inertia and their products, principal moments & axes, Introductory idea of Euler's equations. potential well and periodic oscillations, case of harmonic small oscillations, differential equation and its solution, kinetic and potential energy, examples of simple harmonic oscillations, spring and mass system, simple and compound pendulum, torsional pendulam.	Learning about rotational motion. **CO-II** Knowing the moment of inertia and its uses in daily life. **CO-III** Basic knowledge of simple harmonic oscillation and its different examples. **CO-IV** Application of oscillations. **CO-V** Understand the concept of moment of inertia and simple harmonic oscillation by simple experiment.
UNIT-III Bifilar oscillations, helmholtz resonator, LC circuit, vibrations of a magnet, oscillations of two masses connected by a spring. Superpostion of two simple harmonc motions of the same frequency, Lissajous figures, case of different frequencies. Damped harmonc oscillator', power dissipation, quality factor, examples, driven (forced) harmonic oscillator, transient and steady states, power absorption, resonance.	**CO-I** Learning about oscillation of two masses. **CO-II** Know the basic concept of Lissajous figures with different frequencies. **CO-III** Learning about power dissipation and quality factor in damped and forced oscillator. **CO-IV**

	Understand the concept of Lissajous figures and oscillation of s spring by simple experiments.
UNIT-IV E as an accelerating field, electron gun, case of discharge tube, linear accelerator, E as deflecting field- CRO sensitivity, Transverse B field, 180o deflection, mass spectrograph, curvatures of tracks for energy determination, principle of a cyclotron. Mutually perpendicular E and B fields-velocity selector, its resolution. Parallel E and B fields, positive ray parabolas, discovery of isotopes, elements of mass spectrography, principle of magnetic focussing (lens.)	**CO-I** Basic knowledge of CRO. **CO-2** Learning about linear acceleration. **CO-III** Learning about mass spectrograph. **CO-IV** Know the discovery of isotopes. **CO-V** Basic knowledge of magnetic field.
UNIT-V Elasticity: Strain and stress, elastic limit, Hooke's law, Modulus of rigidity, Poisson's ratio, Bulk modulus, relation connecting different elastic-constants, twisting couple of a cylinder (solid and hollow), Bending moment, Cantilever, Young modulus by bending of beam. Viscosity: Poiseulle's equation of liquid flow through a narrow tube, equations of continuity. Euler's equation, Bernoullis theorem, viscous fluids, steamline and turbulent flow. Poiseulle's law. Coefficent of viscosity, Stokes law, Surface tension and molecular interpretation of surface tension, Surface energy, Angle of contat, wetting	**CO-I** Basic knowledge of electricity. **CO-2** Learning about torsion of cylinders. **CO-III** Basic knowledge of motion of fluid.

	CO-IV Learning about different theorem based on fluid and in uses in daily life. **CO-V** (Practical) Understand the concept of electricity and surface tension of liquid by simple experiments.

Class-B.Sc. I, Subject-Physics
Paper II (Electricity, Magnetism and Electromagnetic Theory)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I Functions of two and three variables, partial derivatives, geometrical interpretation of partial derivatives of functions of two variables. Total differential of a function of two and three variables. Repeated integrals of a function of more than one variable,definition of a double and triple integral. Scalars and vectors, dot and cross products,triple vector product, gradient of a scalar field and its geometrical interpretation, divergnence and curl of a vector field, line, surface and volume integrals, flux of a vector field. Gauss's divergence theorem, Green's theorem and Stokes theorm.	**CO-I** Basic knowledge of differential and integral calculation. **CO-II** Basic knowledge of vector and scalars and quantities. **CO-III** Learning about double and triple integral. **CO-IV** Basic knowledge of gradient and divergence and curl. **CO-V**

	Learning about different theorem based on gradient divergence and curl.
UNIT-II Columbs law in vacuum expressed in Vector forms calculations of E for simple distributions of charges at rest, dipole and quadrupole fields. Work done on a charge in a electrostatic field expressed as a line integral, conservative nature of the electrostatic field. Electric potential ϕ, ϕ torque on a dipole in a uniform electric field and its energy, flux of the electric field, Gauss's law and its application for finding E for symmetric charge distributions, Gussian pillbox ? Fields at the surface of a conductor screening of E field by a conductor, capacitors, electrostatic field energy, force per unit area of the surface of a conductor in an electric field, conducting sphere in a uniform electric field, point charge in front of a grounded infinite conductor.	**CO-I** Basic knowledge of charge and electrostatics. **CO-II** Learning about electric field and electric potential of dipole. **CO-III** Basic knowledge of electric flux. **CO-IV** Learning about Gauss's law and its application. **CO-V** Learning of capacitors and its uses in daily life.
UNIT-III Dielectrics parallel plate capacitor with a dielectric, electric susceptibility, permittivity and dielectric constant, polarization and polarization vector, displacement vectorr molecular interpretation of Claussius- Mossotti equation. Steady current, current density J, non-steady curents and continuity equation,	**CO-I** Learning about basic concept of polarization vector and displacement vector. **CO-II**

kirchoff's law and analysis of multiloop circuits, rise and decay of current in LR and CR circuits, decay constants, transients in LCR circuits, AC circuits, complex numbers and their applications in solving AC circuit problems, complex impedance and reactance, series and parallel resonance, Q factor, power consumed by an a AC circuit, power factor.	Basic knowledge of motion of charge and its equation. **CO-III** Learning about basic concept of kirchoff's law and its use to solve multiloop circuits. **CO-IV** Learning about rise and decay of dc current in different circuits. **CO-V** Basic knowledge of AC circuit and application of solving ac circuit problem. **CO-VI** (Practical) understand the series and parallel resonance by simple experiments.
UNIT-IV Force on a moving charge, Lorentz force equation and definition of B, force on a straight conductor carrying current in a uniform magnetic field, torque on a current loop, magnetic diploe moment, angular momentum and gyromagnetic ratio. B = O, ×	**CO-I** Learning about basic concept of electromagnetic induction and Farday's law. **CO-II** Learning about Biot and Savart's law and its simple application to find E in different cases.

$\vec{B}$ = μJ. Biot and Savart's law, Ampere's law field due to a magnetic dipole, magnetization current, magnetization vector, magnetic permeability (Linear cases), interpretation of a bar magnet as a surface distribution of sinusoidal current.	**CO-III** Basic knowledge of magnetization current and vectors. **CO-IV** Basic concept of bar magnet. **CO-V** Learning about angular momentum and gyromagnetic ratio.
UNIT-V Electromagnetic induction, Faraday's law, electromotive force, ε = z E.dr, integral and differential forms of Faraday's law Mutual and self inductance, Transformers, energy in a static magnetic field. Maxwell's displacement current, Maxwells' equations, electromagnetic field energy density. The wave equation satisfied by E and B, plane electromagnetic waves in vacuum, Poyning's vector.	**CO-I** Learning about basic concept of electromagnetic induction and farday's law. **CO-II** Baisc concept of self and mutual inductance and its application. **CO-III** Learning about maxwell's equation for electric and magnetic field. **CO-IV** Basic concept of plane electromagnetic waves in vaccum. **CO-V** (Practical) Understand the self and mutual inductance by simple experiments.

Paper I (THERMODYNAMICS, KINETIC THEORY AND STATISTICAL PHYSICS)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I The laws of thermodynamics : The Zeroth law, concept of path function and point function, various indicator diagrams, work done by and on the system, first law of thermodynamics, internal energy as a state function, reversible and irreversible change, carnot theorem and the second law of thermodynamics. Different versions of the second law. Claussius theorem inequality. Entropy, Change of entropy in simple cases (i) Isothermal expansion of an ideal gas (ii) Reversible isochoric process (iii) Free adiabatic expansion of an ideal gas. Entropy of the universe. Principle of increase of entropy. The thermodynamic scale of temperature, its identity with the perfect gas scale. Impossibility of attaining the absolute zero, third law of thermodynamics.	**CO-I** Learning about the concept of thermodynamics and its different laws. **CO-II** Basic knowledge of Carnot engine. **CO-III** Learning about the concept of entropy and entropy for different systems. **CO-IV** Learning about the thermodynamics scale of temperature and compare it with different scales. **CO-V** Basic knowledge of reversible and irreversible process and its examples.
UNIT-II	**CO-I**

Thermodynamic relationships : Thermodynamic variables, extensive and intensive, Maxwell's general relationships, application to Joule-Thomson cooling and adiabatic cooling in a general system, Van der Waals gas, Clausius-Clapeyron heat equation. Thermodynamic potentials and equilibrium of thermodynamical systems, relation with thermodynamical variables. Cooling due to adiabatic demagnetization, production and measurement of very low temperatures. Blackbody radiation : Pure temperature dependence, Stefan-Boltzmann law, pressure of radiation, Special distribution of BB radiation, Wien's displacement law, Rayleigh-Jean's law, the ultraviolet catastrophy, Planck's quantum postulates, Planck's law, complete fit with experiment.	Learning about the different thermodynamic potentials and relation between them. **CO-II** Basic knowledge of cooling and different methods for cooling. **CO-III** Learning about the production and measurement of very low temperature of the system. **CO-IV** Learning about the basic concept of black body radiation and spectral distribution of black body distribution of black body distribution. **CO-V** Learning about different law related to black body radiation. **CO-VI** (Practical) Understanding the Stefan's law by simple experments.
UNIT-III	**CO-I**

Maxwellien distribution of speeds in an ideal gas : Distribution of speeds and of velocities, experimental verification, distinction between mean, rms and most probable speed values. Doppler broadening of spectral lines. Transport phenomena in gases : Molecular collisions, mean free path and collision cross sections. Estimates of molecular diameter and mean free path. Transport of mass, momentum and energy and interrelationship, dependence on temperature and pressure. Liquifaction of gases : Boyle temperature and inversion temperature. Principle of regenerative cooling and of cascade cooling, liquifaction of hydrogen and helium. Refrigeration cycles, meaning of efficiency	Learning about maxwellien distribution of speeds and velocity in an ideal gas. **CO-II** Basic knowledge of mean free path and molecular collision. **CO-III** Learning about the concept of transport phenomena in gases. **CO-IV** Learning about the interrelationship between transport of mass, momentum & energy and its dependence on temperature a pressure. **CO-V** Learning about the different methods of liquefaction of gases. **CO-VI** Basic knowledge of refrigerator and its efficiency.
UNIT-IV	**CO-I**

The statistical basis of thermodynamics : Probability and thermodynamic probability, principle of equal a priori probabilities, statistical postulates. Concept of Gibb's ensemble, accessible and inaccessible states. Concept of phase space, canonical phase space, Gamma phase space and mu phase space. Equilibrium before two systems in thermal contact, probability and entropy, Boltzmann entropy relation.Boltzmann canonical distribution law and its applications, law of equipartition of energy. Transition to quantum statistics : 'h' as a natural constant and its implications, cases of particle in a one-dimensional box and one-dimensional harmonic oscillator.	Learning about the basic concept of probability with examples. **CO-II** Learning about the concept of phase space and different phase spaces. **CO-III** Basic knowledge Boltzmann canonical distribution law its application. **CO-IV** Learning about the basic concept of quantum statistics **CO-V** Learning about the particle in a one dimensional and OD harmonic oscillator.
UNIT-V Indistinguishability of particles and its consequences, Bose-Einstein & Fermi-Dirac conditions, Concept of partition function, Derivation of Maxwell-Boltzmann, Bose-Einstein and Fermi-Dirac Statistics Through Canonical partion function. Limits of B.E. and F-D statistics to M-B statistics. Application of BE statistics to black body radiation, Application of F-D statistics to free electrons in a metal.	**CO-I** Basic knowledge of indistinguishability of particles and its consequences. **CO-II**

	Learning about the concept of partition function. **CO-III** Learning about the derivation of M.B., B,E, and f.d. statistics. **CO-IV** Learning about the application of B.E. and f.D. statistics.

Class-B.Sc. II, Subject-Physics
Paper II (WAVES, ACOUSTICS AND OPTICS)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
UNIT-I Waves in media : Speed of transverse waves on a uniform string, speed of longitudinal waves in a fluid, energy density and energy transmission in waves, typical measurements. Waves over liquid surface : gravity waves and ripples. Group velocity and phase velocity, their measruements. Harmonics and the quality of sound ; examples. Production and detection of ultrasonic and infrasonic waves and applications. Reflection, refraction and diffraction of sound : Acoustic impedance of a medium, percentage reflection & refraction at a boundary, impedence matching for transducers, diffraction of sound, principle of a sonar system, sound ranging.	**CO-I** Learning about basic concept of waves transverse and longitudinal waves. **CO-II** Learning about speed of waves in string and fluid energy transmission in waves. **CO-III** Learning about the concept of sound and production and detection of ultrasonic and infrasonic waves. **CO-IV** Learning about the reflection, refraction and diffraction of sound. **CO-V**

	Learning about the sonar system and sound ranging. **CO-VI** (Practical) Understand the speed of waves in strings by simple experiments.
UNIT-II Fermat's Principle of extremum path, the aplanatic points of a sphere and other applications. Cardinal points of an optical system, thick lens and lens combinations. Lagrange equation of magnification, telescopic combinations, telephoto leneses.Monochromatic aberrations and their reductions ; aspherical mirrors and schmidt corrector plates, aplanatic points, oil imersion objectives, meniscus lens. Optical instruments : Entrance and exit pupils, need for a multiple lens eyepiece,common types of eyepieces. (Ramsdon and Hygen's eyepieces)	**CO-I** Learning about the Fermat's principle of extremum path. **CO-II** Learning about the basic concept of cardinal point of an optical systems of lens. **CO-III** Learning about the concept of monochromatic aberration and their reduction. **CO-IV** Learning about the optical instruments and different eyepieces.
UNIT-III	**CO-I**

Interference of light : The principle of superposition's, two slit interference, coherence requirement for the sources, optical path retardations, lateral shift of fringes, Rayleighrefractometer Localised fringes ; thin films. Haldinger fringes : fringes of equal indination. Michelson interferometer, its application for precision defermination of wavelength, wavelength difference and the width of spectral lines, Twymann. Green interferometer and its uses, intensify distribution in multiple beam interference. Tolansky fringes, Fabry-Perot interferometer and etalon.	Learning about the basic concept of interference of light and principle of superposition. **CO-II** Learning about the thin films and Haidinger's fringes. **CO-III** Learning about the different type & interferometer and its uses. **CO-IV** Learning about the intensity distribution in multiple beam interference. **CO-V** (Practical) Understand the wavelength of light by simple experiment.
UNIT-IV Fresnel half-period zones, plates, straight edge, rectilinear propagation, Fraunhefer diffraction : Diffraction at a slit, half-period zones, phasor diagram and integral calculus methods, the intensity distribution, diffraction at a circular aperture and a circular disc, resolution of images, Rayleigh criterion, resolving power of telescope and microscopic systems.	**CO-I** Learning about the concept of diffraction in light.

Diffraction gratings : Diffraction at N parellel slits, intensity distribution, plane diffraction grating, relection grating and blazed gratings, Concave grating and different mountings, resolving power of a grating and comparison with resolving powers of prism and of a Fabry-Perot etalon. Double refraction and optical rotation : Refraction in uniaxial crystals, Phase retardation plates, double image prism. Rotation of plane of polarisation, origin of optical rotation in liquids and in crystals.	**CO-II** Learning about the half-period zones and zone plates. **CO-III** Learning about the diffraction gratings, reflection grating and blazed gratings. **CO-IV** Learning about the resolving power of gratings, prism and telescope. **CO-V** (Practical) Understand the diffraction pattern of light by experiment.
UNIT-V Laser system : Purity of a spectral line, coherence length and coherence time, spatial coherence of a source, Einstein's A and B coefficients, Spontaneous and induced emissions, conditions for laser action, population inversion, Types of Laser : Ruby and, He-Ne and Semiconductor lasers. Application of lasers : Application in communication, Holography and non linear optics. (Polarization P including higher order terms in E and generation of harmonics).	**CO-I** Learning about the basic concept of laser beam. **CO-II** Learning about its spontaneous absorption and stimulates emission of light. **CO-III** Learning about Einstein’s A and B coefficients. **CO-IV**

	Learning about the different type of laser like Ruby, He-Ne and semiconductor Laser. **CO-V** (Practical) Understand the laser by simple experiment.

Class-B.Sc. III, Subject-Physics

Paper I

(RELATIVITY, QUANTUM MECHANICS, ATOMIC MOLECULAR AND NUCLEAR PHYSICS)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
Unit-I Reference systems, inertial frames, Galilean invariance and conservation laws, propogation of light, Michelson-Morley experiment, search for ether. Postulates for the special theory of ralativity, Lorentz tranformations, length contraction,time dilation, velocity additon theorem, variation of mass with velocity, mass-energy equivalence, particle with zero rest mass, Compton effect.	**CO-I** Learning about the concept of frame of reference, inertial and non inertial frames. **CO-II** Learning about the special theory of relativity and Lorentz transformation and its application. **CO-III** Learning about the mass and energy and mass-energy equivalence. **CO-IV** Learning about zero rest mass and variation of mass with velocity.
Unit-II	**CO-I**

Origin of the quantum theory: Failure of classical physics to explain the phenomena such as black-body spectrum, photoelectric effect. Wave-particle duality and uncertainty principle : de Broglie's hypothesis for matter waves : the concept of wave and group velocities, evidence for diffraction & interference of particles, experimental demonstration of mater waves. Davisson and Germer's experiment. Consequence of de Broglie's concepts, quantisation in hydrogen atom, energies of a particle in a box, wave packets.Consequence of the uncertainty relation : gamma ray microscope, diffraction at a slit.	Learning about the basic concept of origin of quantum theory and failure of classical physics. **CO-II** Learning about the wave particle duality and uncertainty principle. **CO-III** Learning about matter waves & the concept of phase and group velocity. **CO-IV** Learning about the consequence of de-Broglie's concepts and wave packets. **CO-V** Learning about the consequence of the uncertainty relation.
Unit-III Quantum Mechanics: Schrodinger's equation. Postulatory basis of quantum mechanics, operators, expectation values, transition probabilities, applications to particle in a oneand three dimensional boxes, harmonic oscillator in one dimension, reflection at a step Potential, transmission across a potential barrier. Hydrogen atom: natural occurrence of n,land m quatum numbers, the related physical quantities.	**CO-I** Learning about the basic concept of quantum mechanics & Schrodinger's equation. **CO-II** Learning about the Postulatory basis of quantum physics. **CO-III** Learning about operator, expectation values and different type of operator.

	CO-IV Learning about the hydrogen atom and related physical quantities.
Unit-IV Spectra of hydrogen, deuteron and alkali atoms spectral terms, doublet fine structure, screening constants for alkali spectra for s,p, d and f states, selection rules. Discrete set of elctronic energies of moleculers, quantisation of vibrational and rotational energies, determination of internuclear distance, pure rotatinal and rotation vibration spectra. Dissociation limit for the ground and other electronic states, transition rules for pure vibration and electronic vibration spectra. Raman effect, Stokes and anti-Stokes lines, complimentary character of Raman and infrared spectra, experimental arrangements for Raman spectroscopy.	**CO-I** Learning about the spectra of hydrogen deuteton and alkali atoms spectra. **CO-II** Learning about the alkali spectra for S_1P_1d and f states and selection rules. **CO-III** Learning about quantisation of vibration of energies and vibration spectras. **CO-IV** Learning about rotational energies and rotation spectra. **CO-V** Learning about Raman effect and experiments arrangements for Raman spectroscopy.
Unit-V Interaction of charged particles and neutrons with mater, working of nuclear detectors, G-M counter, proportional counter and scintillation counter, cloud chambers, spark	**CO-I** Learning about the concept of nuclear detectors and different type of detectors.

chamber, emulsions. Structure of nuclei, basic properties (r1, μ Q and binding energy), deuteron binding energy, p-p and n-p scattering and general concepts of nuclear forces, Beta decay, range of alpha particle Geiger-Nuttal law. Gamow's explanation of beta decay, alpha decay and continuous and discrete spectra. Nuclear reactions, channels, compound nucleus, direct reaction (concepts). Shellmodel & liquid drop model, fission and fusion (concepts), energy production in stars by p-p and carbon cycles (concepts).	**CO-II** Learning about the structure of nuclei and basic properties of nuclear. **CO-III** Learning about nuclear forces, beta decay and Geiger-Nuttal law. **CO-IV** Learning about nuclear reactions channels and compound nucleus and different models. **CO-V** Learning about the basic concept of nuclear fission and fusion and energy production in stars.

Class-B.Sc. III, Subject-Physics

Paper II

(SOLID STATE PHYSICS, SOLID STATE DEVICES AND ELECTRONICS)

Unit No./Chapters	Course Outcomes
Unit-I	**CO-I**

Amorphous and crystalline solids, Elements of symmetry, seven crystal system, Cubic lattices, Crystal planes, Miller indices, Laue's equation for X-ray diffraction, Bragg's Law. Bonding in solids, classification. Cohesive energy of solid. Madelung constant, evaluation of Parameters. Specific heat of solids, classical theory (Dulong-Petit's law). Einstein and Debye theories. Vibrational modes of one dimensional monoatomic lattice, Dispersion relation, Brillouin Zone.	Learning about the basic concept of solid state physics. Amorphous and crystalline solids. **CO-II** Learning about the crystal system and its properties. **CO-III** Learning about the basic concept of bondings in solids and different bonding in solids. **CO-IV** Learning about the specific heat & solids and its variation with temperature. **CO-V** Learning about the classical and quantum theory to explain specific heat of solids. **CO-VI** Learning about the monoatomic lattice and Brillouin zone.
Unit-II Free electron model of a metal, Solution of one dimensional Schrodiner equation in a constant potential. Density of states. Fermi Energy, Energy bands in a solid (Kronig-Penny model without mathematical details). Metals, Insulator and Semiconductors. Hall effect. Dia, Para and Ferromagnetism. Langevin's theory of dia and para-magnetism. Curie- Weiss's Law. Qualitative description of Ferromagnetism (Magnetic domains), B-H. curve and Hysteresis loss.	**CO-I** Learning the basic concept of electric property of metal and fermi level. **CO-II**

	Learning about the Kronig-penny model and energy bands in solid. **CO-III** Learning about the basic difference between conduction, insulator and semiconductor. **CO-IV** Learning about basic concept of magnetic properties of solids and dia, para and ferromagnetism. **CO-V** Learning about the B-H curve and hysteresis loss.
Unit-III Intrinsic semiconductors, carrier concentration in thermal equlibrium, Fermi level, Impurity semiconductor, donor and acceptor levels, Diode equation, junctions, junction breakdown, Depletion width and junction capacitance, abrupt junction, Tunnel diode, Zener diode. Light emmitting diode, solar cell, Bipolar transistors, pnp and npntransistors, characteristics of transistors, different configurations, current amplification factor, FET.	**CO-I** Learning about the basic concept of semiconductor, fermi level and carrier concentration. **CO-II** Learning about the impurity semiconductor, donor and accepter level. **CO-III** Learning about the concept of p-n junction diode and depletion width. **CO-IV** Learning about the different type of diode such as zener diode, LED, Solar cell etc. **CO-V** Learning about the basic concept of transistor, type of transistor and its characteristics. **CO-V**

	(Practical) Understand the different characteristics curves of transistor by simple experiments.
Unit-IV Half and full wave rectifier, rectifier efficiency ripple factor, Bridge rectifier, Filters, Inductor filter, T and N filters, Zener diode, regulated power supply. Applications of transistors. Bipolar Transistor as amplifier. Single stage and CE small signal amplifiers, Emitter followers, Transistoras power amplifier, Transistor as oscillator, Wein-Bridge Oscillator and Hartley oscillator.	**CO-I** Learning about the basic concept of rectifier, half and full and bridge rectifiers and its efficiency. **CO-II** Learning about the basic concept of filter different types of filter such as series, shunt L and N filter. **CO-III** Learning about the the application of transistor as a amplifiers. **CO-IV** Learning about the oscillator and different type of oscillator such as wein-bridge, Hartly oscillator.
Unit-V Introduction to computer organization, time sharing and multi programming systems, window based word processing packages, MS Word. Introduction to C programming and application to simple problems of arranging numbers in ascending / descending orders : sorting a given data in an array, solution of simultaneous equation.	**CO-I** Learning about the basic concept of a computer and computer organisation. **CO-II** Learning about the windows based word processing, packages and MS word. **CO-III** Learning about the introduction of C programming's and its application.

	CO-IV Learning about the write a programme in “C” **CO-V** (Practical) Understand the “C” programming by simple experiments.

Course Wise Syllabus And Outcome

Class : B.com part -1

Subject : Financial accounting

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Meaning and Scope of Accounting : Need, development, and definition, objectives of accounting, difference between Book-keeping and accounting; Branches of accounting; Accounting Principles, Accounting Standard : International accounting Standard only outlines, Accounting standard in India.	To know basic Knowledge of bookkeeping and Accounting and its standard.
2	Accounting Transaction : Accounting cycles Journal Rules of debit & Credit, Compound Journal Entry opening Entry Relationship between Journal & ledger, Capital Revenue:Classification of Income & Expenditure and Receipt.	To know basic Knowledge of Accounting cycles and Classification of Income & Expenditure and Receipt.
3	**UNIT-II** Final accounts; Trial balance; Manufacturing account; Trading account; Profit and loss account; Balance sheet; Adjustment entries.	To know how to prepare final account .
4	Rectification of errors; Classification of errors; Location of errors; Rectification of errors; Suspense account; Effect on profit.	student will gain Rectification of accounting errors
5	**UNIT-III** Depreciation, Provisions, and Reserves: Concept of depreciation; Causes of depreciation; Depreciation, depletion amortization, Depreciation accounting; Methods of recording depreciation; Methods for providing depreciation; Depreciation of different assets; Depreciation of replacement cost; Depreciation policy; as per Indian accounting Standard : Provisions and Reserves.	Describes concepts and theory of depreciation.
6	Accounts of Non-Trading Institutions Receipt andpayment account and income and expenditure account	To know how prepare of Accounts of Non-Trading Institutions
7	**UNIT-IV** Special Acconting Areas :Branch Accounts : Dependent branch : Debtors system, stock and debtor system ;Hire-purchase and instalment purchase system ; Meaning of hire-purchase contract;Legal provision regarding hire-purchase contract; Accounting records for goods of	To understand the Special Acconting Areas

	substantial sale values, and accounting records for goods of small values; Instalment purchase system ; After sales service.	
8	**UNIT-V** a. Partnership Accounts : Essential characteristics of partnership ; Partnership deed : Final accounts; Adjustments after closing the accounts ; Fixed fluctuating capital ; Goodwill ; AS-10 ; Joint Life Policy ; Change in Profit Sharing Ratio.	To prepare and to know Partnership Accounts
9	Dissolution of a firm; Accounting Entries; Insolvency of partnership firm-Modes of dissolution of a firm;Accounting entries; Insolveney of parters distribution.	To prepare and to know Partnership Firm Accounts

Class : B.com part -1

Subject : Business Mathemetics

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Calculus (Problems and theorems involving trigonometrical ratios are not to be done). Differentiation : Partial derivatives up to second order; Homogeneity of functions and Euler's theorem; Maxima and Minima; Cases of one variable involving second or higher order derivatives; logarithm's.	To Enhancing the quality of analysis in different situations.
2	**UNIT-II** Matrices and Determinants : Definition of a matrix; Types of matrices; Algebra of matrices; Properties of determinants; Calculation of values of determinants upto third order; Adjoint of a matrix, elementary row or column operations; Finding inverse of a matrix through adjoint and elementary row or column operations; Solution of a system of linear equations having unique solution and involving not more than three variables.	To enable the students to have such minimum knowledge of Mathematics as is applicable to business and economic situations.
3	**UNIT-III** Linear Programming-Formulation of LPP : Graphical method of solution ; Problems relating to two variables including the case of mixed constraints; Cases having no solution, multiple solutions, unbounded solution and redundant constraints.	To enable the students to have such minimum knowledge of Mathematics as is applicable to business and economic situations.

	Transportation Problem, Ratio & Proportion.	
4	**UNIT-IV** Compound interest and Annuities : Certain different types of interest rates; Concept of present value and amount of a sum ; Types of annuities; Present value and amount of an annuity, including the case of continuous compounding ; Valuation of simple loans and debentures; Problems relating to sinking funds.	To make student aware and able to calculate basic theory of principle of interest.
5	**UNIT-V** Averages, Percentages, Commission Brokerage, Profit and loss.	To make student aware and able to calculate basic businss maths.

Class : B.com part -1

Subject : Business communication

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introducing Business Communication : Definitions, concept and Significance of communication, Basic forms of communicating; Communication models and process principles of effective communication; Theories of communication; Audience analysis.	To know basic knowledge of Business Communication and its principles
2	Self-Development and Communication : Development of positive personal attitudes, SWOT analysis; Vote's model of interdependence; Whole communication.	To understand Development of positive personal attitudes
3	**UNIT-II** Corporate Communication : Formal and informal communication networks; Grapevine; Miscommunication (Barriers) ; Improving communication. Practices in business communication : Group discussions; Mock interviews; Seminars; Effective listening exercises; Individual and group presentations and reports writing.	To understand Corporate Communication and Practices in business communication
4	**UNIT-III** Writing Skills : Planning business messages; Rewriting and editing; The first draft; Reconstructing the final draft; Business letters and memo formats; Appearance request letters; Good news and bad new letters; Persuasive letters; Sales letters;Collection letters; Office memorandum.	To make student aware in Writing Skills

5	**UNIT-IV** Report Writing : Introduction to a proposal, short report and formal report, report,preparation.	student To make and preparation of Report Writing
6	Oral Presentation : Principles of oral presentation, factors affecting presentation, sales presentation, training presentation, conducting surveys, speeches to motivate,effective presentation skills.	To know diffenent type ofverbal communication.
7	**UNIT-V** Non-Verbal Aspects of Communicating. Body language : Kinesics, Proxemics, Para language.. Effective listening : Principles of effective listening; Factors affecting listening exercises; Oral, written, and video sessions.	To know diffenent type of Non-Verbal Aspects of Communicating
8	**UNIT-V** Effective listening : Principles of effective listening; Factors affecting listening exercises; Oral, written, and video sessions.	Able to know Principles of effective listening; Factors affecting listening exercises;
9	**UNIT-V** Interviewing Skills : Appearing in interviews; Conducting interviews; Writing resume and letter of application. Modern Forms of Communicating : Fax; E-mail; Video conferencing; etc.	Student to know Interviewing Skills able to prepare Writing resume and letter of application.

Class : B.com part -1

Subject : Business Regulatory Framework

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Law of Contract (1872) : Nature of contract ; Classification; Offer and acceptance; Capacity of parties to contract, free consent, Considerations, Legality of object; Agreement declared void; Performance of contract; Discharge of contract; Remedies for breach of contract.	To know basic knowledge of Law of Contract
2	**UNIT-II** Special Contracts : Indemnity ; Guarantee; Bailment and pledge; Agency.	To knowledge of special contracts
3	**UNIT-III** Sale of Goods Act 1930 : Formation of contracts of sale; Goods and their classification, price, Conditions, and warranties; Transfer of property in goods;	To know basic knowledge of Sale of Goods Act 1930 and its

	Performance of the contract of sales;	provisions.
4	Unpaid seller and his rights, sale by auction; Hire purchase agreement.	
5	**UNIT-IV** Negotiable Instrument Act 1881 : Definition of negotiable instruments; Features; Promissory note; Bill of exchange & cheque; Holder and holder in the due course; Crossing of a cheque, types of crossing; Negotiation; Dishonuor and discharge of negotiable instrument.	To awareness of Negotiable Instrument Act 1881 and its specil provisions .
6	**UNIT-V** The Consumer Protection Act 1986 : Sailent features; Definition of consumer; Grievance redressal machinery;	To aware of provision of Consumer Protection Act 1986 and FEMA ACT 2000.
7	**UNIT-V** Foreign Exchange Management Act 2000 : Definitions and main provisions, Right to Information Act 2005 (Main Provisions).	

Class : B.com part -1

Subject : Business Economics

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introduction : Basic problems of an economy ; Working of price mechanism. Elastcity of Demand : Concept and measurment of elasticity of demand ; Price, income and cross elasticities; Average revenue, marginal revenue, and elasticity of demand; Determinants of elasticity of demand; Importance of elasticity of demand.	
2	**UNIT-II** Production Function : Law of variable proportions ; Iso-quants; Expansion path; Returns to scale; Internal and external economies and diseconomies.	
	UNIT-III Theory of Costs : Short-run and long-run cost curves - traditional and modern approaches. Market Structures I Market structures and business decisions ; Objectives of a business firm.	

3	a. Perfect Competition : Profit maximization and equilibrium of firm and industry ; Short-run and long run supply curves; Price and output determination. Practical applications. b. Monopoly : Determination of price under monopoly ; Equilibrium of a firm ; Comparison between perfect competition and monopoly; Multi-plant monopoly; Price discrimination. Practical applications.	
4	**UNIT-IV** Market Structures a. Monopolistic Competition : Meaning and characterstics; Price and output determination under monopolistic competition; Product differentiations ; Selling costs; Comparison with perfect competition; Excess capacity under monopolistic competition. b. Oligopoly : Characteristics, indeterminate pricing and output ; Classical models of oligopoly ; Price leadership ; Collusive oligopoly.	
5	**UNIT-V** Factor Pricing-I : Marginal Productivity theory and demand for factors; Nature of supply of factor inputs; Determination of wage rates under perfect competition and monopoly; Exploitation of labour. Factor pricing-II : Rent concept, Recardian and modern theories of Rent quasirent. Interests-concept and theories of interest ; Profit-nature, concepts and theoris of profit.	

Class : B.com part -1

Subject : Business Environment

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Indian Business Environment : Concept, components, and importance Economic Trends (overview) : Income ; Savings and investment ; Industry ; Trade and balance of payments, Money ; Finance ; Prices.	
	UNIT-II	

2	Problems of Growth : Unemployment ; Poverty; Regional imbalances ; Social injustice; Inflation ; Parallel economy ; Industrial sickness.	
3	**UNIT-III** Role of Government : Monetary and fiscal policy ; Industrial policy ; Industrial licensing. Privatization; Devaluation; Export-Import policy; Regulation of foreign investment; Collaborations in the light of recent changes.	
4	**UNIT-IV** Review of Presious Plans, the current five Year Plan, major Policy, Resources Allocation.	
5	**UNIT-V** International Environment : international trading environment (overview); Trends in world trade and the problems of developing countries; Foreign trade and economic growth; International economic groupings; International economic institutions - GATT, WTO World Bank, IMF; FDI, Counter trade.	

Class : B.com part -2

Subject : Corporate accounting

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Issue, Forfeiture, and Re-issue of Shares : Redemption of preference shares; Issue and redemption of debentures.	student will gain knowledge of Issue, Forfeiture, and Re-issue of Shares
2	**UNIT-III** Valuation of Goodwill Valuation of share	student will gain knowledge of corporate goodwill
3	**UNIT-II** Final Accounts; Excluding computation of managerial remuneration, and disposal of profit, Liquidation of Company. Final Account of Banking Companies.	student will have To understand and preparation of final accounts of Companies.

4	**UNIT-IV** Accounting for Amalgamation of Companies as per Indian Accounting Standard 14; Accounting for internal reconstruction - excluding intercompany holdings and reconstruction schemes.	To know how IV Accounting for Amalgamation of Companies as per Indian Accounting Standard 14.
5	**UNIT-V** Consolidated Balance Sheet of holding companies with one subsidiary only.	student will gain knowledge of holding companies with one subsidiary only.

Class : B.com part -2

Subject : Company Law

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Corporate personalities; Kinds of Companies, Nature & Scope, promotion on and incorporation of companies.	To know basic Knowledge of new companies act 2013.
2	**UNIT-II** Memorandum of Association; Articles of Association; Prospectus, Shares; share capital - transfer and transmission.	To understand and explore knowledge of various provision of companies instrument i.e. Memorandum of Association Prospectus,
3	**UNIT-III** Capital management - borrowing powers, mortgages and charges, debentures. Directors - Managing Director, whole time director, Appointment, Remuneration, and duties.	To understand and know about Capital management of companis.
4	**UNIT-IV** Company meetings - kinds, Notice, quorum, voting, proxy, resolutions, minutes.	to know procedure of Company meetings.
5	**UNIT-V** majority powers and minority rights; Prevention of oppression and mismanagement. Winding up - kinds and conduct. SUGGESTED	Understand majority powers and minority rights of stakeholders.

Class : B.com part -2

Subject : Principle of Management

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introduction : Concept, nature, process, and significance of management; management roles (Mintzberg); An overview of functional areas of management; Development management thought; Classical and neo-classical systems; Concept approaches.	To Knowledge fundamental of Management.
2	**UNIT-II** Planning : Concept, process and types. Decision making - concept and Bounded rationality; Management by objectives; Corporate planning; Environment analysis and diagnosis; Strategy formulation.	to knowledge basic concepts of management of planning.
3	**UNIT-III** Organizing : Concept, nature, process and significance; Authority and resident relationships; Centralization and centralization; Departmentation; Organization structure - forms and contingency factors.	To understand Organizational behavior.
4	**UNIT-IV** Motivating and Leading People at work : Motivation - concept; Theories Herzberg, McGregor, and Ouchi; Financial and non- financial incentives. Leadership - concept and leadrship styles; Leadership theories (Tannenb Schmidt.); Likert's System Management;	To understand leadership and motivation.
5	**UNIT-V** Managerial Control : Concept and process; Effective control system; Technical control - traditional and modern. Management of Change : Concept, nature, and process of planned Resistance to change; Emerging horizons of management in a environment.	student will gain knowledge of managerial control.

Class : B.com part -2

Subject : Business statistics

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introduction : Statistics as a subject; Descriptive Statistics - compared to Inferential Statistics; Types of data; Summation operation; Rules of Sigma E operations, Analysis of University Data; Construction of a frequency distribution; Concept of central tendency.	Student will Helpful in statistical analysis suchas data collection ,Investigation,Tabulation ,sampling and classification.
2	**UNIT-II** Dispersion - and their measures; Partition values; Moments; Skewness and measures; Kurtosis and measures.	Student will Helpful in statistical analysis suchas data collection ,Investigation,Tabulation ,sampling and classification.
3	**UNIT-III** Analysis of Bivariate Data : Linear regression two variables and correlation.	Student will Helpful in statistical analysis suchas data collection ,Investigation,Tabulation ,sampling and classification.
4	**UNIT-IV** Index Number; Meaning, types, and uses; Methods of Constructing price and quantity indices (simple and aggregate); Tests of adequacy; Chain - base index numbers; Base shifting, splicing and deflating; Problems in constructing index numbers; Consumer price index. Analysis of Time Series : Cause of Variation in time series data; Components of a time series; Decomposition - Additive and Multiplicative models; Determination of trend - Moving Averages Method and method of least squares (including linear, second degree, parabolic, and exponential trend); Computation of seasonal indices by simple averages, ratio - to - trend, ratio - to - moving average, and link relative methods.	Student will Helpful in statistical analysis suchas data collection ,Investigation,Tabulation ,sampling and classification.
5	**UNIT-V** Forecasting and Methods : Forcasting - concept, types and importance; General approach to forecasting; Methods of forecasting; demand; Industry Vs Company sales forecast; Factors affecting company sales. Theory of Probability : as a concept; The three approaches to defining probability; Addition and multiplication laws of probability; Conditional Probability; Bayes' Theorem; Expectation and Variance of a random variable.	student will gain knowledge of various Forcasting method.

Class : B.com part -2
Subject : Cost accounting

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introduction : Nature and scope of cost accounting ; Cost concepts and classfication; Methods and techniques; Installation of costing system; Concept of cost audit. Accounting for Material : Material Control; Concept and techniques; Pricing of material issues; Treatment of material losses.	Students will gain knowledge to the basic concepts and the tools used in costaccounting.
2	**UNIT-II** Accounting for Labour : Labour cost control procedure; Labour turnover; Idle time and overtime; Methods of wage payment - time and piece rates; Incentive schemes. Accounting for overheads; Classification and departmentalization; Absorption of overheads; Determination of overhead rates; Under and over absorption, and its treatment.	Student will have understanding of various Accounting for Material,Labour and Overhead.
3	**UNIT-III** Cost Ascertainment : Unit costing; Job, batch and contract costing.	To understand Cost Ascertainment.
4	**UNIT-IV** Operating costing; Process Costing - excluding inter - process profits, and joint and by - products.	To know about Operating costing.
5	**UNIT-V** Cost Records : Intergal and non - integral system; Reconciliation of cost and financial accounts; Break Even Point.	student will gain knowledge of Cost Record.

Class : B.com part -2
Subject : Company Law

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
	UNIT-I	

1	Corporate personalities; Kinds of Companies, Nature & Scope, promotion on and incorporation of companies.	To know basic Knowledge of new companies act 2013.
2	**UNIT-II** Memorandum of Association; Articles of Association; Prospectus, Shares; share capital - transfer and transmission.	To understand and explore knowledge of various provision of companies instrument i.e. Memorandum of Association Prospectus,
3	**UNIT-III** Capital management - borrowing powers, mortgages and charges, debentures. Directors - Managing Director, whole time director, Appointment, Remuneration, and duties.	To understand and know about Capital management of companis.
4	**UNIT-IV** Company meetings - kinds, Notice, quorum, voting, proxy, resolutions, minutes.	to know procedure of Company meetings.
5	**UNIT-V** majority powers and minority rights; Prevention of oppression and mismanagement. Winding up - kinds and conduct. SUGGESTED	Understand majority powers and minority rights of stakeholders.

Class : B.com part -3

Subject : Auditing

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Introduction : Meaning and objectives of auditing; Types of audit; Internal audit. Audit Process : Audit programme; Audit note books; Working papers and evidences.	To Understand imparting knowlege about the principles and methods of auditing and their applications.
2	**UNIT-II** Internal Check System : Internal control. Audit Procedure : Vouching : Verification of assets and liabilities.	To Understand imparting knowlege about the II Internal Check System and audit procedure.
3	**UNIT-III** Audit of Limited Companies : a. Company auditor - Appointment, powers, duties, and liabilities. b. Divisible profits and dividend.	To Understand imparting knowlege about the principles

3	c. Auditor's report - standard report and qualified report. d. Special audit of banking companies. e. Audit of educational institutions. f. Audit of Insurance companies.	and methods of auditing of Limited Companies.
4	**UNIT-IV** Investigation : Investigation; Audit of non profit companies, a. Where fraud is suspected, and b. When a running a business is proposed. c. Varifications & Valuation of assets.	To explore knowledge of Investigation.
5	**UNIT-V** Recent Trends in Auditing : Nature and significance of cost audit; Tax audit; Management audit. Company auditing - Qualification, Appointment, Resignation and liabilities.	To Understand imparting knowlege about Recent Trends in Auditing.

Class : B.com part -3

Subject : Management accounting

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Management Accounting : Meaning, nature, scope, and functions of management accounting; Role of managment accounting in decision making; Management accounting vs financial accounting; Tools and techniques of management accounting; Financial statement; Objectives and methods of financial statements analysis; Ratio analysis; Classification of ratios - Profitability ratios, turnover ratios, liquidity ratios, turnover ratios; Advantages of ratio analysis; Limitations of accounting ratios.	Knowing operational research through development of quality accounting in managerial decision in different industries and concern.
2	**UNIT-II** Funds Flow Statement as per Indian Accounting Standard 3, cash flow statement.	to knowledge basic financial statement of management
3	**UNIT-III** Absorption and Marginal Costing : Marginal and differential costing as a tool for decision making - make or buy; Change of product mix; Pricing, Break-even analysis; Exploring new markets; Shutdown decisions.	To understand Organizational behavior and decision making quality.
	UNIT-IV	

4	Budgeting for profit Planning and control : Meaning of budget and budgetary control; Objectives; Merits and limitations; Types of budgets; Fixed and flexible budgeting; Control ratios; Zero base budgeting; Responsibility accounting; Performance budgeting.	To understand and discribes Budgeting for profit Planning and control
5	**UNIT-V** Standard Costing and Variance Analysis : Meaning of standard cost and standard costing; Advantages and application; Variance analysis - material; Labour and overhead (Two-way analysis); Variances.	To analyse Standard Costing and Variance Analysis.

Class : B.com part -3

Subject : Income Tax law and accounts

sr	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Basic Concepts : Income, agricultural Income, casual income, assessment year, previous year, gross total income, total income, person. Basis of charge : Scope of total income, residence and tax liability, income which does not form part of total income.	To understand and introduce the Income tax act 1961 and its basic terminology.
2	**UNIT-II** Heads of Income : Salaries; Heads of Income : Income from house property.	to know calculation of taxable income of various heads.
3	**UNIT-III** Profit and gains of business or profession, including provisions relating to specific UNIT-III Profit and gains of business or profession, including provisions relating to specific business;business; Capital gains, Income from other sources.	to know calculation of taxable income of various heads.
4	**UNIT-IV** Computation of Tax Liabilty : Set-off and carry forward of losses; Deduction from gross total income. Aggregation of income; Computation of total income and tax liability of and individual,H.U.F., and firm.	to know calculation of taxable income and tax liability of various heads.

5	**UNIT-V** Tax Management : Tax deduction at source; Advance payment of tax; Assessment procedures; Tax planning for individuals. Tax evasion, Tax Avoidance and Tax planning. Tax Administration : Authorities, appeals, penalties. Suggested	To aware Tax management of income tax .

Class : B.com part -3

Subject : Indirect Tax

S.N.	unit wise proposed syllabus	unit wise course outcome
1	**UNIT-I** Central Excise : Nature and scope of Central Excise; Important terms and definitions under the Central Excise Act; UNIT-I General procedures of central excise; Clearance and excisable goods; Concession to small scale industry under Central Excise Act.	Student will be acquinted to Central Excise act.
2	**UNIT-II** State Excise, CENVAT. Detail study of State Excise during calculation of Tax.	Student will be acquinted to Central Excise act.
3	**UNIT-III** Customs : Role of customs in international trade; Important terms and definitions goods; Duty; Exporter; Foreign going vessel; Aircraft goods; Import; Import Manifest; Importer; Prohibited goods; Shipping bill; Store; Bill of lading; Export manifest; Letter of credit; Kinds of duties - basic, auxillary, additional or coutervailing; Basics of levyadvalorem, specific duties; Prohibition of export and import of goods, and provisions regarding notified & specified goods; Import of goods - Free import and restricted import; Type of import - import of cargo, import of personal baggage, import of stores. Clearance Procedure - For home consumption, for warehousing for re-export; Clearance procedure for import by post; Prohibited exports; Canalised exports; Export against licensing; Type of exports export of cargo, export of baggage; Export of cargo by land, sea, and air routes.	Student will get and understansding and knowledge of central custom act.
	UNIT-IV Central Sales Tax : Important terms and difinitions under the Central Sales Tax Act	

4	1956 - Dealer, declared good, place of business, sale, sale price, turnover, year, appropriate authority; Nature and scope of Central Sales Tax Act; Provisions relating to inter-state sales; Sales in side a state; Sales/purchase in the course of imports and exports out of India. Registration of dealers and procedure thereof; Rate of tax; Exemption of subsequent sales; Determination of turnover.	Student will get and understansding and knowledge of central sales tax act.
5	**UNIT-V** State Commercial Tax (Chhattisgarh) Definition, Registration, Tax liability, Procedure of Computation & Collection of Tax, Penalties & Prosicution calculation of Tax. VATPreliminary Knowledge.	Student will get and understansding and knowledge of state commercial tax act.

P**so**s : DEPARTMENT OF COMMERCE

Psos1:	To Impart basic accounting knowledge as applicable to business.	
Psos2:	To enable the students to have such minimum knowledge of Mathematics as is applicable to	business and economic situations.
Psos3:	To develop effective business communication skills among the students.	
Psos4:	To provide a brief idea about the framework of Indian business laws.	
Psos5:	This course is meant to acquaint the students with the principles of Business Economics as are	applicable in business.
Psos6:	course enable the students to develop awareness about corporate accounting in conformity	with the provisions of companies Act.
Psos7:	exposes the students to the basic concepts and the tools used in cost accounting. Psos8:	This programme familiarizes the students with the basics of principles of management.
Psos9:	This course is to provide basic knowledge of the provision Companies Act. 1956, along with	relevant case law.
Psos10:	Enable the students to gain understanding of statistical techniques as are applicable to	business.
Psos11:	Knowledge of taxation, Management,and leadership quality.	

Psos12:	Programme will beneficial for employments such as tax consultant,i.e.CA,CS,ICWA etc. banking,Insurance,Marketing,Individual

COURSE OUTCOMES (UNITWISE)

एम.ए.हिन्दी, प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–चतुर्थ, आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkbi&1 नाटक– 1. चन्द्रगुप्त–जयशंकर प्रसाद 2. हानुश–भीष्म साहनी	'चन्द्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु तथा नाटक के तत्वों के आधार पर समीक्षा	1. 'गोदान' में वर्गहीन समाजवादी समाज की स्थापना का संदेश तथा शांति और सच्चे सुख के आने की मंगल संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत होते हैं। 2. इस उपन्यास से हर्षकालीन समाज की ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी प्राप्त होती है तथा इस युग के रीति रिवाजों धार्मिक परम्पराओं से विद्याार्थी परिचित हुए।
bdkbi&2 निबंध– 1. चढ़ती उमर 2. कविता क्या है? 3. माटी की मूरतें 4. चन्द्रमा मनसो जातः 5. वैष्णव की फिसलन	1. इस इकाई में इन निबंधो के सारांश से अवगत हुए साथ ही चढ़ती उमर में बालकृष्ण भट्ट ने हृदयगत संवेदनाओं को व्यक्त किया है। 2. कविता क्या है में शुक्ल जी ने कविता के नाना रूपों से एकता स्थापित करने का साधन बताया। 3. माटी की मूरतें में रामवृक्ष बेनीपुरी ने ग्रामीण लोगों की जीवन रहन–सहन से परिचय कराया। 4. चन्द्रमा मनसो जातः में मिश्र जी ने चन्द्रमा के विषय में विस्तार प्रकाश डाला है। 5. वैष्णव का फिसलन में परसाई जी ने वैष्णव धर्म को मानने वाले पर व्यंग्य व्यक्त किया।	इस निबंधों के सारांश से विद्यार्थी को लाभ प्राप्त होता है। इसमें कविता व्यक्तियों का आवश्यक अंग बन गया है। माटी की मूरतें से सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, नैतिक समस्याओं से अवगत हुए तथा चन्द्रमा मनसो जातः में चन्द्रमा के जन्म कर्म से अवगत होते हैं। वैष्णव की फिसलन निबंध में अपने धर्म को त्यागकर अन्य धर्मों की बातों को ग्रहण किया है जिनका तीखा व्यंग्य मिलता है।
bdkbi&3 कहानी–	इस इकाई के कहानी की कथावस्तु तथा कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा की गई। 1. उसने कहा था में मानवीय अनुभूतियों को जगाना तथा चरित्र के आदर्श की प्रतिष्ठा से अवगत हुए ।	

1. उसने कहा था 2. पुरस्कार 3. ईदगाह 4. वापसी 5. बादलों के घेरे	2. पुरस्कार कहानी में व्यक्तिगत प्रेम और देशप्रेम दोनों की जानकारी दी। 3. ईदगाह की कहानी में हिन्दी (हिन्दु) पाठकों के सामने सदियों से उसी के साथ जीने वाले धर्म (मुसलमान) की संवेदनाओं की जानकारी दी । 4. वापसी में नयी और पुरानी पीढ़ी के मध्य सामंजस्य के स्थान पर मूल्यों के विघटन के बारे में जाना साथ ही 5. बादलों के घेरे में जीवन के विविध रंग और चेहरे, समकालीन समाज के सच से अवगत होते हैं।	'उसने कहा था' कहानी से मानवीय अनुभूति तथा चरित्र के आदर्श से विद्यार्थी को प्रेरणा मिलती है। साथ ही पुरस्कार कहानी से आदर्श प्रेम, कर्त्तव्यनिष्ठा, देशप्रेम से अवगत हुए । 'ईदगाह' कहानी से परिवेशगत विशेषता तथा बाल मनोविज्ञान के प्रसंगों का ज्ञान प्राप्त होता है। 'वापसी' में आधुनिक युग की परिवर्तित परिस्थितियों से अवगत हुए तथा बादलों के घेरे कहानी से सामाजिक परिवर्तन के द्वंद की जानकारी मिलती है।

E OUTCOMES (UNITWISE)

एम.ए.हिन्दी, प्रथम सेमेस्टर

प्रथम, आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 आदिकाल इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याओं का ऐतिहासिक परिचय देना तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण एवं नामकरण की समस्या का विश्लेषण	इस इकाई से हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्या से अवगत हुए साथ ही हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्या से विद्यार्थी परिचित हुए।
bdkb&2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि	हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा रासो काव्स, सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत कराते हुए आदिकालीन काव्य धाराऐं, प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय कराया गया।	हिन्दी के आदिकाल के विभिन्न परिस्थितियों एवं प्रमुख प्रवृत्तियों, रासो काव्य परम्परा, सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य के महत्व से अवगत हुए एवं इस काल की विभिन्न काव्य धाराओं प्रतिनिधि रचनाकारों के बारे में विद्यार्थियों को विशेष जानकारी प्राप्त हुई।
bdkb&3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)	भक्तिकाल की सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं काव्य धारायें निर्गुण, सगुण भक्तिधारा, संत काव्य, सामान्य प्रवृत्तियों की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जानकारी दी।	हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल का आर्विभाव विभिन्न परिस्थितियों से होती है तथा इन समकालीन परिस्थितियों ने भक्तिकाल के साहित्य को किस तरह प्रभावित किया इनकी जानकारी दी एवं इस काल की प्रवृत्तियां विभिन्न काव्य तथा उनकी वैशिष्ट्य धाराओं से विद्यार्थी को विशेष ज्ञान प्राप्त होता है।

bdkb&4 सूफी प्रेमाख्यानक काव्य	सूफी प्रेमाख्यानक काव्य की प्रवृत्तियों का अनुशीलन एवं प्रेमाख्यानक परम्परा और हिन्दी में उसके विकास का अध्ययन कराना/साथ ही रामभक्ति काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य, सामान्य प्रवृत्तियां और दार्शनिक विचारधारायें उपलब्धियों से अभिर्हित हुए।	इस इकाई से भारत में सूफीमत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्वों से अवगत हुए एवं राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येत्तर काव्य, भक्तितर काव्य प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य भक्तिकालीन गद्य साहित्य से अवगत हुए।

एम.ए.हिन्दी, प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–द्वितीय, प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (शशिवृत्ता विवाहखंड)	कवि चंदबरदाई द्वारा रचित पृथ्वीराज रासो (शशिवृत्ता विवाह खंड) ऐतिहासिक रासक शैली में लिखा हुआ एक चरित्र काव्य है, जिसका चरित्र नायक पृथ्वीराज चौहान। पृथ्वीराज चौहान के युद्ध शौर्य के वृत्तों एवं विवाहों तथा अनेक कथा प्रसंगों से कथानक का गठन किया गया है।	पृथ्वीराज रासो काव्य संग्रह पाठकों को भारत की ऐतिहासिक कथा प्रसंगों से जोड़ता है तथा रासो साहित्य, भाषा, नृत्य, गीत एवं विभिन्न प्राचीन घटनाओं से अवगत कराता है।
bdkb&2 कबीर ग्रथावला–सपादक डा. श्यामसुंदर दास (100 साखियां तथा 25 पद)	मानववाद के प्रणेता कबीर का वाणी, कबीर ग्रथावला म संकलित है। कबीर का काव्य असाधारण है। उनका समूचा जीवन सांसारिक वृत्तियों तथा सामाजिक बुराईयों को दूर करने में गया है। कबीर की कविता मौलिकता से परिपूर्ण है।	कबीर ग्रंथावली की प्रत्येक साखियां एवं पद ज्ञानोपदेश से ओत–प्रोत है। उनके विचार से योगाभ्यास, भक्त की दिनचर्या, सत्य वचन, प्रार्थना, नाम, महिमा, सत्य रूप निरूपण, गुरू महिमा, सत्संगि आदि विभिन्न बिंदु से पाठकों को परिचय कराता है।
bdkb&3 मालक माहम्मद जायसा पदमावत्–संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागमति विवाह खंड एवं सिंहलद्वीप)	सूफी कवियों की प्रेम गाथाऐं हिन्दी जगत की अनुपम देन हैं। उनमें जायसी के पदमावत् का शीर्ष स्थान है। नागमती विवाह खंड प्रेम का परिपोषक है। जिसमें सत्य कथालिखी गई। कवि जायसी मुसलमान होते हुए भी हिन्दू राजाओं के बीच अपनी घटनाओं को अपने काव्य में स्थान दिया है। जो अपने आप में सच्चा मानवता का परिचायक है।	पदमावत् प्रेमगाथा काव्यों की समस्त विशेषताओं और परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करता है। जायसी ने हिन्दू मुस्लिम संस्कृतियों, विरहणी की व्यथा घटनाओं की कौतूहलता, वेदान्त और अद्वैतवाद की झलक स्थान–स्थान पर अध्यात्मिक संकेत आत्मा का परमात्मा से मिलन, लौकिक प्रेम गाथा के द्वारा अलौकिक प्रेम का संकेत आदि से पाठक परिचित होते हैं।

एम.ए.पूर्व हिन्दी, प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–तृतीय, छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 साकेत नवम् सर्ग–मैथलीशरण गुप्त	कवि मैथलीशरण गुप्त पुर्नजागरण कालीन काव्य राष्ट्रीयता का संदेश लेकर काव्य जगत में उपस्थित हुआ है। उनकी काव्य संग्रह साकेत की कथावस्तु राम और उनके परिवार की कथा है। गुप्त जी ने परम्परागत रामकथा को आधुनिक जीवन के अनुरूप चित्रित किया हैं आधुनिक कथा की नायिका उर्मिला है। जो कि कथा का आधार स्तंभ है। जिन्हे युग के अनुरूप अभिव्यक्ति प्रदान की गई है।	गुप्तजी ने साकेत में रामकथा को आधुनिक रूप दिया है। कथा में ऐसे प्रसंगों को स्थान मिला है। जो जीवन नितांत नवीन और मौलिक है। गुप्तजी की कविता में समस्यापूर्ति, भाषायी चेतना, राष्ट्रीयता, रीति निरूपण, सामाजिक चेतना, श्रृगारिकता, भक्ति भावना, वैभव विलास आलंकारिता आदि पुर्नजागरण कालीन प्रवृत्तियों की ओर, पाठकों को केन्द्रित करता है।
bdkb&2 कामायनी–(चिंता, श्रद्धा, इड़ासर्ग) जयशंकर प्रसाद	प्रसादकृत कामायनी महान काव्य ग्रंथ है। कामायनी में मनु, श्रद्धा और इड़ा ऐतिहासिक वृत्तांत के साथ–साथ मनुष्य के मनोवैज्ञानिक विकास को भी दर्शाता है। मनु–मन का श्रद्धा हृदय का इड़ा बुद्धि का प्रतीक स्वरूप स्वीकार किया गया है।	किसी भी महाकाव्य की तरह कामायनी में महान कार्य की सिद्धि है। यह कार्य है इच्छा ज्ञान और क्रिया का परस्पर समन्वय, पाठकों में समरसता को जगाती है। समरसता से आनंद की अनुभूति होती है। मानव जीवन की सर्वाधिक विडंबना यह है कि कर्म–ज्ञान और भाव में असामंजस्य बना रहना। अतः वृत्तियों में सामंजस्य बैठाना ही जीवन ही सबसे बड़ी सफलता है। यह ज्ञान हमें कामायनी महाकाव्य के अध्ययन, अध्यापन प्राप्त होता है।
bdkb&3 राम की शक्तिपूजा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (प्रथम 10 छंद)	बहुमुखी प्रतिभा के धनी महाप्राण निराला का काव्य अपनी विविधता में भी एकता समेटे हुए अपनी एकाग्रता में निराली छटा दिखाता है। राम की शक्तिपूजा का कथानक भी अपने आप में इतना रोचक जीवंत और नाटकीय है। पाठकों के अंतकरण पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। एक समय राम को लगता है कि अब सीता का उद्धार कभी न हो सकेगा। परंतु संघर्ष करते हुए विपत्तियों पर विजय प्राप्त करता है।	महाकवि निराला की ओजस्वी रचना राम की शक्तिपूजा आकृति से खण्ड काव्य पर प्रकृति से महाकाव्य है। इसके पठन से जीवनभूति, समृद्ध भाषा शैली, दार्शनिकता, अध्यात्मिक प्रणय भावना, पारिवारिक सामंजस्य, सामाजिक भावना श्रृंगारिकता, भक्ति भावना से पाठक लाभान्वित होंगे।

E OUTCOMES (UNITWISE)

म.ए.हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर

तम, प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkbZ&1 स.हा.वात्स्यायन अज्ञय–नदा क द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, फलगी बाजरे की, उधार, सोन मछली	प्रयोगवादी कवियों में शिरोमणि अज्ञेय जी, आधी पान्त प्रयोगशील रहे हैं। अज्ञेय जी अपनी कविताओं में नव प्रयोग करके पूर्ववर्ती काव्यधारा को नया रूप दिया है। अज्ञेय का समस्त काव्य पूरी तरह से आधुनिक भाव भूमि पर आधारित है, उसकी संवेदना आज के युग से उद्भूत है। उसका विषय विस्तार व्यापक है, जिसके मूल स्तर है–श्रृंगार, प्रकृति और व्यक्ति दर्शन।	अज्ञेय का काव्य अनेकांशों में रसयुक्त है। उसकी बौद्धिकता, प्रतीकात्मकता और गहन दार्शनिकता नवगीत, सामाजिक यथार्थ भाव, जीवन के प्रति आस्था, क्षणवाद, नारी का चित्रण, प्रेम और सौंदर्य, ईश्वर और धर्म, भाषा, आस्था एवं भविष्य के प्रति विश्वास आदि भावों से पाइक लाभान्वित होंगे।
bdkbZ&2 गजानन्द माधव मुक्ति बोध–अंधेर में	यथार्योन्मुख कवि मुक्ति बोध में प्रयोगशीलता एवं प्रगतिशीलता समान रूप से मिलता है। हालांकि अधिकांश आलोचकों ने उन्हे मार्क्सवादी कवि माना है उनकी कविता, अंधेरे में, आत्मबोध की प्राप्ति करना है। अंधकार से प्रकाश में सभी आना चाहते हैं। पर प्रकाश से अंधेरे की ओर प्रस्थान केवल मुक्तिबोध ही सही अर्थों में कर सके हैं।	मुक्तिबोध की अंधेरे में एक ऐसी लम्बी कविता है। जो अपना प्रतिमान स्वयं है यह एक ऐसी कविता है। जो स्वयं को सामाजिक संदर्भों, आत्मकथा संवेदना, चेतन और अवचेतन, निराशा और आशा क्रिया और कर्महीनता, भय और साहस, आत्म संघर्ष, सामाजिक यर्थाथ आदि भावों से पाठक लाभान्वित होंगे।
bdkbZ&3 नागाजुन–बसन्त का अगवाना, कोई आए तुमसे सीखे, शिशिर, विष कन्या, तो फिर क्या हुआ, कोयल आज बोली है, सिन्दूर तिलकित भाल, बादल को घिरते	नागार्जुन प्रगतिवादी काव्यधारा के महान शिल्पकारों में एक है। उनका काव्य विकासशील रहा है। उनकी धुरीजनता का जीवन है। आकांक्षा ही नही आवेश भी है। शाश्वत ही नही तात्कालिक भी हैं विवेक ही नही रोटी और मुक्ति भी है। जनगति ही नागार्जुन की सम्पूर्ण कविता का मूलाधार है।	नागार्जुन जनवादी कवि है। उनकी कविताओं मं देश–प्रेम की भावना प्रगतिवादी चेतना, प्रणय भावना, प्रकृति चित्रण, भावानुकूल भाषा, बिम्ब विधान, शैलियों का प्रयोग, राग विद्रोह आधुनिकता की सच्ची चेतना का ज्ञान पाठकों को कराता है।

एम.ए.हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–शश्ठ्, मध्यकालीन काव्य

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkbZ&1	भ्रमरगीत में सूरदास का उपालम्भ तत्व अत्यत मार्मिक हैं। भ्रमरगीत के अन्तर्गत सगुण की निर्गुण पर विजय दिखाई है। [illegible]	भ्रमरगीत प्रसंग एक अनूठा प्रसंग है। भ्रमरगीत से ज्ञान योग, ब्रम्हा की साधना,

सूरदास–भ्रमरगीत सार–संपादक आ.रामचंद्र शुक्ल (50पद) भक्तिकाल की सुप्रसिद्ध चार काव्य शाखाओं में सूरदा कृष्णमार्गी काव्यशाखा के	है। उद्धव तो अपने निर्गुण ब्रह्मज्ञान और योग कथा द्वारा गोपियों को प्रेम से विरकक्त करना चाहते हैं और गोपियाँ अपनी विवशता और दीनता का निवेदन करती है। गोपियां कई स्थान पर विरह का अनुभूति कराते हुए कटुक्ति पूर्ण कथन कहती है।	सहृदयता और भावुकता, अविश्वास अथवा संदेह, वचन वैचिण्य, विनोद, उपहास, श्रीकृष्ण का बालहट, वातावरण प्रति उपेक्षा, वात्सल्य का वियोग पक्ष, गुरू दीक्षा आदि की शिक्षा मिलती है।
bdkb&2 तुलसीदास–रामचरितमानस (सुंदरकांड)	भक्तिकाल की सगुण धारा की रामभक्ति शाखा की जानकारी, तुलसीदास के व्यक्तित्व–कृतित्व दार्शनिक विचारधारा, द्वैतवाद, अद्वैतवाद, शुद्ध दैतवाद, देवी देवताओं की वन्दना, रामचरित मानस के सुंदरकांड के साथ–साथ संपूर्ण रामचरितमानस की संक्षिप्त सारांश से परिचित होंगे।	तुलसीदासकृत रामचरित मानस सुंदरकांड अध्ययन अध्यापन से सगुण निर्गुण का समन्वय, शैव नर एवं नारायण का परिचय, दार्शनिक विचारों, भक्ति का स्वरूप, नारी के प्रति दृष्टिकोण, प्रकृति चित्रण, भाषा, रस, छंद अलंकार से लाभान्वित होंगे।
bdkb&3 बिहारी–बिहारी रत्नाकर–संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)	रीतिकालीन श्रृंगारिक कवियों में श्रेष्ठ बिहारीकृत बिहारी रत्नाकर के अध्ययन से पाठक रीतिकाल श्रृंगारकाल, रीतिद्धि, रीति बद्ध, रीति मुक्त काव्यधारा से परिचित होंगे साथ ही रीतिकाल में राजाओं का आपस में समन्वय की भावना, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक प्रवत्तियों से पाठक परिचित होंगे।	बिहारीकृत बिहारी रत्नाकर के अध्ययन से प्रासंगिक कथाओं की जानकारी रसात्मक वर्णन श्रृंगार वर्णन, बारहमास वर्णन, सामाजिक राजनैतिक, साहित्यिक, धार्मिक, पृष्ठभूमि आदि रीतिकालीन परिदृश्य से पाठक लाभान्वित होंगे।

एम.ए.हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–पंचम, उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 उत्तरमध्यकाल	हिन्दी साहित्य के इतिहास में उत्तर मध्यकाल संवत् 1650से लेकर 1900 तक की कालावधि के साहित्य के अंतर्गत उसकी काल सीमा नामकरण प्रवृत्तियों एवं विभिन्न धाराओं तथा विशेषताओं के साथ ही प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाओं की जानकारी प्रदान करना।	विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के रीतिकाल की विभिन्न धाराओं एवं रचनाकार एवं उनकी अनेक रचनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&2 आधुनिककाल	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल का सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुर्नजागरण, भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताओं की जानकारी प्रदान करना।	इस इकाई से विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की विभिन्न परिस्थितियों तथा सन् 1857 ई. की राज्य क्रांति और पुर्नजागरण एवं भारतेन्दु युग के प्रमुख साहित्यकार तथा उनकी रचनाओ से अवगत होते हैं।

bdkb&3 द्विवेदी युग	हिन्दी साहित्य के द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषतायें तथा छायावाद का नामकरण और प्रवृत्तियां साथ ही प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताओं । छायावादोत्तर काल की प्रमुख प्रवृत्तियां तथा प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीतवाद एवं समकालीन कविता, साथ ही स्वच्छन्दतावाद से अभिहित की गई।	इसमें द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताओं तथा छायावाद का नामकरण उनकी साहित्यिक विशेषता साहित्यकार एवं छायावादोत्तर काल की प्रवृत्ति, प्रगतिवाद नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता स्वच्छंदतावाद की जानकारी प्राप्त की।
bdkb&4 हिन्दी गद्य का विकास	आधुनिक काल में हिन्दी की गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्भव और विकास का अध्ययन एवं उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्स प्रवृत्ति तथा निबंध नाटक का उद्भव और विकास एवं सामान्य प्रवृत्तियां साथ ही गीतिनाटकों का परिचयात्मक विवेचना।	आधुनिक युग में हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं के विकास की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

एम.ए.हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–अश्टम्, आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 उपन्यास– 1. गोदान–प्रेमचंद 2. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्रसाद द्विवेदी	1. गोदान उपन्यास की कथावस्तु, उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा करना। गोदान के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक सामंती पूंजीवाद शोषक की प्रताड़नाओं का वास्तविक चित्रण से अवगत कराना। 2. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के कथानक के द्वारा प्रेम और नारी के स्वरूपों की नवीन जानकारी प्रदान की।	1. 'गोदान' में वर्गहीन समाजवादी समाज की स्थापना का संदेश तथा शांति और सच्चे सुख के आने की मंगल संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत होते हैं। 2. इस उपन्यास से हर्षकालीन समाज की ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी प्राप्त होती है तथा इस युग के रीति रिवाजों धार्मिक परम्पराओं से विद्याार्थी परिचित हुए।
bdkb&2	1. इस इकाई में इन निबंधो के सारांश से अवगत हुए साथ ही चढ़ती उमर में बालकृष्ण भट्ट ने हृदयगत संवेदनाओं को व्यक्त किया है।	

निबंध– 1. चढ़ती उमर 2. कविता क्या है? 3. माटी की मूरतें 4. चन्द्रमा मनसो जातः 5. वैष्णव की फिसलन	2. कविता क्या है में शुक्ल जी ने कविता के नाना रूपों से एकता स्थापित करने का साधन बताया। 3. माटी की मूरतें में रामवृक्ष बेनीपुरी ने ग्रामीण लोगों की जीवन रहन–सहन से परिचय कराया। 4. चन्द्रमा मनसो जातः में मिश्र जी ने चन्द्रमा के विषय में विस्तार प्रकाश डाला है। 5. वैष्णव का फिसलन में परसाई जी ने वैष्णव धर्म को मानने वाले पर व्यंग्य व्यक्त किया।	इस निबंधों के सारांश से विद्यार्थी को लाभ प्राप्त होता है। इसमें कविता व्यक्तियों का आवश्यक अंग बन गया है। माटी की मूरतें से सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, नैतिक समस्याओं से अवगत हुए तथा चन्द्रमा मनसो जातः में चन्द्रमा के जन्म कर्म से अवगत होते हैं। वैष्णव की फिसलन निबंध में अपने धर्म को त्यागकर अन्य धर्मों की बातों को ग्रहण किया है जिनका तीखा व्यंग्य मिलता है।
bdkb&3 कहानी– 1. उसने कहा था 2. पुरस्कार 3. ईदगाह 4. वापसी 5. बादलों के घेरे	इस इकाई के कहानी की कथावस्तु तथा कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा की गई। 1. उसने कहा था में मानवीय अनुभूतियों को जगाना तथा चरित्र के आदर्श की प्रतिष्ठा से अवगत हुए । 2. पुरस्कार कहानी में व्यक्तिगत प्रेम और देशप्रेम दोनों की जानकारी दी। 3. ईदगाह की कहानी में हिन्दी (हिन्दु) पाठकों के सामने सदियों से उसी के साथ जीने वाले धर्म (मुसलमान) की संवेदनाओं की जानकारी दी । 4. वापसी में नयी और पुरानी पीढ़ी के मध्य सामंजस्य के स्थान पर मूल्यों के विघटन के बारे में जाना साथ ही 5. बादलों के घेरे में जीवन के विविध रंग और चेहरे, समकालीन समाज के सच से अवगत होते हैं।	'उसने कहा था' कहानी से मानवीय अनुभूति तथा चरित्र के आदर्श से विद्यार्थी को प्रेरणा मिलती है। साथ ही पुरस्कार कहानी से आदर्श प्रेम, कर्त्तव्यनिष्ठा, देशप्रेम से अवगत हुए । 'ईदगाह' कहानी से परिवेशगत विशेषता तथा बाल मनोविज्ञान के प्रसंगों का ज्ञान प्राप्त होता है। 'वापसी' में आधुनिक युग की परिवर्तित परिस्थितियों से अवगत हुए तथा बादलों के घेरे कहानी से सामाजिक परिवर्तन के द्वंद की जानकारी मिलती है।

एम.ए.हिन्दी, तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–द्वितीय, भाषा विज्ञान

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 भाषा और भाषा विज्ञान, परिभाषा, अभिलक्षण भाषा, व्यवस्था एवं स्वरूप	मानव अपने भावों को व्यक्त करने के लिए जिस सार्थक मौखिक साधन को अपनाता है, वह भाषा है। यद्यपि संकेत आदि के द्वारा भी कुछ भावों की अभिव्यक्ति हो जाती है। मनन, चिन्तन, विचार का साधन भी भाषा है। व्यवहारिक दृष्टि से भाषा की उपयोगिता स्वीकार करने हेतु अनेक जिज्ञासाओं का उठना स्वाभाविक है। इनको तृप्त करने के उद्देश्य से भाषा–अभिलक्षण व्यवहार, संरचना, स्वरूप, दिशा, वर्णनात्मक ऐतिहासिक का अध्ययन।	भाषा विज्ञान में भाषा एक जटिल विषय है। इसके अध्ययन से भाषा की भौगोलिक स्थिति, शुद्धता, व्याकरण, शिक्षा संसाधन, भाषा के प्रति अंध भक्ति, जनभाषा में सजीवता, संकीर्णता, विभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, साहित्य भाषा की जानकारी पाठकों को प्राप्त होगी।
bdkb&2 स्वन प्रक्रिया	स्वन प्रक्रिया प्रत्येक ध्वनि के ठीक–ठीक उच्चारण स्थान और प्रयत्न को बतलाता है। इसके अन्तर्गत स्वन विज्ञान का स्वरूप, शाखा, कार्य, वर्गीकरण, अवधारणा, गुण, स्वनिक परिवर्तन की जानकारी प्रदान की जाती है।	1. ध्वनि विज्ञान में तीन बातें मुख्य रूप से सिखायी जाती है– 1. विश्लेषण 2. वर्णन 3. वर्गीकरण 2. स्वन विज्ञान विभिन्न भाषाओं के परस्पर सम्बंध को स्पष्ट करता है एवं ध्वनि परिवर्तन ध्वनि विकास के साथ साथ मानव की प्रगति या अवनति का इतिहास बनाता है। इसके अध्ययन से पाठकों को शुद्ध उच्चारण और लेखन में सहायता मिलती है।
bdkb&3 रूप विज्ञान	रूप विज्ञान का पद विज्ञान भी कहा जाता है। इसमें पद और रूप का अध्ययन होता है। इसके अंतर्गत रूप विज्ञान, स्वरूप, शाखा, अवधारणा, अर्थदर्शी, सम्बंधदर्शी, रूपिम के भेद, वाक्य विश्लेषण अवयव विश्लेषण की जानकारी दी जाती है।	रूप विज्ञान के अध्ययन विश्लेषण से पाठकों को बलाघात, स्वराघात, ध्वनि परिवर्तन, नवीन उपमान, बहु प्रचलित रूपों का प्रयोग, हस्तीकरण, दीर्घीकरण, लोप और आगम प्रयत्न लाघव, शीघ्र उच्चारण, संज्ञा रूपों आदि का ज्ञान प्राप्त होगा तथा लाभान्वित होंगे।
bdkb&4 अर्थ विज्ञान	भाषा के अर्थ पक्ष को वैज्ञानिक अध्ययन विश्लेषण का नाम ही अर्थ विज्ञान है। अर्थ विज्ञान में शब्दार्थों का अध्ययन के साथ–साथ अर्थ का स्वरूप क्या है? शब्दार्थ संबंध, अर्थ का ज्ञान, संकेत ग्रह, अर्थ बोध के साधन क्या हैं? अनेकार्थवाची, अर्थ परिवर्तन के कारण, दिशायें, बौद्धिक नियम, शब्दार्थ परिवर्तन सम्बंधी सिद्धांत को बतलाया जाता है।	अर्थ विज्ञान के अध्ययन–अध्यापन से पाठकों में एक नई चेतना–ऊर्जा का संचार होगा जैसे आत्म अनुभव, पर अनुभव, अनुवाद प्रक्रिया, एकार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द, वाक्य प्रयोग, प्रकरण, बल का अवसरण परिवेश, भिन्नता, नम्रता प्रदर्शन, संक्षेपण की प्रवृत्ति, आलंकारिक एवं लाक्षणिक शब्द प्रतीकात्मकता आदि की जानकारी मिलती है तथा पाठक लाभान्वित होंगे।

एम.ए.हिन्दी, तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–प्रथम, साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचनाभाास्त्र

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 भारतीय काव्य शास्त्र	भारतीय काव्य शास्त्र, काव्य लक्षण, काव्य हेतु काव्य प्रयोजन और काव्य प्रकार, रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग से पाठक परिचित होंगे।	भारतीय काव्य शास्त्र, काव्य हेतु, अभिप्राय, व्यवहारिक ज्ञान, काव्य का वर्गीकरण, रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के अंग आदि जानकारी दी जायेगी एवं लाभान्वित होंगे।
bdkb&2 अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत	भारतीय काव्य शास्त्र में अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के मत की जानकारी एवं उपयोग, उत्पत्ति, स्वरूप, समीक्षा से पाठक परिचित होंगे।	अलंकार सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, रीति भेद निरूपण, शैली, वक्रोक्ति क्या है? अभिव्यंजना का स्वरूप, विभिन्न आचार्यों के मत से छात्र लाभान्वित होंगें।
bdkb&3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के अंतर्गत प्लेटो काव्य सिद्धांत एवं अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोजाइनस उदात्त की अवधारणा से छात्र परिचित होंगे।	पाश्चात्य काव्य शास्त्र में अरस्तु एवं प्लेटो का परिचय, विचारधारा, काव्य कला संबंधी विचाार, अनुकृति विधि, अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत एवं उदात्त की अवधारणा से पाठक लाभान्वित होंगे।

एम.ए.हिन्दी, चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–शश्ठ, हिन्दी भाषा

इकाई	उद्देश्य	लाभ
bdkb&1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाऐं	हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अन्तर्गत वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, विशेषतायें, मध्यकालीन आर्यभाषा, पालि, प्राकृत शौरसेनी, अपभ्रंश का उदभव, विकास, विशेषताएं, आधुनिक भारतीय भाषायें और वर्गीकरण की जानकारी पाठकों को दी जायेगी।	वैदिक भाषा तथा लौकिक भाषा, व्याकरिणक स्वरूप, पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अपभ्रंश, व्याकरणिक विशेषतायें तथा आधुनिक भारतीय भाषा का पाठकों को ज्ञान प्राप्त होगा।
bdkb&2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार	हिन्दी भाषा का भौगोलिक विस्तार के अंतर्गत उपभाषायें–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, ख़ड़ी बोली, ब्रज, अवधी की विशेषतायें से पाठक परिचित होंगे।	हिन्दी उपभाषायें के अध्ययन–अध्यापन से पाठकों को पश्चिमी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, हिन्दी की व्याकरणिक विशेषतायें उद्भव व विकास तथा खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की उद्भव विकास एवं व्याकरण का स्वरूप से छात्र परिचित होंगे तथा लाभान्वित होंगे।

bdkb&3 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधायें	हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर की सुविधायें शीर्षक के अंतर्गत कम्प्यूटर में आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोषक, मशीनी अनुवाद, देवनागरी लिपि, विशेषतायें, मानकीकरण आदि से पाठक परिचित होंगे।	वर्तमान विज्ञान के युग में हिन्दी भाषा के अंतर्गत कम्प्यूटर शिक्षा से छात्र आंकड़ा संसाधन, शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद देवनागरी लिपि, विशेषतायें, उद्‌भव–विकास व मानकीकरण से पाठक लाभान्वित होंगे।

एम.ए.हिन्दी, चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–अष्टम, जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

इकाई	उद्‌देश्य	लाभ
bdkb&1 छत्तीसगढ़ी भाषा और भौगोलिक सीमा, व्याकरण, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषतायें	छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ी जनपदीय भाषा के विकास की संभावनायें बढ़ी है। छत्तीसगढ़ी भाषा पाठ्य विषय के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की भौगोलिक सीमा–नामकरण भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताओं से पाठक परिचित होंगे।	छत्तीसगढ़ भाषा, नामकरण भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताओं की जानकारी पाठकों को मिलेगी तथा लाभान्वित होंगे।
bdkb&2 छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियां एवं इतिहास कविता एवं कवि	छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियां के अंतर्गत गाथा युग, भक्ति युग, आधुनिक युग, संतनाम पंथ, प्रथम पड़ाव, द्वितीय पड़ाव, तृतीय पड़ाव तथा छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवियों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होगी।	छत्तीसगढ़ी साहित्य की युगीन प्रवृत्तियों एवं छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवियों से सुंदरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, हरि ठाकुर, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा के व्यक्तित्व, कृतित्व से लाभान्वित होंगे।
bdkb&3 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास	इस इकाई के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी नाटक करमछड़हा नाटक की कथावस्तु, मुख्य पात्र, चरित्र–चित्रण तथा युगीन प्रवृत्तियों एवं आवा उपन्यास के कथानक, नायक–नायिका के चरित्र का चित्रण उपन्यास तथा नाटक के तत्वों से पाठक लाभान्वित होंगे।	

एम.ए. पूर्व इतिहास, प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–द्वितीय

आधुनिक विश्व (1800 से 1920) अनिवार्य

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. विश्व में पूंजीवाद के विकास की अवधारणा 2. साम्राज्यवाद का विकास इंग्लैण्ड और फ्रांस में 3. साम्राज्यवाद का विकास–जर्मनी और जापान में 4. इंग्लैण्ड में उदारवाद का विकास	विश्व में पूंजीवाद के विकास, साम्राज्यवाद का विकास, इंग्लैण्ड और फ्रांस का विश्लेषण कर, साम्राज्यवाद का विकास तथा इंग्लैण्ड में उदारवाद के विकास का वर्णन करना।	विश्व में पूंजीवाद के विकास को समझने में सहायक व इंग्लैण्ड व फ्रांस में साम्राज्यवाद के विकास की जानकारी प्राप्त हुआ तथा इंग्लैण्ड में उदारवाद के विकास की जानकारी में सहायक।
bdkb&2		
5. बिस्मार्क की आंतिरक एवं विदेश नीति 6. कैंसर विलियम द्वितीय जी विश्व राजनीति 7. 1900–1910 तक अंर्तराष्ट्रीय संधियां 8. 1912 तक पूर्वी समस्या–बर्लिन कांग्रेस	बिस्मार्क की आंतरिक एवं विदेश नीति का विवेचन कर कैसर विलियम द्वितीय का विश्व राजनीति पर प्रभाव तथा 1900–1910 तक अंर्तराष्ट्रीय संधियां एवं बर्लिन कांग्रेस का समीक्षा करना।	बिस्मार्क की रक्त और लौह नीति के माध्यम से छात्रों में भी दृढ़ निश्चय लेने की भावना प्रबल हुई तथा उनके विदेश नीति को जानने में सहायक तथा कैंसर विलियम द्वितीय जी का विश्व राजनीति की जानकारी प्राप्त हुई तथा बर्लिन कांग्रेस का जानकारी में सहायक।
bdkb&3		
9. युवा तुर्क आंदोलन 10. प्रथम एवं द्वितीय बाल्कन युद्ध एवं प्रभाव 11. प्रथम विश्वयुद्ध कारण एवं घटनायें 12. प्रथम विश्वयुद्ध परिणाम	युवा तुर्क आन्दोलन, प्रथम व द्वितीय बाल्कन युद्ध के प्रभाव तथा उपलब्धियों को समझाना तथा प्रथम विश्व युद्ध के कारण, घटनायें व परिणाम का वर्णन करना।	युवा तुर्क आन्दोलन के फलस्वरूप छात्रों में भी एकता व अखंडता की रक्षा करने की भावना प्रबल हुई तथा विश्व युद्ध के घटनायें व परिणाम की जानकारी में सहायक।
bdkb&4		
13. पेरिस का शांति सम्मेलन एवं वर्साय की संधि 14. विश्व में साम्राज्यवाद का विकास 15. 1917 की रूसी क्रांति 16. बोल्शेविक क्रांति व लेसन की आर्थिक नीति	पेरिस की क्रांति सम्मेलन, वर्साय की संधि के अंतर्गत विश्व में शांति कायम करना तथा विश्व में समाजवाद का विकास व 1917 की रूसी क्रांति, बोल्शोविक क्रांति तथा लेनिन की आर्थिक नीति का समीक्षा करना।	पेरिस के शांति सम्मेलन के परिणाम स्वरूप विश्व में शांति की स्थापना में सहायक तथा वर्साय की संधि विश्वयुद्ध को समाप्त कर समस्त समस्याओं का अंत करने में सहायक सिद्ध हुआ तथा 1917 की रूसी क्रांति, लेनिन की आर्थिक नीति की जानकारी प्राप्त हुई।
bdkb&5		
17. राष्ट्रसंघ संगठन 18. राष्ट्रसंघ की उपलब्धिंया एवं असफलतायें	राष्ट्रसंघ के संगठन को समझाना तथा राष्ट्रसंघ की उपलब्धियों	राष्ट्रसंघ के फलस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों का शांति के माध्यम से निपटारा

19. प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् विश्व आर्थिक मंदी का उदय 20. न्यूडील	व असफलताओं का वर्णन कर प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् आर्थिक मंदी व न्यूडील की नीति का विश्लेषण करना।	करने में सहायक तथा राष्ट्रसंघ के संगठन की जानकारी प्राप्त हुई। न्यूडील की नीति को समझने में सहायक।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
(प्रश्नपत्र–प्रथम–अनिवार्य) इतिहास पद्धति

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा 2. इतिहास का स्वरूप 3. इतिहास विज्ञान एवं कला के रूप में 4. इतिहास के प्रकार, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, क्षेत्रीय	इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा समझाकर इसके स्वरूप तथा प्रकार का विश्लेषण करना।	इन अध्यायों से छात्रों को इतिहास का अर्थ तथा उसके स्वरूप, विज्ञान एवं कला के रूप में इतिहास तथा इतिहास की विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&2		
5. इतिहास का अन्य सभी सामाजिक विज्ञान विषयों के साथ संबंध भूगोल, राजनीतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र 6. इतिहास का साहित्य के साथ संबंध। 7. इतिहास में तथ्य 8. तथ्यों की व्याख्या	इतिहास का अन्य विषयों के साथ संबंध एवं उनके समन्वय को समझाना तथा इतिहास के तथ्यों को बताकर उसे स्पष्ट करना।	अन्य विषयों के साथ इतिहास के संबंध की जानकारी मिलती है तथा तथ्यों को समझकर इतिहास के घटनाओं एवं इतिहास लेखन में सहायक।
bdkb&3		
9. इतिहास में उपकरण, काल, स्थान, घटना, मानव 10. इतिहास में कारण एवं नियतिवाद 11. इतिहास में वस्तु निष्ठता 12. इतिहास में पूर्वाग्रह	इतिहास के साधनों को समझाकर इतिहास के कारण, नियतिवाद, वस्तनिष्ठता एवं पूर्वाग्रहों का स्पष्टकीकरण	इन माध्यमों से इतिहास विषय के घटनाक्रम को समझने में सरलता होती है।
bdkb&4		
13. इतिहास का चक्रवादी सिद्धांत 14. इतिहास का समाजशास्त्रीय सिद्धांत 15. इतिहास का आदर्शवादी सिद्धांत	इतिहास के अध्ययन हेतु इसके सिद्धांतों के महत्व को समझाना	सिद्धांतों को समझकर इतिहास के घटनाओं, अध्ययन एवं लेखन में सहायक।

16. इतिहास का तुलनात्मक सिद्धांत		
bdkbZ&5		
17. इतिहास का आलोचनात्मक सिद्धांत 18. इतिहास का भौतिकवादी सिद्धांत 19. इतिहास का सापेक्षवादी सिद्धांत 20. इतिहासवाद	विभिन्न सिद्धांतों का इतिहास के अध्ययन में महत्व एवं समीक्षात्मक अध्ययन।	इन सिद्धांतों के अध्ययन से इतिहास के विभिन्न पहलूओं को समझने में सरलता

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

fodYi ¼c½] ,fPNd

ikphu ,oa e/;dkyhu Hkkjr esa ukjh

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		
1. नारी अध्ययन की विचारधारा–उदारवादी, मार्क्सवादी मनोवैज्ञानिक 2. नारी अध्ययन संबंधी स्त्रोत–ऐतिहासिक 3. गैर अभिलेखागारीय स्त्रोत 4. नारी अध्ययन का महत्व एवं उपयोगिता	नारी इतिहास लेखन हेतु आवश्यक विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से नारी की स्थिति का वर्णन करना।	विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से नारियों की नारी इतिहास लेखन को समझने में सहायक
bdkbZ&2		
5. वैदिक साहित्य एवं महाकाव्य में नारी चित्रण 6. मौर्य एवं मौर्योत्तर काल में नारी की स्थिति 7. गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में नारी की स्थिति 8. राजपूत काल में नारी की स्थिति	वैदिक युग, रामायण एवं महाभारत युग, मौर्य, मौर्योत्तर गुप्त, गुप्तोत्तर एवं राजपूत युग में नारी की स्थिति को समझाना	प्राचीन भारत में महिलाओं की विभिन्न दशा की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkbZ&3		
9. बौद्ध धर्म में महिलाओं की स्थिति 10. जैन धर्म में महिलाओं की स्थिति 11. इस्लाम में महिलाओं की स्थिति 12. सिक्ख धर्म में महिलाओं	बौद्ध, जैन, इस्लाम, एवं सिक्ख धर्म में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि स्थितियों की जानकारी प्रदान करना तथा सामाजिक स्पष्टकीरण।	विभिन्न धर्मों एवं समाज में महिलाओं की स्थिति में हो रहे परिवर्तन की जानकारी प्राप्त होती है।

bdkb&4		
13. प्राचीन भारत में महिला शिक्षा 14. मध्यकालीन भारत में महिला शिक्षा 15. प्राचीन भारत में महिलाओं वैधानिक एवं राजनैतिक स्थिति 16. मध्यकालीन भारत में महिलाओं की वैधानिक एवं राजनैतिक स्थिति	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत में नारी शिक्षा एवं प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत में स्त्रियों की वैधानिक एवं राजनैतिक स्थिति की जानकारी देना।	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत में स्त्रियों की शिक्षा एवं उनके वैधानिक तथा राजनैतिक स्थिति में हो रहे परिवर्तन एवं विकास की प्रक्रिया को समझने में सहायक।
bdkb&5		
17. प्राचीन कालीन महत्वपूर्ण महिलायें 18. मध्यकालिन महत्वपूर्ण महिलायें 19. भक्ति आंदोलन एवं महिलायें 20. मध्यकालिन मराठा राजनीति एवं महिलायें	प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास में प्रभावशाली महिलाओं के कार्यों एवं योगदान की जानकारी देना साथ ही भक्ति आंदोलन में भूमिका एवं मध्यकालीन मराठा राजनीति में महिलाओं के योगदान के संदर्भ में जानकारी देना।	प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज में स्त्रियों की भूमिका, राजनीति एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रभावित करने वाली महिलाओं के योगदान को समझने में एवं मराठा राजनीति को प्रभावित करने वाली महिलाओं की जानकारी में सहायक।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
(प्रश्नपत्र–पंचम) इतिहास लेखन

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. यूनानी एवं रोमन इतिहास लेखन 2. चीनी इतिहास लेखन 3. मध्यकालीन यूरोपीय इतिहास लेखन 4. प्रबुद्धतावादी इतिहास लेखन	यूनानी, रोमन, चीनी, मध्यकालिन, प्रबुद्धतावादी, इतिहास लेखन के संदर्भ में समीक्षात्मक वर्णन करना।	यूनानी, रोमन, चीनी, मध्यकालिन, प्रबुद्धतावादी, इतिहास लेखन की इन विभिन्न धाराओं के माध्यम से इतिहास विषय को समझने में सहायक।
bdkb&2		
5. अरबी तथा परशियन (फारसी) इतिहास लेखन 6. प्राचीन भारत में इतिहास लेखन की परंपरा 7. मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन, सल्तनत काल 8. मध्यकालिन भारतीय इतिहास लेखन–मुगलकाल	अरबी, प्राचीन भारत, मध्यकालिन भारत आदि इतिहास लेखन की विभिन्न धाराओं एवं इतिहासकारों की जानकारी प्रदान करना।	विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में इतिहास लेखन एवं घटनाओं की विस्तृत जानकारी के माध्यम से इतिहास को समझने में सरलता।
bdkb&3		

9. भारतीय इतिहास की साम्राज्यवादी व्याख्या 10. भारतीय इतिहास की राष्ट्रवादी व्याख्या	भारतीय इतिहास के संदर्भ में साम्राज्यवादी राष्ट्रवादी मार्क्सवादी, सबाल्टर्न इतिहास लेखन तथा विद्वानों के विचारों का स्पष्टीकरण करना।	इतिहास की विभिन्न अवधारणाओं में माध्यम से ऐतिहासिक दृष्टिकोण को समझने में सहायक।
bdkb&4		
13. भारतीय इतिहास की विषय–वस्तु आर्थिक इतिहास 14. भारतीय इतिहास की विषय–वस्तु–सामाजिक सांस्कृतिक इतिहास 15. जातीय एवं जनजातीय इतिहास 16. क्षेत्रीय इतिहास लेखन	भारतीय इतिहास की विभिन्न विषय वस्तु को समझाना–आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, जातीय, जनजातीय आदि का विश्लेषण करना।	इतिहास के विभिन्न पहलूओं के माध्यम से विषय की गहनता को समझने में सहायता।
bdkb&5		
17. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु –कृषक एवं श्रमिक वर्ग 18. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी 19. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु–नारी 20. जनसंचार के माध्यम से इतिहास की प्रस्तुति	इतिहास के विषय वस्तुओं के माध्यम से विभिन्न वर्ग तथा क्षेत्र की समस्याओं एवं उनके प्रभावों को समीक्षात्मक तरीके से समझाना तथा भारतीय समाज के नारी की स्थिति तथा परिवर्तन को स्पष्ट करना साथ में आधुनिक समय में जनसंचार के माध्यम से इतिहास को प्रस्तुत करने के माध्यम एवं महत्व को समझाना।	इतिहास के विषयवस्तु कृषक, श्रमिक विज्ञान, प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलाओं एवं प्रभावों का विश्लेषण तथा नारी की स्थिति एवं परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही जनसंचार के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को इतिहास की जानकारी प्राप्त करने में सहायक है।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–अष्टम (ऐच्छिक)

vk/kfud Hkkjr e ukjh

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. औपनिवेशिक काल में नारी शिक्षा 2. पुर्नजागरण आंदोलन और महिलाऐं 3. 19वीं शताब्दी में नारी संगठन 4. 20वीं शताब्दी में नारी संगठन	औपनिवेशिक समय में नारी शिक्षा की स्थिति पुर्नजागरण आंदोलन और महिलायें 19वीं एवं 20 वीं शताब्दी में नारी संगठन तथा उनके कार्यों की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करना।	औपनिवेशिक काल में स्त्रियों की शिक्षा, पुर्नजागरण काल तथा सुधार कार्य, 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में नारी संगठन तथा महिलाओं की स्थिति में सुधार संबंधी जानकारी से नारी इतिहास संबंधी अध्ययन सुलभ होता है।
bdkb&2		
5. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलायें 1857 ई. की क्रांति		

6. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलायें गांधीवादी आंदोलन 7. भारत स्वतंत्रता आंदोलन और महिलायें क्रांतिकारी आंदोलन 8. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलायें आजाद हिंद फौज	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न आयामों में महिलाओं के योगदान के संदर्भ में जानकारी प्रदान करना।	1857 ई. के विद्रोह में महिलाओं की भूमिका, गांधीवादी आंदोलन में स्त्रियों का योगदान, क्रांतिकारी आंदोलन में महिलाओं की भूमिका तथा सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व एवं आजाद हिंद फौज में महिलाओं की भूमिका के माध्यम से देश की आजादी में महिलाओं के योगदान को समझने में सहायक।
bdkb&3		
9. स्वतंत्रता के पश्चात राजनीति और महिलाएं–पंचायत 10. स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति और महिलायें–विधानसभा से संसद तक 11. मताधिकार एवं महिलायें 12. पंचवर्षीय योजनायें और महिलायें	स्वतत्रंता के पश्चात् पंचायत विधानसभा एवं संसद में महिलाओं की स्थिति तथा मताधिकार एवं पंचवर्षीय योजनाओं तथा महिला विकास एवं सुधार संबंधी जानकारी।	स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति में पंचायत, विधानसभा, संसद, मताधिकार, पंचवर्षीय योजना की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&4		
13. भारतीय संविधान में महिलाओं की स्थिति 14. स्वातंत्र्योत्तर भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति 15. जनजातीय समाज में महिलाओं की स्थिति 16. महिलाओं के प्रति हिंसा एवं अपराध	भारतीय संविधान में महिलाओं की स्थिति, स्वातंत्रयोत्तर भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति, जनजातीय समाज में महिलाओं की दशा, महिलाओं के प्रति समाज में हिंसा एवं अपराध तथा उनके समाधान का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।	भारतीय संविधान में स्वातंत्रयोत्तर भारत में वैधानिक स्थिति जनजातीय समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए हिंसा एवं अपराध पर प्रयास एवं कानूनी प्रतिबंध एवं समस्याओं के समाधान तथा उनके तत्वों के विश्लेषण से अध्ययन में सुविधा होती है।
bdkb&5		
17. महिलाऐं कला एवं साहित्य के क्षेत्र में 18. मानवाधिकार एवं महिलायें 19. स्वातंत्रयोत्तर भारत में महिला शिक्षा 20. कामकाजी महिलायें स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण	कला, साहित्य एवं लोक संस्कृति के क्षेत्र में महिलाओं का योग, दान, मानवाधिकार एवं महिलाओं की स्थिति, महिला शिक्षा एवं विकास कामकाजी महिलाओं की समस्यायें, समाधान, स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण के संदर्भ में जानकारी प्रदान करना।	कला, साहित्य लोकसंस्कृति, मानवाधिकार एवं महिलाओं की स्थिति में हो रहे परिवर्तन, स्वतंत्रता के बाद महिला शिक्षा एवं कामकाजी महिलायें तथा स्वावलबंन एवं महिला सशक्तिकरण के स्वरूप की विश्लेषण के से अध्ययन में सुविधा होती है।

एम.ए. पूर्व इतिहास

प्रश्नपत्र–तृतीय

ikphu ,o e/;dkyhu N-x- ¼vfuok;½

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. छत्तीसगढ़ का परिचय एवं भौगोलिक स्थिति		

2. छत्तीसगढ़ का नामकरण 3. छत्तीसगढ़ का जनजीवन 4. प्राचीन छत्तीसगढ़–मौर्य वंश के पूर्व तक	तत्कालिक छ.ग. का परिचय, भौगोलिक स्थिति, छ.ग. का नामकरण, जनजातीय विश्लेषण तथा प्राचीन छत्तीसगढ़, मौर्य वंश के पूर्व तक विवेचन करना।	छत्तीसगढ़ के परिचय, नामकरण एवं भौगोलिक स्थिति तथा छ.ग. का जनजीवन की जानकारी प्राप्त होती है तथा छ.ग. के इतिहास को समझने में सहायक।
bdkb&2		
5. छत्तीसगढ़ में मौर्यकालिन एवं गुप्तकालिन छत्तीसगढ़ 6. छत्तीसगढ़ में सातवाहनों का प्रभाव 7. क्षेत्रीय राजवंश–नलवंश, राजर्षितुल्य कुल वंश, शरभपुरीय वंश 8. पाण्डु वंश, छिन्दकनाग वंश, फणिनाग वंश	छत्तीसगढ़ को मौर्यकालिन एवं गुप्तकालिन छत्तीसगढ़, छ.ग. में सातवाहन काल के प्रभाव तथा क्षेत्रीय राजवंश, नलवंश, राजर्षितुल्य, कुलवंश, शरभपुरीय व पाण्डुवंश, छिन्दकनाग वंश, फणिनाग वंश का विश्लेषण करना।	छत्तीसगढ़ के मौर्यकाल, गुप्तकाल, सातवाहन काल के प्रभाव को समझने में सहायक तथा छत्तीसगढ़ पाण्डुवंश, छिन्दकनागवंश, फणिनाग वंश से संदर्भित छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक घटनाओं को जानने में सहायक।
bdkb&3		
9. छत्तीसगढ़ में कलचुरियों का आगमन 10. छत्तीसगढ़ में कल्चुरि वंश रत्नदेव से मोहन सिंह तक 11. कल्चुरि कालिन शासन व्यवस्था 12. कल्चुरीकालीन आर्थिक दशा	छ.ग. में कल्चुरियों क आगमन, छ.ग. में कल्चुरि वंश रत्नदेव से मोहन सिंह तक तथा कल्चुरिकालीन शासन व्यवस्था व आर्थिक दशा का वर्णन करना।	छत्तीसगढ़ में कल्चुरियों के आगमन, रत्नदेव से मोहनसिंह तक भी ऐतिहासिक घटनाओं को समझने में सहायक तथा कल्चुरीकालीन शासन व्यवस्था व आर्थिक दशा की जानकारी प्राप्त हुई है।
bdkb&4		
13. कल्चुरीकालीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा 14. कल्चुरी स्थापत्य 15. छत्तीसगढ़ में मराठा शासन बिंबाजी एवं उनका प्रशासन 16. छत्तीसगढ़ में मराठों की सूबा शासन व्यवस्था	कल्चुरीकालीन सामाजिक एवं सांस्कृति दशा का समीक्षा कर, कल्चुरी कालीन, स्थापत्य कला तथा छत्तीसगढ़ में मराठा शासन, बिंबाजी भोसले व उनके प्रशासन तथा मराठों की सूबा शासन व्यवस्था को समझाना।	कल्चुरीकालीन सामाजिक सांस्कृतिक दशा की जानकारी प्राप्त हुई तथा कल्चुरीकालीन, स्थापत्य कला, मराठा काल में बिंबाजी भोसले की प्रशासन व्यवस्था व मराठों की सूबा शासन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त हुई।
bdkb&5		
17. रघुजी तृतीय 18. मराठा कालीन छत्तीसगढ़ की आर्थिक दशा 19. मराठा कालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा 20. ब्रिटिश नियंत्रण काल	छत्तीसगढ़ में रघुजी तृतीय के प्रारंभिक जीवन, मराठा कालीन छ.ग. आर्थिक दशा, सामाजिक दशा का वर्णन कर ब्रिटिश नियंत्रण काल कब से कब तक रहा उसके उपलब्धियों का विवेचन।	छत्तीसगढ़ में रघुजी तृतीय के प्रारंभिक जीवन व मराठा काल आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक दशा को समझने में सहायक तथा ब्रिटिश नियंत्रण या अंग्रेजों के शासन की जानकारी प्राप्त हुई।

एम.ए. पूर्व, द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–शश्ठ

समकालीन विश्व (अनिवार्य)

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. जर्मनी में नाजीवाद का उदय के कारण 2. हिटलर की गृह नीति 3. हिटलर की विदेश नीति 4. जापान में सैन्यवाद	जर्मनी में हिटलर के नाजीवाद के उदय के कारण, गृह नीति, विदेश नीति तथा जापान के सैन्यवाद को समझाना।	जर्मनी में हिटलर के नाजीवाद के सिद्धांत, गृह नीति, विदेश नीति को समझने में सहायक तथा विश्व शक्ति के रूप में यूरोपीय साम्राज्यवादी देशों पर उसके प्रभाव की जानकारी में सहायक।
bdkb&2		
5. द्वितीय विश्वयुद्ध–कारण व परिणाम 6. संयुक्त राष्ट्रसंघ–उपलब्धियां एवं योगदान 7. संयुक्त राष्ट्रसंघ उद्देश्य संगठन 8. निशस्त्रीकरण की समस्यायें	1939 ई. के द्वितीय विश्व युद्ध के कारण, परिणामों का विवेचन करना तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के उद्देश्य, संगठन व उपलब्धियों तथा योगदान को समझाना।	विश्वयुद्ध के परिणाम स्वरूप दो महाशक्जियों का उदय हुआ तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के संदर्भ में विश्व के सभी राष्ट्रों द्वारा मानप अपना स्वार्थ परता का त्याग कर शांति एवं सहयोग की भावना का सूत्रपात करने में सहायक।
bdkb&3		
9. चीनी क्रांति 1911 10. चीन में गृह युद्ध एवं राष्ट्रवादी सरकार की स्थापना 11. हिन्द चीन एवं इंडोनेशिया में राष्ट्रवादी आंदोलन 12. चीन में साम्यवादी सरकार का अभ्युदय	चीन में राजनीतिक, वैज्ञानिक, पुर्नगठन का सूत्रपात करना व हिन्द चीन एवं इंडोनेशिया, चीन में साम्यवादी सरकार का अभ्युदय करना ।	चीन में लोकतंत्र की स्थापना हुई। जिससे साम्यवादियों का परस्पर संपर्क समाप्त हो गया तथा चीन में एक ऐसी सरकार की स्थापना हुई जिसका सम्पूर्ण देश में सम्मान किया गया। जिसमें छात्रों में एकता और दृढ़ निश्चय होने की प्रेरणा मिली।
bdkb&4		
13. शीतयुद्ध–परिभाषा, स्वरूप 14. शीतयुद्ध–अंतर्राष्ट्रीय संधियां एवं तनाव 15. साम्यवादी रूस का विघटन, कारण एवं परिणाम 16. एक ध्रुवीय विश्व	शीतयुद्ध के परिभाषा, स्वरूप, तनाव तथा साम्यवादी रूस के विघटन के कारकों का वर्णन कर संयुक्त राज्य अमेरिका के महाशक्तियों के सिद्धांतों का विवेचन करना।	शीत युद्ध, स्वरूप, तनाव तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों से छात्र अवगत हुए तथा रूस के विघटन के कारकों व महाशक्तियों के सिद्धांतों को समझने में सहायक।
bdkb&5		
17. गुट निरपेक्ष आन्दोलन एवं भारत, पंचशील। 18. अरब राष्ट्रवाद 19. आधुनिक तुर्की	गुट निरपेक्ष आन्दोलन, अरब राष्ट्रवाद तथा तुर्की का आधुनिकीकरण करना व तुर्क में स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व भावना नवीन विचारों की जागृति उत्पन्न करना एवं फिलीस्तीन कोरिया, वियतनाम जैसी अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं का विश्लेषण करना।	संचार व्यवस्था क्षेत्र सुधार में सहायक।

एम.ए. पूर्व, द्वितीय सेमेस्टर (इतिहास)

प्रश्नपत्र–सप्तम

vk/kfud NRrhlx< ¼vfuok;½

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		
1. ब्रिटिश सत्ता की स्थापना 2. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था 3. ब्रिटिशकालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, सांस्कृतिक दशा 4. छत्तीसगढ़ के रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति	छ.ग. में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना, ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था का वर्णन कर, ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, सांस्कृतिक दशा का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ के रियासतों की ब्रिटिश नीति का अध्ययन करना।	तत्कालिक छ.ग. में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना, प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी प्राप्त हुई तथा ब्रिटिश कालीन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा के बारे में छात्रों को अवगत कराया एवं छत्तीसगढ़ के रियासतों को जानने में सहायक हुआ।
bdkbZ&2		
5. 1857 का विप्लव–छत्तीसगढ़ में 6. जमींदारी विद्रोह–वीर नारायण सिंह 7. बस्तर में आदिवासी विद्रोह 1876 एवं 1910 8. छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आंदोलन 1920 तक	छ.ग. में 1857 के विप्लप में जानकारी, वीर नारायण सिंह की उपलब्धियां तथा बस्तर में आदिवासी विद्रोह 1876, 1910 का अध्ययन करना एवं छ.ग. में राष्ट्रीय आंदोलन 1920 तक का वर्णन करना।	1857 की क्रांति, जमीदार विद्रोह के अंतर्गत वीर नारायण सिंह के उपलब्धियों से अवगत हुआ तथा बस्तर के आदिवासी विद्रोह भूमकाल, मुरिया विद्रोह के अध्ययन में सहायक।
bdkbZ&3		
9. छ.ग. में असहयोग आंदोलन 10. छ.ग. में सविनय अवज्ञा आंदोलन 11. छत्तीसगढ़ में जंगल सत्याग्रह 12. छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत सत्याग्रह	छ.ग. में असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा छ.ग. में जंगल सत्याग्रह व व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन का अध्ययन करना।	छ.ग. में असहयोग आंदोलन से छ.ग. राष्ट्रीय महत्व का गौरव प्राप्त हुआ तथा जंगल सत्याग्रह के परिणाम स्वरूप खादी के उपयोग में सहायक। व इन आंदोलनों से छात्रों को छ.ग. के इतिहास की जानकारी में सहायक।
bdkbZ&4		
13. छत्तीसगढ़ में भारत छोड़ो आंदोलन 14. छत्तीसगढ़ में किसान आंदोलन 15. छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन 16. छत्तीसगढ़ में रियासतों का विलीनीकरण	छत्तीसगढ़ में भारत छोड़ो आंदोलन, किसान आंदोलन, श्रमिक आंदोलन तथा छ.ग. में रियासतों का विलीनीकरण का जानकारी प्रदान करना।	छ.ग. में भारत छोड़ो आंदोलन की जानकारी प्राप्त हुआ। किसान आंदोलन व श्रमिक आंदोलनों के माध्यम से छ.ग. इतिहास को समझने में सहायक तथा छ.ग. के रियासतों के विलय की जानकारी प्राप्त हुई।
bdkbZ&5		
17. छ.ग. में धार्मिक आस्थाएं, शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन एवं बौद्ध धर्म	छ.ग. में धार्मिक आस्थाएं, शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन धर्म, बौद्ध धर्म को समझाना एवं छ.ग. में कबीर पंथ, सतनाम पंथ का	छ.ग. की धार्मिक आस्थाओं की जानकारी प्राप्त हुई। छ.ग. में कबीर पंथ व सतनामी पंथ, मतिरा पान से दूर रहने से अवगत कराया। भेदभाव की

18. छ.ग. में कबीर एवं सतनाम पंथ 19. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति 20. छत्तीसगढ़ राज्य निर्मांण की पृष्ठभूमि	वन को समझाना एवं छ.ग. में कबीर पंथ, सतनाम पंथ का अध्ययन कर छ.ग. की लोक संस्कृति व छ.ग. राज्य निर्मांण की पृष्ठभूमि का विवेचन करना।	सतनामी पंथ, मंदिर जाने से दूर रहने से अवगत कराया। भेदभाव की भावना को समाप्त किया तथा छत्तीसगढ़ का लोक संस्कृति को जानने में सहायक।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
(प्रश्नपत्र–द्वितीय) सल्तनतकालीन समाज एवं संस्कृति

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. सल्तनतकालीन समाज, संरचना एवं परिवर्तन 2. सल्तनतकालीन नगरीय, समाज, नये सामाजिक वर्गों का उदय 3. सल्तनतकालीन हिन्दू समाज 4. सल्तनतकालीन मुस्लिम समाज	सल्तनतकालीन समाज की संरचना, परिवर्तनों के क्रम, नगरीय समाज एवं नये सामाजिक वर्गों के उदय को समझाकर समाज में हिंदू एवं मुस्लिम समाज की स्थिति से अवगत कराना।	सल्तनतकालीन सामाजिक स्थिति के अंतर्गत संरचना, परिवर्तन, नगरीय समाज, नये सामाजिक वर्गों का उदय की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&2		
5. भक्ति आंदोलन उदय के लिए उत्तरदायी तत्व 6. सगुण भक्ति की विशेषतायें 7. कृष्ण भक्ति शाखा 8. राम भक्ति शाखा	भक्ति आंदोलन के उदय के कारणों, सगुण भक्ति के तत्व, कृष्णभक्ति, रामभक्ति शाखा विशेषताओं का वर्णन करना।	भक्ति आंदोलन तथा विभिन्न शाखाओं की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&3		
9. निर्गुण भक्ति–संप्रदाय, कबीर और नानक 10. भक्ति आंदोलन की क्षेत्रीय विशेषतायें 11. भक्ति आंदोलन की भारतीय समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव। 12. भक्ति आंदोलन का साहित्य पर प्रभाव	भक्ति संप्रदाय के निगुर्ण शाखा के अंतर्गत कबीर एवं नानक के सिद्धांत तथा इसके प्रभाव एवं आंदोलन की विशेषताओं को समझाकर बताना साथ ही साहित्य संस्कृति पर हुए प्रभावों की व्याख्या करना।	भक्ति मार्ग की विभिन्न शाखाओं के अध्ययन से भारतीय संस्कृति एवं साहित्य दर्शन एवं समाज को प्रभावित करने वाले तत्वों को समझने में सहायता मिलती है।
bdkb&4		
13. सूफीवाद	सूफीवाद आंदोलन के अंतर्गत समन्वयवादी संस्कृति में सूफीवाद को समझाना तथा विभिन्न सूफी संतों एवं सिलसिलों का विवेचन कर इण्डो इस्लामिक संस्कृति के विकासक्रम को विश्लेषित करना।	हिन्दू मुस्लिम समन्वयवादी विचारधाराओं को विभिन्न संतो के सिद्धांतों के

14. प्रमुख सूफी सिलसिले और उनकी विशेषतायें 15. इण्डो–इस्लामिक संस्कृति का उदय एवं विकास 16. सल्तनतकालिन विज्ञान एवं तकनीकी	सल्तनतकालीन विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र का स्पष्टीकरण करना।	हिन्दू मुस्लिम समन्वयवादी विचारधाराओं का विभिन्न संतों के सिद्धांतों के माध्यम से समझने में सहायक
bdkb&5		
17. सल्तनतकालीन स्थापत्य कला 18. सल्तनतकालीन क्षेत्रीय स्थापत्य कला 19. सल्तनतकाल में साहित्य का विकास 20. सल्तनत काल में चित्रकला एवं संगीत कला	सल्तनतकालीन स्थापत्य कला, क्षेत्रीय स्थापत्य कला, साहित्य का विकास चित्रकला एवं संगीतकला के विकास को समीक्षात्मक अध्ययन के माध्यम से समझाना।	सल्तनतकालीन स्थापत्य में तत्कालिन शासकों का योगदान तथा कला के क्षेत्र में विकासक्रम एवं भारतीय संस्कृति को समझने में सहायक।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, अंतिम

(प्रश्नपत्र–वैकल्पिक)

भारतीय राश्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1857 ई. से 1922 ई. तक)

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. 1857 ई. के विपलव के कारण 2. 1857 ई. के विपलव के स्वरूप 3. भारत में राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि 4. कांग्रेस की स्थापना के पूर्व राजनीतिक संगठन	राष्ट्रीय आंदोलन में 1857 विद्रोह के कारण एवं स्वरूप को समझाना तथा राष्ट्रवाद की पृष्ठभूमि तथा कांग्रेस की स्थापना के पूर्व राजनीतिक संगठनों का विवेचन	अंग्रेजों के साम्राज्यवादी नीति के विरूद्ध 1857 का विद्रोह एवं उसके स्वरूप को समझने तथा परिणाम स्वरूप राष्ट्रवाद का उदय, कांग्रेस की स्थापना से पूर्व के राजनीतिक संगठन को समझने में सहायक।
bdkb&2		
5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, अवधारणायें एवं उद्देश्य 6. कांग्रेस का नरमपंथी युग, विचारधारा एवं कार्यक्रम 7. कांग्रेस में उग्रवाद का उदय, विचारधारा एवं कार्यक्रम 8. नरमपंथी उग्रवाद संघर्ष	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना सन् 1885 ई. का उद्देश्य, नरमपंथी उग्रवाद, नरमपंथियों के विचारधारा में भिन्नता को स्पष्ट करना।	राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, कार्य को समझना तथा नरमपंथी एवं उग्रवादी विचारधारा को समझनें में सहायक।
bdkb&3		

9. बंग–भंग एवं स्वदेशी आंदोलन 10. साम्प्रदायिक राजनीति का उदय, मुस्लिम लीग 11. लखनऊ समझौता 12. होमरूल आंदोलन	बंग–भंग आंदोलन तथा स्वदेशी प्रचार–प्रसार, साम्प्रदायिक राजनीति का उदय एवं ब्रिटिश सरकार की नीतियों को समझाना तथा लखनऊ समझौता तथा होमरूल आंदोलन की गतिविधियों को समझाना।	राष्ट्रीय आंदोलन की गतिविधियों एवं राष्ट्रवाद के प्रचार–प्रसार को समझने में सहायक।
bdkbZ&4		
13. गांधीजी का भारतीय राजनीति में प्रवेश एवं उनके नेतृत्व में प्रारंभिक आंदोलन 14. रोलेक्ट एक्ट 15. जलियावाला बाग हत्याकांड और उसका प्रभाव 16. खिलाफत आंदोलन	गांधीजी का राष्ट्रीय आंदोलन में नेतृत्व तथा उनके योगदान को स्पष्ट करना।	राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी के योगदान एवं ब्रिटिश नीति को समझने में सहायक।
bdkbZ&5		
17. 1919 के अधिनियम 18. क्रांतिकारी आंदोलन, प्रथम चरण–महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब एवं अन्य क्षेत्र 19. असहयोग आंदोलन का भारतीय राजनीति पर प्रभाव	संवैधानिक विकास के अंतर्गत 1919 ई. के अधिनियम की धारायें, क्रांतिकारी आंदोलन की गतिविधियां, असहयोग आंदोलन आदि का भारतीय राजनीति पर प्रभाव।	1919 ई. के अधिनियम की धारायें तथा राष्ट्रीय आंदोलन कमे विभिन्न आयामों को समझने में सहायक।

एम.ए. अंतिम, तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)

प्रश्नपत्र–प्रथम

lYrurdkyhu Hkkjrh; jktu; ,o vFk0;oLFkk ¼1200 ls 1526 bZ-½

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		
1. सल्तनतकालीन इतिहास के स्त्रोत 2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रसार 3. सल्तनतकालीन इतिहास लेखन, विभिन्न विचारधारायें 4. सल्तनत कालीन राज का स्वरूप एवं सिद्धांत	सल्तनतकालीन इतिहास के स्त्रोत को समझाना, दिल्ली सल्तनत का स्थापना, प्रसार सल्तनत कालीन इतिहास–लेखन की विभिन्न विचारधाराओं की जानकारी देना तथा सल्तनत कालीन राज्य के स्वरूप व सिद्धांत का वर्णन करना।	तत्कालिक सल्तनत स्त्रोत की जानकारी प्राप्त करने में सहायक व सल्तनत कालीन इतिहास लेखन की विभिन्न विचारधाराओं की जानकारी प्राप्त हुई। तथा सल्तनत कालीन राज्य के स्वरूप व सल्तनत कालीन ऐतिहासिक घटना की जानकारी में सहायक।
bdkbZ&2		
5. सल्तनतकालीन केन्द्रीय प्रशासन 6. सल्तनतकालीन प्रांतीस व्यवस्था	सल्तनतकालीन केन्द्रीय प्रशासन प्रांतीय प्रशासन का वर्णन कर	सल्तनतकाल के केन्द्रीय, प्रांतीय प्रशासन की जानकारी प्राप्त हुआ तथा

7. अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक नीति, बाजार नियंत्रण 8. अलाउद्दीन खिलजी का विजय–उत्तर भारत दक्षिण भारत	अलाउद्दीन खिलजी के बाजार नियंत्रण का समझाना तथा अलाउद्दीन खिलजी के विजय अभियान का विवेचन करना।	अलाउद्दीन खिलजी के बाजार नियंत्रण से छात्र बहुत लाभान्वित हुए एवं अलाउद्दीन खिलजी विजय अभियान को समझने में सहायक।
bdkbZ&3		
9. मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाएं 10. फिरोजशाह तुगलक का प्रशासन 11. सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य उत्तर भारत 12. सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य दक्षिण भारत	मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाओं की जानकारी देना फिरोजशाह तुगलक की प्रशासनिक व्यवस्था का वर्णन कर सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य उत्तर भारत दक्षिण भारत विश्लेषण करना।	मुहम्मद बिन तुगलक की योजनायें, फिरोजशाह तुगलक का प्रशासनिक व्यवस्था को समझने में सहायक तथा सल्तनत काल के विजय अभियान की जानकारी प्राप्त हुई।
bdkbZ&4		
13. सल्तनत कालीन भूराजस्व व्यवस्था 14. सल्तनतकालीन शिल्प व उद्योग 15. सल्तनतकालीन आंतरिक व्यापार 16. सल्तनतकालीन विदेशी व्यापार	सल्तनतकालीन भूराजस्व व्यवस्था, शिल्प उद्योग तथा आंतरिक व्यापार विदेशी व्यापार को समझाना।	सल्तनतकालीन राजस्व व्यवस्था शिल्प, उद्योग तथा आंतरिक व विदेशी व्यापार की जानकारी प्राप्त करने में सहायक।
bdkbZ&5		
17. तैमूर आक्रमण एवं प्रभाव 18. सल्तनतकाल में नगरों का उदय 19. सल्तनतकालीन मुद्राएं एवं बैंकिंग 20. सल्तनतकालीन कृषि एवं उद्योग	तैमूर के आक्रमण व उसके प्रभाव का वर्णन कर, सल्तनतकालीन नगरीय प्रशासन व मुद्रायें, बैंकिंग प्रणाली तथा उद्योग का जानकारी देना।	सल्तनतकालीन नगरीय प्रशासन व मुद्रायें, बैंकिंग प्रणाली तथा कृषि उद्योग की जानकारी में सहायक।

एम.ए. अंतिम, तृतीय सेमेस्टर (इतिहास)

Hkkjr dk lkaLÑfrd bfrgkl ¼izkjEHk ls 1526 bZ-½

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		
1. हड़प्पाकालीन सामाजिक एवं आर्थिक जीवन 2. हड़प्पाकालीन कला एवं स्थापत्य कला 3. आर्यों का मूल निवास संबंधी अवधाराणायें 4. आर्यों का भारत में प्रसार	हड़प्पाकालीन सामाजिक आर्थिक जीवन को समझाना तथा हड़प्पाकालीन कला एवं स्थापत्य कला, आर्यों का निवास की अवधारणाऐं तथा आर्यों का भारत में प्रसार का विवेचन	हड़प्पाकालीन सामाजिक आर्थिक जीवन के अंतर्गत उनके आहार, आभूषण, मनोरंजन तथा कृषि, पशुपालन, उद्योग धंधे की जानकारी में सहायक तथा आर्यों का भारत में प्रसार की जानकारी प्राप्त हुई।
bdkbZ&2		

5. ऋग्वेदकालीन समाज एवं संस्कृति 6. उत्तरवैदिक कालीन समाज एवं संस्कृति 7. वेद, उपनिषद, सूत्र, स्मृति ग्रंथ 8. महाकाव्य युगीन संस्कृति	ऋग्वेद कालीन समाज के संदर्भ में वेदों की जानकारी देना, व उत्तरवैदिक कालीन समाज की संस्कृति की समीक्षा करना तथा वेद सूत्र, उपनिषद, स्मृतिग्रंथ महाकाव्य के बारे में जानकारी देना या समझाना।	ऋग्वेदकालीन समाज के फलस्वरूप निर्धनों और निस्सहायों को सहायता करने में सहायक तथा चोर, डाकुओं और दुष्टों के नारा करने की जानकारी मिली तथा वेद, उपनिषद, महाकाव्य, ऐतिहासिक घटनाओं का जानकारी में सहायक।
bdkb&3		
9. महाजनपद कालीन समाज एवं संस्कृति 10. जैन धर्म, बौद्ध धर्म 11. मौर्यकालीन समाज एवं संस्कृति 12. भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान	महाजनपद कालीन समाज एवं संस्कृति का वर्णन करना तथा जैन धर्म, बौद्ध धर्म की उपदेशों का विश्लेषण कर मौर्यकालीन समाज व संस्कृति तथा अशोक के योगदान तथा उपलब्धियों का वर्णन करना।	महाजनपद कालीन समाज के अंतर्गत 16 महाजनपदों की जानकारी प्राप्त हुई। तथा जैन धर्म, बौद्ध धर्म के माध्यम से भारतीय संस्कृति व दर्शन को समझने में सहायता प्राप्त होती है तथा भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान से छात्र लाभान्वित हुए।
bdkb&4		
13. गुप्तकालीन समाज एवं धर्म 14. गुप्तकालीन कला विज्ञान एवं साहित्य 15. राजपूत कालीन समाज 16. राजपूत कालीन कला एवं स्थापत्य	गुप्तकालीन समाज, धर्म, कला, विज्ञान साहित्य की जानकारी देना तथा राजपूतकालीन समाज व कला एवं स्थापत्य का विश्लेषण करना।	गुप्तकालीन समाज एवं धर्म कला, विज्ञान तथा शिक्षा व साहित्य की जानकारी में सहायक। तथा राजपूत कालीन समाज से संदर्भित राजपूतों की उत्पत्ति के बारे में जानने में सहायक।
bdkb&5		
17. सल्तनतकालीन समाज 18. सल्तनतकालीन संस्कृति की विशेषतायें 19. भक्ति आंदोलन 20. सूफी आंदोलन	सल्तनतकालीन समाज व संस्कृति की विशेषतायें तथा भक्ति, सूफी आंदोलन की समीक्षा करना।	सल्तनतकालीन समाज एवं संस्कृति की विशेषतायें से अवगत कराया तथा भक्ति आंदोलन, सूफी, आंदोलन की जानकारी में सहायक।

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

(प्रश्नपत्र–शश्ठ) मुगलकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. मुगलकालीन हिन्दू समाज 2. मुगलकालीन मुस्लिम समाज 3. मुगलकालीन समाज में शासक वर्ग की भूमिका 4. मुगलकाल में स्त्रियों की दशा	मुगलकाल में भारत की सामाजिक स्थिति एवं हिन्दू एवं मुस्लिम समाज तत्कालीन समाज में शासक वर्ग की भूमिका एवं उक्त समय में स्त्रियों की दशा के बारे में जानकारी प्रदान करना।	मुगलकालीन समाज में हिन्दू एवं मुस्लिम समाज की स्थिति एवं शासक वर्ग की भूमिका तथा स्त्रियों की सामाजिक स्थिति को समझने में सहायक।

bdkbZ&2		
5. मुगलकालीन स्थापत्य कला 6. मुगलकालीन क्षेत्रीय स्थापत्य कला 7. मुगलकालीन चित्रकला 8. क्षेत्रीय चित्रकला का विकास	मुगलकालीन कलाओं की जानकारी प्रदान कर स्थापत्य कला, चित्रकला आदि के क्षेत्र में विभिन्न शासकों के योगदान को स्पष्ट करना।	विद्यार्थियों की स्थापत्य कला एवं चित्रकला के योगदान में मुगलकालीन शासकों की भूमिका को समझने में सरलता तथा जानकारी प्राप्त होती है।
bdkbZ&3		
9. फारसी भाषा एवं साहित्य का विकास 10. हिन्दी साहित्य का परिचय 11. संस्कृत साहित्य का परिचय 12. उर्दू भाषा एवं साहित्य का विकास	मुगलकालीन भाषा एवं साहित्य का विकास का क्रम समझाना	मुगलकालीन शासकीय एवं गैर शासकीय भाषा की जानकारी से अवगत हुए तथा साहित्य के विकास के क्रम से अवगत हुए।
bdkbZ&4		
13. मुगलकाल में समन्यवादी संस्कृति का विकास 14. मुगलकाल में संस्कृति के विकास में अकबर का योगदान 15. समन्यवादी संस्कृति का विघटन और औरंगजेब 16. मुगलकाल में नृत्य एवं संगीत का विकास	मुगलकालीन हिंदू–मुस्लिम समन्यवादी संस्कृति के विकास को स्पष्ट करना साथ ही अकबर के योगदान एवं औरंगजेब के समय विघटन कर स्थिति को विवेचित करना साथ ही मुगलकालीन नृत्य एवं संगीत के क्षेत्र में विकास के घटना क्रम की समीक्षात्मक विवेचना करना।	मुगलकालीन समन्वयवादी संस्कृति के विकास की समीक्षात्मक अध्ययन से समझने में सरलता तथा विभिन्न कला–संस्कृति के विकासक्रम तथा शासकों की भूमिका का समझने में सहायक।
bdkbZ&5		
17. मुगलकाल में धार्मिक आंदोलन 18. सामंती व्यवस्था का समाज पर प्रभाव 19. मराठा संस्कृति की विशेषतायें 20. मुगलकाल में इसाई धर्म का आगमन	मुगलकालीन धार्मिक, समन्वयवादी आंदोलनों एवं उसके प्रभावों के साथ ही दार्शनिक विचारों को समझाना साथ ही मराठा संस्कृति का इतिहास में प्रभाव एवं मुगलकाल में इसाई धर्म के आगमन संबंधी जानकारी प्रदान करना।	भारतीय धार्मिक संस्कृति एवं दर्शन को समझने में सहायक सामंती व्यवस्था का समाज पर प्रभाव, मराठा संस्कृति की विशेषतायें एवं भारतीय इतिहास में उनका योगदान तथा ईसाईयों के आगमन तथा उनके धर्म के प्रचार प्रसार को समझने में सहायक।

एम.ए. अंतिम, चतुर्थ सेमेस्टर (इतिहास)

प्रश्नपत्र–पंचम

e|xydkyhu Hkkjrh; jktu; ,o vFk0;oLFkk

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		

1. मुगलकालीन इतिहास के स्त्रोत 2. मुगलकालीन इतिहास लेखन विभिन्न विचारधारायें 3. मुगलकालीन राजनय दैवीस अधिकार का सिद्धांत 4. मुगल शासकों की राजत्व नीति	भारतीय इतिहास में मुगलकाल को समझने के लिए इसके स्त्रोतों को समझाना, इस युग के संदर्भ में किया गया। इतिहास लेखन एवं इस समय की राजनीति तथा क्षेत्रीय अधिकार के सिद्धांत तथा राजत्व नीति का विश्लेषण करना।	मुगलकाल के इतिहास क्रम को समझने के लिए स्त्रोत, लेखन एवं इतिहासकारों के विचार, राजनीति एवं नीति को समझने में सहायक होती है।
bdkb&2		
5. मुगलकालीन केन्द्रीय प्रशासन 6. मुगलकालीन प्रांतीय प्रशासन 7. मनसब एवं जागीर 8. शेरशाह का प्रशासन	मुगलकालीन केन्द्रीय एवं प्रांतीय प्रशासन कार्य एवं विशेषताओं को समझाना, मनसबदार एवं जागीरदार व्यवस्था को समझाना, शेरशाह सूरी का प्रशासन को सामाजिक विश्लेषण कर समझाना।	तत्कालिन केन्द्रीय एवं प्रांतीय प्रशासन को समझने में सहायता
bdkb&3		
9. मुगलकालीन दरबारी राजनीति एवं संघर्ष 10. मराठा इतिहास के स्त्रोत 11. मराठा राज्य की स्थापना एवं विकास 12. शिवाजी का प्रशासन	मुगलकालीन दरबार की राजनीति एवं गुटबाजियों को समझाना साथ ही मराठा इतिहास को समझने के स्त्रोत मराठा राज्य की स्थापना एवं विकास एवं शिवाजी तथा शिवाजी के प्रशासनिक व्यवस्था का वर्णन कर समझाना।	मुगलकालीन राजनीति के साथ ही मराठा साम्रात्य के स्थापना एवं प्रशासन को स्त्रोत के माध्यम से समझने में रूचिपूर्ण अध्ययन में सहायता मिलती है।
bdkb&4		
13. मुगलकालीन कृषि अर्थव्यवस्था एवं भू–राजस्व 14. मुगलकाल में शिल्प उद्योग 15. मुगलकालीन आंतरिक व्यापार 16. मुगलकालीन विदेशी व्यापार	मुगलकालीन अर्थव्यवस्था कृषि, भू–राजस्व एवं अन्य आय स्त्रोतों के साथ आंतरिक एवं विदेशी व्यापार का स्पष्टीकरण	मुगलकालीन अर्थव्यवस्था को समझने तथा व्यापार के अध्ययन को सरलता से कर आय के स्त्रोत की जानकारी प्राप्त होती है।
bdkb&5		
17. मुगलकाल में नगरों का उदय, नगरीय प्रशासन 18. मुगलकालीन मुद्रा एवं बैंकिंग 19. नये व्यापारिक वर्गों का उदय 20. मुगलकाल में कृषि एवं उद्योग एवं तकनीकि परिवर्तन	मुगलकाल में नये नगरों का उदय एवं नगरीय प्रशासन तत्कालिन मुद्रा एवं बैकिंग व्यवस्था, नये व्यापरिक वर्गों का उदय, कृषि एवं उद्योग, विज्ञान तकनीकी क्षेत्र में हुए परिवर्तन का अध्ययन करना।	मुगलकालीन नये नगरो के उदय एवं प्रशासन मुद्रा, बैंकिंग, नये व्यापारिक वर्ग का उदय, कृषि उद्योग, तकनीकी के क्षेत्र में हुए बदलावों को समझने में सहायक।

एम.ए. अंतिम, चतुर्थ सेमेस्टर (इतिहास)

i'ui=&f}rh;] odfYid

Hkkjr dk lkLÑfrd bfrgkl

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkbZ&1		
1. भारतीय संस्कृति में अकबर का योगदान 2. मुगलकालीन समाज 3. मुगलकालीन स्थापत्य 4. मुगलकालीन चित्रकला	भारतीय संस्कृति में अकबर का योगदान को आलोचनात्मक विश्लेषण करना साथ ही मुगलकालीन समाज, स्थापत्य, चित्रकला को विभिन्न सम्राट एवं उनके निर्माण कार्य तथा रूचि पूर्ण कलाओं का वर्णन करना।	भारतीय संस्कृति में समन्वयवादी निती में अकबर के योगदान को समझना साथ ही इस काल के सम्राटों के एवं अन्य प्रभुत्वशाली लोगों के द्वारा कला के क्षेत्र में किये गये कार्यों के समझने में सहायता
bdkbZ&2		
5. मुगलकालीन संगीतकला 6. दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक जीवन 7. दक्षिण भारत की कला एवं स्थापत्य कला	मुगलकालीन संगीत कला, दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक जीवन, दक्षिण भारत की कला एवं स्थापत्य कला का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।	मुगलकालीन संगीत कला तथा सम्राटों के द्वारा दिये गये प्रोत्साहन का समीक्षात्मक अध्ययन तथा दक्षिण भारत की संस्कृति को समझने में सहायता मिलती है।
bdkbZ&3		
8. यूरोपियों के आगमन का आर्थिक प्रभाव 9. भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव 10. भारतीय संस्कृति में इसाई मिशनरियों का योगदान 11. यूरोपीय प्राच्यवादियों का भारतीय संस्कृति में योगदान।	यूरोपियों के आगमन एवं उनका यहां आर्थिक प्रभाव, भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव, भारतीय संस्कृति पर इसाई मिशनरियों का योगदान तथा यूरोपिय प्राच्यवादियों का भारतीय संस्कृति में योगदान को तार्किक रूप से स्पष्ट कर समझाना।	यूरोपियों के आगमन एवं भारत पर उसके प्रभाव को समझने तथा विदेशी संस्कृति का भारत पर हुए परिणामों को समझने तथा प्राच्यवादियों के भारतीय संस्कृति में दिये गये योगदान को समझने में सहायता मिलती है।
bdkbZ&4		
12. राजा राममोहन राय एवं ब्रम्ह समाज 13. आर्य समाज तथा थियोरोफिकल सोसाइटी 14. रामकृष्ण मिशन एवं विवेकानंद 15. मुस्लिम समाज सुधार आंदोलन	भारतीय पुर्नजागरण आंदोलन के अंतर्गत राजाराम मोहन राय एवं ब्रम्हसमाज सिद्धांत एवं कार्य, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन एवं मुस्लिम समाज में सुधार कार्यों को विश्लेषित करना।	भारतीय पुर्नजागरण में ब्रहम समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन एवं अन्य संस्थाओं के द्वारा किये गये समाज सुधार कार्यों का एवं उनके प्रभावों को समझने में सहायता मिलती है।
bdkbZ&5		
16. ब्रिटिश भारत में नारी की स्थिति–सामाजिक कुरीतियां 17. ब्रिटिश भारत में नारी सुधार के प्रयास 18. कंपनी शासनकाल में शिक्षा का विकास 1857 तक 19. ब्रिटिश शासनकाल में शिक्षा का विकास 1858 से 1947	ब्रिटिश भारत में नारी की स्थिति एवं सुधार कार्य, कंपनी काल में शिक्षा का विकास तथा ब्रिटिश समय में किये गये कार्य।	ब्रिटिश भारत में नारियों की स्थिति एवं सुधार हेतु किये गये प्रयास तथा परिणामों के अध्ययन के सुविधा तथा ब्रिटिश भारत में शिक्षा की स्थिति की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

¼oSdfYid½

Hkkjrh; jk"Vªh; vkUnksyu dk bfrgkl

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य	अध्यापन के लाभ
bdkb&1		
1. स्वराज्य दल 2. साइमन कमीशन का विरोध एवं नेहरू रिपोर्ट 3. सविनय अवज्ञा के समय भारत की राजनीतिक स्थिति 4. सविनय अवज्ञा आंदोलन	सन् 1922 ई. से लेकर 1930 ई. तक की विभिन्न राजनैतिक एवं ऐतिहासिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।	राष्ट्रीय आंदोलन की परिवर्तित गतिविधियों से राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न नेताओं के कार्य एवं घटनाओं को समझने में सहायक।
bdkb&2		
5. गोलमेज सम्मेलन 6. पूना समझौता एवं श्वेतपत्र 7. प्रांतीय स्वायत्ता का क्रियान्वयन 8. राजनीतिक गतिरोध (1940–45)	सन् 1930 से लेकर सन् 1939 ई. तक की विभिन्न राजनैतिक घटनाओं की जानकारी प्रदान कर उसके परिणामों को समझाना।	अंग्रेज सरकार की हिन्दुस्तान के प्रति विभिन्न नीतियों तथा राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न आयामों को समझने में सहायता।
bdkb&3		
9. क्रांतिकारी आंदोलन द्वितीय चरण 10. भारतीय राजनीति में वामपंथी विचारधारा 11. कृषक एवं जनजातीय आंदोलन 12. श्रमिक आंदोलन	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं क्रांतिकारी गतिविधियों की जानकारी तथा उसके प्रभाव को समझाना, वामपंथी विचारधारा कृषक जनजातीय, श्रमिक आंदोलन व राष्ट्रीय आंदोलन को समझाना।	अंग्रेजों की साम्राज्यवादी एवं शोषण की नीतियों की तत्कालिक समाज में प्रतिक्रिया एवं राष्ट्रीय आंदोलन की धाराओं को समझने में सरलता।
bdkb&4		
13. व्यक्तिगत सत्याग्रह 14. क्रिप्स मिशन 15. भारत छोड़ो आंदोलन 16. भारतीय राजनीति में गांधीजी का योगदान	जनआंदोलन का व्यक्तिगत रूप में परितर्वन तथा राष्ट्रीय आंदोलन, विभिन्न गतिविधियों को समझाना तथा गांधीजी के सक्रिय योगदान का स्पष्टीकरण	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न घटनाक्रम एवं अंग्रेजों की नीतियों को समझने में सहायक
bdkb&5		
17. भारत विभाजन की योजनायें 18. केबिनट मिशन एवं अंतरिम सरकार 19. आजाद हिंद फौज एवं सुभाषचंद्र बोस 20. साम्प्रदायिक राजनीति का विकास एवं भारत विभाजन	स्वतंत्रता आंदोलन का विकासक्रम एवं भारतीय सामाजिक वर्गों एवं सम्प्रदायों में अंग्रेज सरकार की हस्तक्षेप की नीति, कांग्रेस एवं अन्य दलों की गतिविधियां तथा भारत व पाकिस्तान के विभाजन के मुद्दों तथा स्वतंत्रता प्राप्ति तक के घटनाक्रम को स्पष्ट करना।	भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में अंग्रेज सरकार का हस्तक्षेप तथा हिन्दुस्तान के विभाजन के तत्वों की समीक्षा कर भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति की घटनाक्रम को समझने में सरलता।

एम.ए. समाजशास्त्र–प्रथम प्रश्न–पत्र

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 समाजशास्त्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उद्भव	**a** परंपरागत सामंतवादी आर्थिक, सामाजिक संरचना **b** औद्योगिक विकास का आर्थिक, सामाजिक प्रभाव **c** नई उत्पादन नीति एवं पुंजीवाद का उद्भव **d** प्रबोधन एवं इसका विचारों पर प्रभाव
इकाइ&2 ऑगस्ट कॉम्ह (1798–1857)	**a** समाज की स्थिरता एवं गतिशीलता **b** चिन्तन की तीन अवस्थाएं **c** विभिन्न विज्ञानों का संस्तरण एवं वर्गीकरण **d** प्रत्यक्षवाद का सिद्धान्त
इकाइ&3 इमाइल दुर्खीम (1858–1917)	**a** सामाजिक तथ्य की अवधारणा **b** समाज में श्रम विभाजन एवं सामाजिक एकता **c** धर्म की व्याख्या **d** आत्महत्या का सिद्धान्त
इकाइ&4 वेलफ्रेडो पैरेटो(1848–1923)	**a** सामाजिक किया–तार्किक एवं अतार्किक **b** विशिष्ट चालक (अवशेष) की अवधारणा **c** सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धान्त **d** पैरेटो का पद्धतिशास्त्रीय योगदान
इकाइ&5 हरबर्ट स्पेन्सर (1820–1903)	**a** चार्ल्स डार्विन की उद्विकास की अवधारणा **b** सामाजिक उद्विकास **c** समाज एवं जीवों में समानताएं **d** सैनिक एवं औद्योगिक समाज की अवधारणा

द्वितीय प्रश्न–पत्र

शोध कार्यप्रणाली की दर्शनशास्त्रीय एवं वैचारिक आधार

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
इकाइ&1 सामाजिक शोधा का दर्शनशास्त्रीय आधार	**a** ज्ञान मीमांसा की आवश्यकता, ज्ञान के प्रकार एवं मान्यता **b** प्रत्यक्षवाद की आलोचना–कॉम्ट, दुर्खीम एवं कार्ल पापर का योगदान **c** समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में पद्धतिशास्त्रीय
इकाइ&2 सामाजिक अनुसंधान एवं वैज्ञानिक पद्धतियां	**a** सामाजिक अनुसंधान **b** अनुसंधान के प्रकार–ऐतिहसिक, वर्णनात्मक, प्रयोगात्मक **c** वैज्ञानिक पद्धति की अवधारणा एवं विशेषता **d** शोध में वस्तुनिष्ठता
इकाइ&3 सामाजिक वास्तविकता की प्रकृति	**a** शोध अधिकल्प के प्रकिया एवं चरण **b** शोध अधिकल्प के प्रकार–व्याख्यात्मक, निदानात्मक, अन्वेषणात्मक, निदानात्मक एवं प्रयोगात्मक **c** उपकल्पना की भुमिका **d** प्रघटनाशास्त्र एवं वैज्ञानिक विधी
इकाइ&4 गुणात्मक विधियां	**a** सर्वोत्तम अनुसंधान के तरीके–अवलोकन एवं साक्षात्कार निर्देशिका **b** वैयक्तिक अध्ययन एवं अन्तर्वस्तू विश्लेषण **c** ग्रामीण सहभागिता का मुल्यांकन **d** क्षेत्रीय कार्य में अनुभव एवं प्रकिया
इकाइ&5 सामाजिक शोध की आवश्यकता	**a** अर्न्तअनुशासनिक एवं गुणात्मक विधी की आवश्यकता **b** सैद्धान्तिक बना व्यवहारिक शोध **c** तथ्य संकलन की प्रकियाः–वर्गीकरण, सारणीयन एवं व्याख्या

r'rh; l:eLVj

प्रथम प्रश्न–पत्र

भारतीय समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1 iR;{kokn	1. प्रत्यक्षवाद की अवधारणा एवं विशेषताएँ
	2. कॉम्टे का योगदान
	3. दुर्खीम का योगदान
	4. आलोचना
	1. प्रकार्यवाद की आलोचना एवं विशेषताएँ
bdkbZ&2 izdk;:okn	2. पारसंस का योगदान
	3. मर्टन का योगदान
	4. आलोचना
	1. संघर्ष सिद्धान्त की आलोचना एवं विशेषता
इकाई–3 संघर्श सिद्धान्त	2. कार्ल मार्क्स का योगदान
	3. डेहरनेडार्फ का योगदान
	4. रेण्डाल कालिंस
	1. संरचनावाद की अवधारणा एवं विशेषताएँ
	2. रेडक्लिफ ब्राउन का योगदान
bdkbZ&4 lajpuk okn	3. लेवी स्ट्रास का योगदान
	4. आलोचना
	1. विनिमय सिद्धान्त की अवधारणा एवं विशेषताएँ
bdkbZ&5 fofue; fl)kUr	2. पीटर ब्लाऊ का योगदान
	3. जार्ज होमन्स का योगदान
	4. आलोचना

द्वितीय प्रश्न पत्र

Hkkjr e: lkekftd vknksyu

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
	1. विशेषताएँ
bdkbl&1 iidfr ,o iidkj	2. प्रकार
	3. कारण
	4. सामाजिक आंदोलन एवं शक्ति संरचना
	1. वर्ग, शक्ति, जातियता एवं लिंग
bdkbl&2 lkekftd vknksyu dk vk/kkj	2. नेतृत्व के प्रकार, नेताओं एवं जनता का संबंध
	3. सामाजिक आंदोलन एवं राजनीतिक संस्थाएँ
	4. सामाजिक आंदोलन में मीडिया की भूमिका
	1. मार्क्सवादी एवं नवमार्क्सवादी
bdkbl&3 l)kfUrd ifjis{;	2. संरचनात्मक प्रकार्यात्मक
	3. उत्तरा आधुनिकतावादी
	4. उत्तर संरचनावादी
	1. श्रमिक एवं व्यापारी संघ
bdkbl&4 ijEijkxr lkekftd vknksyu	2. आदिवासी
	3. कृषक
	4. राष्ट्रवादी
	1. दलित
bdkbl&5 orleku lkekftd vknksyu	2. महिला
	3. संजाति

	4. पर्यावरणीय
	5. छात्र असंतोष

तृतीय प्रश्न पत्र

Hkkjrh; lekt dk v/;;u dk ifjis{;

इकाई	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbZ&1 izdfr ,oa izdkj	1. विशेषताएँ
	2. प्रकार
	3. कारण
	4. सामाजिक आंदोलन एवं शक्ति संरचना
bdkbZ&2 lkekftd vkUnksyu dk vk/kkj	1. वर्ग, शक्ति, जातियता एवं लिंग
	2. नेतृत्व के प्रकार, नेताओं एवं जनता का संबंध
	3. सामाजिक आंदोलन एवं राजनीतिक संस्थाएँ
	4. सामाजिक आंदोलन में मीडिया की भूमिका
bdkbZ&3 lS)kfUrd ifjis{;	1. मार्क्सवादी एवं नवमार्क्सवादी
	2. संरचनात्मक प्रकार्यात्मक
	3. उत्तरा आधुनिकतावादी
	4. उत्तर संरचनावादी
bdkbZ&4 ijEijkxr lkekftd vkUnksyu	1. श्रमिक एवं व्यापारी संघ
	2. आदिवासी
	3. कृषक
	4. राष्ट्रवादी
	1. दलित

bdkbZ&5 orZeku lkekftd vkanksyu	2. महिला
	3. संजाति
	4. पर्यावरणीय
	5. छात्र असंतोष

तृतीय प्रश्न पत्र	
Hkkjrh; lekt dk v/;;u dk ifjiz{;	
इकाई	**अध्यापन के उद्देश्य**
इकाई–1 भारत विद्या भाास्त्रीय/पुस्तकीय	1. जाति की उत्पत्ति, सिद्धान्त एवं विशेषताएँ, जाति एवं वर्ग– जी.एस.धुरिये
	2. लुइस ड्यूमो–होमो हायरायकिस में भारत में जाति प्रणाली
	3. धुरिये एवं ड्युमों की तुलना
bdkbZ&2 lajpukRed] izdk;kZokn	1. एम.एस. श्रीनिवास– प्रभु जाति, संस्कृतिकरण, धर्मनिरपेक्षता एवं सामाजिक परिवर्तन
	2. एस.सी. दुबे– सामाजिक परिवर्तन एवं आधुनिकता
	3. श्री निवास एवं दुबे की आलोचना
bdkbZ&3 ekDlZoknh ifjizs{;	1. डी.पी. मुखर्जी–भारत के आर्थिक एवं सामाजिक अध्ययन की पृष्ठभूमि
	2. ए.आर. देसाई–भारत में ग्रामीण सामाजिक एवं आर्थिक अध्ययन की पृष्ठभूमि
	3. डी.पी. मुखर्जी एवं ए.आर. देसाई की तुलना
bdkbZ&4 nfyroknh ifjizs{;	1. बी.आर. अम्बेडकर–जाति कि विशेषताएँ एवं दोष, अष्पृश्य जाति
	2. डेविड हार्डीमेन–भारतीय समाज की विशेषताएँ भारतीय समाज में दलितवादी अध्ययन की पृष

bdkbZ&4 nfyrokn ifjis{;	दलितवादी परिप्रेक्ष्य में अम्बेडकर एवं हार्डीमेन की तुलना
bdkbZ&5 lH;rkoknh ifjis{;	1. एन.के. बोस
	2. सुरजीत सिन्हा
	3. एन.के. बोस एवं सुरजीत सिन्हा की तुलना

चतुर्थ प्रश्न पत्र	
Hkkjr esa m|ksx ,oa lekt	
इकाई	**अध्यापन के उद्देश्य**
ोगिक समाजशास्त्र एवं भाारतीय समाजश	1. वैज्ञानिक प्रबंध 2. श्रम–विभाजन 3. नौकरशाही एवं तार्किकता 4. उत्पादन संबंध एवं अलगाव
bdkbZ&2 vkS|ksfxd laxBu	1. औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन संरचना एवं प्रकार्य 2. रेखा एवं कर्मचारी संगठन 3. समकालीन संगठन संबंध
bdkbZ&3 vkS|ksfxdj.k dk izHkko	1. परिवार 2. संस्तरण 3. आदत एवं समझौता 4. पर्यावरण

इकाई–4 कार्य का वैशयिक अनुभव	1. कार्य आचार–विचार, कार्य–मुल्य, कार्य–रवैया और कार्य–प्रक्रिया 2. कार्य के प्रति प्रेरणा 3. कार्य–संतुष्टि, प्रोत्साहन एवं उसका प्रभाव
bdkbZ&5 Lopkyu ,oa rduhdh ifjorZu	1. उद्योग में तकनीक एवं सामाजिक संरचना 2. संगठनात्मक पसंद एवं तकनीकी परिवर्तन 3. स्वचालन से प्रतिरोध एवं परिवर्तन

पंचम प्रश्न पत्र

अपराधशास्त्र

इकाई–1 अवधारणात्मक एवं सैद्धान्तिक दृश्टिकोण

1. अपराध की कानूनी एवं प्रत्यक्षवादी अवधारणा
2. अपराध–कारण, निवारण एवं नियंत्रण
3. अपराधकरणीय का सिद्धान्तः भौगोलिक एवं समाजशास्त्रीय

bdkbZ&2 vijk/k ,oa vijk/kh ds izdkj

1. किशोर अपराध
2. महिला और अपराध
3. सफेदपोश अपराध

bdkbZ&3 vijk/k ,oa vijkf/k;ksa dh cnyrh :ijs[kk

1. भ्रष्टाचारः प्रकार, कारण और परिणाम
2. साइबर अपराधः कारण, निवारण, नियंत्रण

3. महिला के विरूद्ध अपराधः कारण, निवारण एवं नियंत्रण

bdkbl&4 n.M d: fl)kUr

1. दण्ड देने वाला, निवारक : सिद्धान्त, आलोचना
2. संस्कारक सिद्धान्त : प्रोबेशन एवं पैरोल
3. खुली जेल : इसकी सफलता एवं असफलता

bdkbl&5 vkr:dokn

1. आतंकवाद की अवधारणा एवं इसकी विशेषताएॅं
2. भारत में आतंकवाद
3. इसके निवारण एवं नियंत्रण के सामाजिक एवं कानूनी उपाय

pr|Fk l:eLVj

प्रथम प्रश्न–पत्र

आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

bdkbl&1 i:rhdkRed v:r% fØ;kokn

1. प्रतीकात्मक अंतः क्रियावाद की अवधारणा एवं विशेषताएॅं
2. जी.एच.मीड का योगदान
3. हरबर्ट ब्लुगर का योगदान
4. आलोचना

bdkbl&2 ?kVuk fØ;k foKku

1. घटना क्रिया विज्ञान की अवधारणा एवं विशेषताएॅं
2. अल्फ्रेड शुट्ज का योगदान
3. पीटर बर्जर का योगदान
4. आलोचना

bdkbl&3 ykdfof/k foKku

1. लोकविधी विज्ञान की अवधारणा एवं विशेषताएँ
2. हेराल्ड गारफिंकेल का योगदान
3. दूरविंग गाफमैन का योगदान
4. आलोचना

bdkbZ&4 lUnHkZ fl)kUr

1. संदर्भ सिद्धान्त की अवधारणा एवं विशेषताएँ
2. एडोर्नो का योगदान
3. हेबरमास का योगदान
4. आलोचना

bdkbZ&5 mRrj vk/kqfudrk

1. उत्तर आधुनिकता की अवधारणा एवं विशेषताएँ
2. माइकल फोकाल्ट का योगदान
3. जैक देरिदा का योगदान
4. आलोचना

द्वितीय प्रश्न–पत्र

तुलनात्मक समाजशास्त्र

इकाई–1 पश्चिम में समाजशास्त्र का ऐतिहासिक एवं सामाजिक प्रसंग का उद्‌भव

1. पश्चिम में समाजशास्त्र का उद्‌भव
2. पश्चिमी समाजशास्त्रीय परंपरा की स्त्रोत का आधार
3. समाजशास्त्र का अमेरिकीकरण
4. समाजशास्त्र में राष्ट्रीय परंपरा

इकाई–2 तुलनात्मक समाजशास्त्र में केन्द्रीय विशय

1. आधुनिकता एवं विकास : अवधारणा, विशेषतायें एवं मुद्‌दे
2. बहु संस्कृति एवं विविधताः अवधारणा, विशेषतायें एवं मुद्‌दे

3. पर्यावरण : अवधारणा, विशेषतायें एवं मुद्दे
4. वैश्वीकरण : अवधारणा, विशेषतायें एवं मुद्दे

इकाई–3 तुलनात्मक समाजशास्त्र की सैद्धान्तिक चिंता

1. समाजशास्त्र में सिद्धान्त की समस्याएँ
2. समाजशास्त्र में सैद्धान्तिक एवं पाद्धतिक दृष्टिकोण
3. नैतिक मुद्देः– सुत्रीकरण एवं उद्विकास

bdkbZ&4 orZeku cgl

1. इरावती कर्वे के संदर्भ में
2. भारतीयकरण–जी.एस.धुरिये एवं के.एम.कपाड़िया के संदर्भ में
3. देशी श्रेणीयों का उपयोग– एम.एन. श्री निवास, आन्द्रे बिताई
4. वर्तमान स्थिति एवं आलोचना

इकाई–5 ''भारत का समाजशास्त्र के लिए'' पर बहस

1. भारत का समाजशास्त्र– डी.पी. मुखर्जी, आर.के. मुखर्जी
2. भारत का समाजशास्त्र– बम्बई, लखनऊ एवं दिल्ली में समाजशास्त्र का स्कुल
3. भारत के लिए समाजशास्त्र' लुइस ड्युमो, पोकाक, योगेन्द्र सिंह एवं इन्द्रदेव
4. वर्तमान स्थिति एवं आलोचना

तृतीय प्रश्न–पत्र

m|kx esa ledkfyu eqn~ns

bdkbZ&1 vkS|kfxd lEca/k

1. कार्य में मानव संबंधों का महत्व
2. संघर्षः कारण एवं प्रकार, संघर्ष का संकल्प
3. सामुहिक सौदेबाजी का संकल्प
4. प्रबंधन में श्रमिक सहभागिता

bdkbZ&2 vkS|ksfxdj.k ,oa 0;kikj l?k

1. भारत में व्यापार संघ का इतिहास
2. कार्य एवं लक्ष्य
3. भारत में व्यापारी संघ एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
4. वैश्वीकरण में व्यापार संघवाद

bdkbZ&3 m|ksx ,oa lekt

1. उद्योग का परिवार पर प्रभाव
2. उद्योग का स्तरीकरण पर प्रभाव
3. औद्योगीकरण और प्रवास
4. औद्योगीकरण और धर्म

इकाई–4 तीसरे वि□व के दे□ाों में वै□वीकरण की सीमा में औद्योगीकरण

1. तीसरा विश्व और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
2. अन्तर्राष्ट्रीय साधनः विश्व बैंक एवं तीसरे विश्व के देश
3. तीसरे विश्व के देशों में उद्योग की स्थिति

bdkbZ&5 ledkfyu eqn~ns

1. औद्योगीकरण एवं महिला श्रमिक
2. औद्योगीकरण एवं बाल श्रमिक
3. औद्योगीकरण एवं पर्यावरण
4. विकासशील देशों में औद्योगीकरण की समस्या

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

अपराधशास्त्र : सुधारक एवं प्रशासक

bdkbZ&1 vijk/k jksdFkke dh ey ,oa l/kkjd

1. समाजीकरण
2. पारिवारिक मुल्यःसत्य, आज्ञाकारिता, ईमानदारी, अखण्डता, नैतिकता, आचार–विचार
3. शिक्षा की भूमिका

bdkbi&2 l/kkjd ,o bld :i

1. सुधारक का अर्थ एवं महत्व : जेल आधारित एवं समुदाय आधारित
2. जेल में सुधारात्मक कार्यक्रम : भारत में जेल सुधारों का इतिहास
3. पुनर्वास प्रक्रिया और ध्यान के पश्चात्

इकाई–3 सुधारात्मक प्रशासन की समस्याएं

1. अतिप्रजन : समन्वय पुलिस में अंतर–एजेंसी की कमी, अभियोग, न्यायपालिका एवं जेल
2. जेल अपराध
3. अपराधी न्याय प्रशासन की समस्या

इकाई–4 पीड़ित भास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

1. अपराध में पीड़ितों का उत्तरदायित्व
2. बन्दी मानव अधिकार की समस्या
3. महिला अपराधियों की समस्या

bdkbi&5 ifyl lenk;

1. अवधारणा एवं उद्देश्य
2. प्रकार

महत्व

ठभूमि

एम.ए. समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–तृतीय

तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेशण

bdkbi	अध्यापन के उद्देश्य
bdkbi&1 – तुलनात्मक राजनीति– अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं समस्याएं राजनीतिक व्यवस्था का महत्व एवं संविधानवाद	तुलनात्मक राजनीति के अथ्र उसकी प्रकृति, विषयक्षेत्र एवं समस्याओं का ज्ञान छात्र/छात्राओं को कराना। राजनीतिक व्यवस्था का महत्व एवं संविधानवाद का अध्ययन कराना।
bdkbi&2 & परंपरागत एवं आधुनिक अध्ययन की विशेषताएं व्यवहारवाद एवं व्यवहारवाद शक्ति, सत्ता एवं वैध्यता	तुलनात्मक राजनीति के परंपरागत एवं आधुनिक अध्ययन की विशेषताओं का ज्ञान कराना। व्यवहार एवं उत्तर व्यवहार वादी उपागम का व्यापक अध्ययन कराना। शक्ति, सत्ता एवं वैध्यता का विस्तृत अध्ययन कराना।
bdkbi&3 & राजनीतिक व्यवस्था के उपागम– डेविड ईस्टन का व्यवस्था का सिद्धांत	तुलनात्मक राजनीतिक व्यवस्था के उपागम जैसे– डेविड ईस्टन का व्यवस्था का सिद्धांत एवं आमण्ड एवं पावेल का संरचनात्मक

आमण्ड एवं पावेल का संरचनात्मक प्राकार्यात्मक सिद्धांत	प्रकार्यात्मक सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन कराना।
bdkbi&4 & राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक संचार निर्भरता– विकास और अल्पविकास	राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक संचार के बारे में छात्र/छात्राओं को अध्ययन कराना। निर्भरता–विकास एवं अल्पविकास के बारे में ज्ञान कराना।

एम.ए. समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–चतुर्थ

vUrjk"Vªh; lxBu

bdkbi	**अध्यापन के उद्देश्य**
bdkbi&1 अंतर्राष्ट्रीय संगठन की प्रकृति, क्षेत्र एवं विकास अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्र, राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था	अंतर्राष्ट्रीय संगठन की प्रकृति, विषयक्षेत्र एवं विकास, अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्र, राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का समुचित ज्ञान कराना।
bdkbi&2	

राष्ट्र् संघ–निर्माण, संरचना, कार्य, सफलता एवं असफलता का मूल्यांकन	राष्ट्रसंघ का निर्माण, संरचना, कार्य, सफलता एवं असफलता का ज्ञान प्रदान करना।
bdkb&3 संयुक्त राष्ट्र् संघ–निर्माण, संरचना, कार्य विवादों के समाधान के शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी उपाय, आर्थिक एवं सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र् संघ की भूमिका	संयुक्त राष्ट्र् संघ के निर्माण, संरचना, कार्य, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान एवं बाध्यकारी उपायों एवं संयुक्त राष्ट्र् संघ के द्वारा आर्थिक एसं सामाजिक विकास के लिए किए गए कार्यों का समूचित ज्ञान प्रदान करना।
bdkb&4 क्षेत्रीय संगठन– सार्क, आसियान, सूरोपियन, यूनियन, ब्रिक्स, ओपेक	इसमें क्षेत्रीय संगठन जैसे सार्क, आसियान यूरोपियन यूनियन, ब्रिक्स एवं ओपेक के बारे में छात्र/छात्राओं को ज्ञान प्रदान करना।